हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 12

रोहित शर्मा के रिटायर होने के बाद ही यशस्वी...

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 16 जून 2026, वर्ष- 09, अंक- 112, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

भारत-स्लोवाकिया ने संबंधों को दिया 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा

दोनों देशों के बीच 11 समझौते

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और स्लोवाकिया ने अपने संबंधों को 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा देने का फैसला किया है। दोनों देशों ने इसके अलावा आतंकवाद-विरोधी संयुक्त कार्य समूह और वाणिज्य दूतावास संवाद की स्थापना की भी घोषणा की है। दोनों देशों के बीच ब्रातिस्लावा में 11 समझौता ज्ञापन और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने वाला आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। कोसिसे तकनीकी विश्वविद्यालय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में आईसीसीआर की पहली चेयर की स्थापित की जाएगी। श्रम प्रवासन, पर्यटन, विज्ञान, डिजिटल प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा और अनुसंधान, ऑडियो-विजुअल निर्माण, क्वांटम संचार और महत्वपूर्ण अवसंरचना संरक्षण, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुष, छात्र विनिमय कार्यक्रम व छात्रवृत्तियों और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको

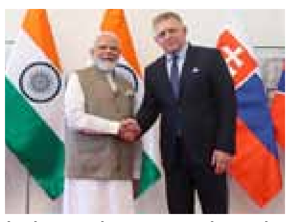

ने सोमवार को ब्रातिस्लावा में आमने-सामने और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में बातचीत की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार एवं निवेश, रक्षा व सुरक्षा, टेक्नोलॉजी व इनोवेशन, अंतरिक्ष व परमाणु ऊर्जा, शिक्षा व संस्कृति और टैलेंट मोबिलिटी व लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशे। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। इनमें संयुक्त राष्ट्र में सुधार का मुद्दा भी शामिल था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार नेताओं ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐतिहासिक भारत-ईयू एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) के लागू होने से व्यापार, मैन्युफैक्चरिंग, निवेश और रोज़गार पैदा करने के बड़े अवसर खुलेंगे। एक अहम कदम के तौर पर दोनों नेता भारत-स्लोवाकिया संबंधों को 'व्यापक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने पर सहमत हुए। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत को स्लोवाकिया द्वारा दी गई एकजुटता और समर्थन के लिए प्रधानमंत्री फिको को धन्यवाद दिया। यह आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का मुकाबला करने के लिए दोनों देशों की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। दोनों नेताओं ने पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने बहुपक्षवाद और वैश्विक शासन संस्थानों के सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री फिको ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में भोज का आयोजन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मेजबान को आपसी सहमति से तय की गई तारीख पर भारत आने का निमंत्रण दिया।

ब्रातिस्लावा में रोटी और नमक से हुआ मोदी का स्वागत

ब्रातिस्लावा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस का अपना सफल दौरा पूरा करने के बाद अब स्लोवाकिया पहुंच गए हैं। स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में भारतीय प्रधानमंत्री का बेहद भव्य और शानदार स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि स्लोवाकिया के गठन के बाद वहां का दौरा करने वाले नरेंद्र मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। ब्रातिस्लावा पहुंचने पर स्लोवाकिया के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री जुराज ब्लानार ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी की। इस दौरान पारंपरिक स्लोवाक रीति-रिवाज के अनुसार भारतीय प्रधानमंत्री को 'रोटी और नमक' भेंट किया गया, जिसे वहां की संस्कृति में परम सम्मान, सद्भावना और आतिथ्य का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। अपने इस ऐतिहासिक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी आज स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री के साथ एक उच्च स्तरीय द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा होगी। द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री मोदी 'टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर'स्मारक पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और शहीद सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि देंगे। इसके अलावा उनके सम्मान में डेन्यूब नदी पर एक विशेष हाई-टी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है, जिसमें वे शामिल होंगे।

नशा मुक्त झारखंड अभियान का शुभारंभ, मुख्यमंत्री ने जागरूकता रथों को दिखाई हरी झंडी

नई सोच एक्सप्रेस। रांची

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय परिसर से राज्यव्यापी "नशा मुक्त झारखंड" जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने नशीले एवं मादक पदार्थों के सेवन, तस्करी और उनके दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा मनुष्य के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। यह केवल नशा करने वाले व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज को भी गंभीर संकट में डाल देता है। उन्होंने कहा कि नशीले एवं प्रतिबंधित मादक पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इसलिए सभी के सहयोग से राज्य को नशा मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ना आवश्यक है। हेमन्त सोरेन ने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मादक पदार्थों का सेवन परिवार, समाज और राज्य की प्रगति के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जाएगा और उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने राज्यवासियों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। इस अभियान के तहत प्रचार-प्रसार वाहन राज्य के विभिन्न जिलों में जाकर लोगों को नशामुक्ति का संदेश देंगे तथा नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह विभाग की अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल, डीजीपी तदाशा मिश्रा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हुई पहली व्यावसायिक उड़ान सेवा शुरु

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार को औपचारिक रूप से उड़ान सेवाओं की शुरुआत हो गई। इस अवसर को प्रदेश के विकास के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया है। उद्घाटन के मौके पर यूपी सरकार के मंत्री बृजेश सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि करीब दो महीने पहले पीएम ने इस एयरपोर्ट का लोकार्पण किया था और आज यहां से पहली व्यावसायिक उड़ान लखनऊ के लिए हुई। उन्होंने बताया कि इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के स्थानीय विधायक और 150 से ज्यादा किसान इस पहली उड़ान में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट केवल एक बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं है, बल्कि यह पीएम मोदी के विजन और सीएम योगी की प्रभावी कार्यान्वयन नीति का प्रमाण है। साथ ही, यह उन किसानों के सहयोग और त्याग का प्रतीक भी है, जिन्होंने इस परियोजना के लिए अपनी भूमि सरकार को दी। मंत्री बृजेश सिंह ने किसानों के योगदान को सराहते हुए कहा कि आज के दिन सबसे ज्यादा बधाई के हकदार किसान हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंह ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन से एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर आर्थिक विकास होगा।

नीट पुनर्परीक्षा के लिए चार लाख अभ्यर्थियों ने डाउनलोड किए प्रवेश पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा है कि 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा के लिए अब तक लगभग 4 लाख अभ्यर्थी अपने प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) डाउनलोड कर चुके हैं। हालांकि कुछ उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों और सर्वर संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें दूर करने के लिए एजेंसी की टीमें लगातार काम कर रही हैं। एनटीए ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसे उन समस्याओं की जानकारी है जिनका सामना कुछ छात्रों को एडमिट कार्ड डाउनलोडिंग के दौरान करना पड़ा है। एजेंसी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी उम्मीदवार अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। एनटीए ने अभ्यर्थियों को हुई असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया। इससे पहले रविवार देर रात एनटीए ने जानकारी दी थी कि करीब एक लाख उम्मीदवार एडमिट कार्ड डाउनलोड कर चुके हैं। एजेंसी ने यह भी बताया कि छात्रों के हित में शुल्क वापसी के लिए बैंक खाते का सत्यापन करने की सुविधा शुरू की गई है, जिसे दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन) लॉगिन के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। एनटीए के अनुसार वेबसाइट पर भारी ट्रैफिक के कारण सर्वर पर दबाव बढ़ा है लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास जारी हैं कि सभी अभ्यर्थी बिना किसी परेशानी के अपने प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकें। इस बीच कई उम्मीदवारों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दो-स्तरीय सत्यापन प्रक्रिया और तकनीकी दिक्कतों को लेकर नाराजगी जताई है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पारंपरिक मिनिएचर कला शैलियों के कलाकारों से मुलाकात की

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में सोमवार को भारत की पारंपरिक मिनिएचर कला शैलियों के कलाकारों के एक समूह से मुलाकात की और उनके काम को देखा। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति भवन के 'आर्टिस्ट-इन-रेसिडेंस' कार्यक्रम के तहत वहां रह रहे 11 कलाकारों ने राजस्थानी जैसी अलग-अलग कला शैलियों का प्रदर्शन किया। इसी दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने आज इन कलाकारों से मुलाकात की और उनके काम को देखा। 'आर्टिस्ट-इन-रेसिडेंस' कार्यक्रम भारत की कलात्मक परंपराओं की भावना का जश्न है, जो सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने में जीवित कला परंपराओं की अहम भूमिका को फिर से रेखांकित करता है।

देश में पेट्रोल, डीजल और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक, एलपीजी की सप्लाई स्थिरः सरकार

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। साथ ही कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में बनाए रखा जा रहा है। पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस (एलपीजी सिलेंडर) की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का स्टॉक भी पर्याप्त मात्रा में बनाए रखा जा रहा है। सुजाता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हालांकि, कुछ रिटेल आउटलेट्स पर बिक्री में असामान्य रूप से तेज़ी देखी जा रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि औद्योगिक, प्रत्यक्ष, संस्थागत और व्यावसायिक और कमर्शियल ग्राहकों ने अब रिटेल आउटलेट्स से ईंधन खरीदना शुरू कर दिया है, जिससे वहां बिक्री बढ़ गई है। मई में, 42 करोड़ डीज़ल की बिक्री बल्क से रिटेल आउटलेट्स पर शिफ्ट हो गई। पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि एलएनजी कैरियर 'दिशा' 62,370 एमटी एलएनजी कार्गो लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजर चुका है। उन्होंने कहा कि इस जहाज के 18 जून को दहेज पहुंचने की उम्मीद है। ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, नाविकों की भलाई सुनिश्चित करने और उन्हें हर तरह की मदद देने के लिए विदेश मंत्रालय, विदेशों में भारतीय मिशनों, शिपिंग कंपनियों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ लगातार तालमेल बनाए हुए है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में विगत 28 फरवरी से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच आज शांति समझौते पर सहमति बनी है।

अमेरिका-ईरान समझौते का प्रधानमंत्री ने किया स्वागत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए बनी सहमति का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत को उम्मीद है कि इस समझौते के क्रियान्वयन से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल होगी तथा वैश्विक व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित हो सकेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक व्यवधान उत्पन्न हुआ है और कई देशों में जनहानि भी हुई है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष समाप्त करने के लिए बनी समझ का वह स्वागत करते हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि शेष लंबित मुद्दों पर जारी वार्ता एक टिकाऊ और अंतिम समझौते तक पहुंचेगी, जिससे क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति स्थापित हो सके। प्रधानमंत्री मोदी की यह प्रतिक्रिया उस समय आई जब खबरें सामने आईं कि अमेरिका और ईरान ने युद्ध समाप्त करने, रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता दोबारा शुरू करने के उद्देश्य से एक प्रारूप ढांचे पर सहमति बनाई है।

एलओसी पर पाक चौकी से की गई फायरिंग, सीजफायर का उल्लंघन!

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर के तरकुंडी इलाके में पाकिस्तान की ओर से कथित तौर पर सीजफायर उल्लंघन किया गया है। बताया जा रहा है कि पाक चौकियों से करीब 8 मिनट तक रुक-रुक कर फायरिंग की गई। सूत्रों के मुताबिक घटना के बाद सीमा पर सुरक्षा बल सतर्क हो गए हैं और पूरे इलाके में निगरानी बढ़ा दी है। फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भारतीय सेना या संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक इस घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट में सीमा से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यदि सीजफायर उल्लंघन की पुष्टि होती है तो यह हाल के दिनों में नियंत्रण रेखा पर तनाव बढ़ने का एक और मामला माना जाएगा। सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रही हैं और स्थानीय स्तर पर भी सतर्कता बढ़ा दी है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से मामले की पुष्टि नहीं की गई है।

अमेरिकी में सुंदर पिचाई के खिलाफ लगे नारे भाषण के बीच छात्रों ने किया वॉकआउट

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन कार्यक्रम में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई अपना भाषण शुरू करने वाले थे कि कुछ छात्रों ने नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद ही उत्साह का माहौल तनाव में बदल गया। खबरें हैं कि कुछ छात्रों ने वॉक आउट भी कर दिया, जिसके कारण कार्यक्रम खासा प्रभावित हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिचाई मंच पर पहुंचे और अपना भाषण शुरू करने वाले थे। इसके साथ ही छात्रों ने भी प्रदर्शन करना शुरू कर दिया और शोर मचाने लगे। खबर है कि कुछ छात्र नारेबाजी करते हुए मैदान छोड़कर भी बाहर चले गए। हालांकि, सिर्फ पिचाई ही नहीं, बल्कि कार्यक्रम में शामिल कई मेहमानों को अपने भाषण के दौरान ऐसे विरोध का सामना करना पड़ा। खबरें हैं कि छात्र इजराइली सरकार के साथ गूगल के कॉन्ट्रेक्ट का विरोध कर रहे थे। कुछ छात्र फ्री पैलेस्टीन का नारा भी लगा रहे थे। दरअसल, यह विरोध प्रोजेक्ट निम्बस को लेकर बताया जा रहा है। जबकि, पिचाई ने अपने भाषण में एआई का जिक्र भी नहीं किया और उन्हें छात्रों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। खास बात है कि पिचाई भी स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के ही छात्र रह चुके हैं। 1.2 बिलियन डॉलर का यह प्रोजेक्ट क्लाउड कम्प्यूटिंग और एआई से जुड़ा हुआ है। इजराइली सरकार ने यह प्रोजेक्ट गूगल और अमेजन को दिया है।

सोमवती अमावस्या पर हरिद्वार में उमड़ी भीड़, श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी

नई सोच एक्सप्रेस। हरिद्वार

सोमवती अमावस्या पर हरिद्वार में आस्था का नजारा देखने को मिला। सुबह से ही हर की पौड़ी समेत गंगा के प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट रहा। जिलाधिकारी और एसएसपी ने खुद ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने बताया कि करीब तीन सौ साल बाद ऐसा दुर्लभ योग बना है। ग्रहों की वर्तमान स्थिति, समवर्ती अमावस्या और ज्यादा मास का यह संयोग बना है। यह अपने आप में विशेष है। हरिद्वार समेत प्रयागराज, सरयू तट और अन्य सभी तीर्थस्थलों के लिए इसका विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि जो लोग पूरे मास व्रत रखते हैं, उन्हें सोमवती अमावस्या के दिन अपने पूर्वजों और पितरों का तर्पण करना चाहिए। जहां-जहां नदियां और संगम हैं, वहां स्नान करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति घर पर ही है, तो वह स्नान के जल में थोड़ा-सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकता है और अपने पूर्वजों का स्मरण कर सकता है। अमावस्या के दिन पितृ-तर्पण का विशेष महत्व माना जाता है। अपने पितरों की मुक्ति और कल्याण के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। यह शुभ और सुलभ योग है। रिपोर्ट के मुताबिक पुरी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने भगवद्गीता में कहा है कि वृक्षों में मैं अश्वत्थ (पीपल) हूं, देवर्षियों में नारद हूं, सिद्धों में कपिल मुनि हूं और गंधर्वों में चित्ररथ हूं। इसलिए संसार के समस्त वृक्षों में पीपल का विशेष स्थान है। पीपल एक ऐसा वृक्ष माना जाता है जो चौबीसों घंटे ऑक्सीजन प्रदान करता है। इसी कारण हमारे ऋषियों ने इसकी पूजा और संरक्षण की परंपरा स्थापित की। पीपल का अभिषेक कर उसे जल अर्पित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सोमवती अमावस्या के दिन सर्वप्रथम गंगा स्नान करना चाहिए और उसके बाद भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। जिलाधिकारी ने बताया कि सोमवती अमावस्या का स्नान जारी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था का संकट जल्द दूर होने वाला नहीं

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच संभावित समझौते की खबरों के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम

रमेश ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फैसले का स्वागत कर उम्मीद जाहिर की कि अमेरिका, ईरान और इजरायल तीनों देश समझौते का पालन करे, भले ही पूरी जानकारी अभी सार्वजनिक न हुई हो। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के बिना किसी प्रतिबंध के फिर से खुलने से भारत को बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने मौजूद संकट जल्द ही दूर होगा। कांग्रेस नेता ने तर्क दिया कि ये समस्याएं पश्चिम एशिया में मौजूदा युद्ध से पहले की हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के सिर्फ दो दिन बाद शुरू हुआ था। उन्होंने बताया कि रुपया लंबे समय से दबाव में है और डॉलर की मांग-आपूर्ति में अंतर बढ़ रहा है। कांग्रेस महासचिव ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर कहा कि बीते एक दशक में निवेश की दर सुस्त रही है और वास्तविक मजदूरी में ठहराव आ गया है।

तृणमूल कांग्रेस में बगावत के बीच शत्रुघ्न सिन्हा को लेकर सस्पेंस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में मचे आंतरिक घमासान के बीच एक बेहद चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। रविवार को सांसद काकोली घोष दस्तीदार की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और औपचारिक रूप से सूचित किया कि वे 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय करना चाहते हैं। बागियों ने लोकसभा अध्यक्ष से संसद के भीतर अपने गुट के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की है। हालांकि, लोकसभा स्पीकर को पत्र सौंपने के दौरान सामने आई तस्वीरों ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है, क्योंकि वहां टीएमसी के केवल 17 बागी सांसद ही मौजूद दिखाई दे रहे हैं, जबकि काकोली घोष का दावा है कि उन्होंने कुल 20 बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला आधिकारिक पत्र सौंपा है। इस संख्या बल के विवाद के बीच ही एनसीपीआई के एक सोशल मीडिया कदम ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। एनसीपीआई ने अपने ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से आसनसोल के सांसद और दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की तस्वीर साझा करते हुए उनके पार्टी में शामिल होने पर खुशी जताई।

जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए व्यापक रोडमैप जारी किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार सरकार ने राज्य में जन्म और मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एक व्यापक रोडमैप जारी किया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य में प्रत्येक जन्म और मृत्यु का समय पर, पूर्ण और नागरिकों के लिए सुगम हो सके। यह रोडमैप बिहार में सिविल रजिस्ट्रेशन एवं वाइटल स्टैटिस्टिक्स (सीआरवीएस) प्रणाली को सुदृढ़ बनाने संबंधी आकलन, विश्लेषण एवं पुनर्रचना (एएआर) रिपोर्ट के प्रसार कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला का आयोजन बिहार सरकार के अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीईएस) ने यूनिसेफ और संयुक्त राष्ट्र यूएनईएससीएपी के सहयोग से किया। कार्यशाला में जारी आकलन, विश्लेषण एवं पुनर्रचना (एएआर) रिपोर्ट तथा नागरिक पंजीकरण एवं महत्वपूर्ण सांख्यिकी नीति संक्षेप में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सुलभ और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं। इनमें ग्राम पंचायत स्तर तक पंजीकरण सेवाओं का विस्तार, पंचायत सचिवों को रजिस्ट्रार के रूप में नामित करना, आंगनवाड़ी सेविकाओं, आशा कार्यकतार्ओं और जीविका दीदियों को जन्म एवं मृत्यु की सूचना देने की प्रक्रिया से जोड़ना शामिल है। रिपोर्ट में जन-जागरूकता अभियान को मजबूत करने, मानक संचालन प्रक्रियाओं को संस्थागत रूप देने, रियल-टाइम डैशबोर्ड के माध्यम से निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा अस्पताल से डिस्चार्ज के साथ जन्म पंजीकरण को जोड़ने का भी सुझाव है।रिपोर्ट के सुझावों में मानव संसाधन की कमी को दूर करने, संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तकनीकी क्षमता बढ़ाने तथा मृत्यु के कारणों के बेहतर चिकित्सीय प्रमाणीकरण के माध्यम से मृत्यु संबंधी आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार लाने पर भी जोर दिया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योजना एवं विकास मंत्री श्रीभगवान सिंह कुशवाह ने कहा कि जन्म और मृत्यु का शत-प्रतिशत पंजीकरण नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और सुशासन को मजबूत करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में जागरूकता अभियान तेज करने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक लोग पंजीकरण के महत्व और इसकी प्रक्रिया से परिचित हो सकें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार गांवों में जनगणना और आबादी संबंधी आंकड़ों ने आवास योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में मदद की है, उसी प्रकार जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण से प्राप्त सटीक आंकड़े सरकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने और जरूरतमंद लोगों तक उनका लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह ने कहा कि जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण की मजबूत व्यवस्था राज्य के लिए विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध कराने और बेहतर नीतियां बनाने की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जन्म और मृत्यु का समय पर पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए निजी डॉक्टरों, क्लीनिकों और अस्पतालों को भी इस व्यवस्था से जोड़ना आवश्यक है, ताकि इस प्रसंग के समय ही उसका पंजीकरण हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य में शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक नियमों और व्यवस्थाओं को और मजबूत करने की जरूरत है, विशेषकर उन जन्मों के लिए जो स्वास्थ्य संस्थानों के बाहर होते हैं- जिसके लिए पंचायत राज संस्थाओं की भूमिका को और सशक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य देते हुए बिहार सरकार के योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा कि जन्म एवं मृत्यु का समय पर और सही पंजीकरण केवल एक सरकारी सेवा नहीं, बल्कि बेहतर योजना निर्माण और सुशासन के लिए विश्वसनीय आंकड़ों का आधार है। उन्होंने कहा कि आज के समय में विकास योजनाओं और जनहितकारी कार्यक्रमों की सफलता काफी हद तक सही और अद्यतन आंकड़ों पर निर्भर करती है। यूनिसेफ बिहार की प्रमुख डॉ. मोनिका नीलसन ने जन्म पंजीकरण के क्षेत्र में 90 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हासिल करने पर बिहार सरकार को बधाई दी। उन्होंने इसे राज्य की नागरिक पंजीकरण व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि अब अगला लक्ष्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि राज्य में होने वाले प्रत्येक जन्म और मृत्यु का पंजीकरण पूरी तरह सही, समय पर और बिना किसी चूक के हो। रिपोर्ट के निष्कर्षों को प्रस्तुत करते हुए अधिकारियों ने बताया कि राज्य में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था में सुधार के बावजूद कई चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। इनमें शत-प्रतिशत जन्म और मृत्यु का पंजीकरण सुनिश्चित न हो पाना, पंजीकरण में देरी, लोगों में पर्याप्त जागरूकता का अभाव, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की चुनौतियां तथा ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में लोगों की पंजीकरण सेवाओं तक सीमित पहुंच प्रमुख हैं।

संक्षिप्त समाचार

मद्य निषेध विभाग की परीक्षा रद्द कर, पुनः सुचारू तरीके से परीक्षा गृह जिले में संपन्न करें सरकारः राजेश राम

पटना। मद्य निषेध विभाग में पुलिस भर्ती की परीक्षा में हुए भारी अराजकता और अनियमितता को लेकर बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने सरकार से मांग की है कि परीक्षा को पुनः सुनियोजित और सुचारू रूप से गृह जिले में आयोजित कराई जाएं। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के दक्षिण बिहार के परीक्षार्थियों को उत्तर बिहार में परीक्षा सेंटर देना और छात्रों का सेंटर तक पहुंचने के लिए साधनों की कमी के कारण कई परीक्षार्थी सेंटर तक पहुंच ही नहीं सकें। अब तक कितने परीक्षार्थियों की परीक्षा हुई और कितनों की छूटी इसका आंकड़ा सरकार नहीं दे रही है। जब सरकार को पता था कि 16 लाख परीक्षार्थियों ने फॉर्म भरा है तो कम से कम उनके परिवहन के लिए उन्हें व्यवस्था करनी चाहिए थी। गर्मी के दिन में इतनी दूर सेंटर देना और दूसरा परीक्षा के लिए कोई विशेष ट्रेन नहीं चलाना यह साबित करता हांकी सरकार की मंशा परीक्षार्थियों के लिए ठीक नहीं थी। छात्रों को नौकरी देने में एनडीए सरकार हमेशा मनमाना रवैया अपनाती है और इसी का ताजा उदाहरण यह दुर्व्यवस्था रहा। कई परीक्षार्थी घायल हुए, उन्हें सरकार उचित मुआवजा दें। साथ ही मृत परीक्षार्थी के परिजनों को भी समुचित मुआजवा का प्रबंध करना चाहिए। बिहार के युवाओं के भविष्य के साथ खेलने वाली यह एनडीए सरकार विशुद्ध रूप से युवाओं के नौकरियों के लिए गंभीर नहीं है। उन्होंने मांग की है कि परीक्षा को अविलंब रद्द करके पुनः गृह जिले में सेंटर दे कर और समुचित परिवहन व्यवस्था के साथ परीक्षा का आयोजन राज्य सरकार को करना चाहिए ताकि परीक्षार्थियों को अवसर की समानता मिल सकें।

सीएम द्वारा सिवान के पचरुखी में 415.18 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन ऐतिहासिक पल : मंगल

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सह सिवान सदर विधायक मंगल पांडेय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को सिवान जिले के पचरुखी प्रखंड के पपौर पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर - सबका सम्मान, जीवन आसान” कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर सीएम द्वारा सिवान के विकास के लिए कुल 415.18 करोड़ रुपये की 44 विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया जा रहा है। इसमें 178.38 करोड़ की 18 योजनाओं का शिलान्यास और 236.80 करोड़ की 26 योजनाओं का शुभारंभ शामिल है। यह दिन सिवान के लिए स्वर्णिम पल है। यह पहल पीएम नरेंद्र मोदी व पूर्व सीएम नीतीश कुमार के विकास की सोच का प्रतीक है। श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा 415 करोड़ से अधिक की योजनाओं का लोकार्पण सिवान सदर की तस्वीर बदल देगा। सहयोग शिविर के माध्यम से 20 विभागों के स्टॉल लगाकर जन समस्याओं का त्वरित समाधान करने की पहल सराहनीय है। यह शिविर सबका सम्मान, जीवन आसान के संकल्प को धरातल पर उतार रहा है। सिवान के इस समग्र विकास के लिए मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। डबल इंजन सरकार के कारण ही बिहार को विकास की ऐसी योजनाएं मिल रही हैं। साथ ही बिहार के कर्मठ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बधाई, जिनके नेतृत्व में विकास की गति निरंतर तेज हो रही है।

पटना में 35 हाई मास्ट लाइट लगाई जाएगी,1.6 करोड़ रुपए की लागत

पटना। पटना नगर निगम में 35 हाई मास्ट लाइट्स लगाई जाएगी। निगम क्षेत्र के 30 वार्डों में कुल 35 स्थलों पर लाइटों को लगाने पर काम किया जा रहा है। हर हाई मास्ट लाइट की लंबाई 12.5 मीटर है। प्रत्येक हाई मास्ट लाइट में 6 फ्लड लाइटें होंगी, जिनकी कुल क्षमता 1200 वॉट होगी। इन सभी 35 हाई मास्ट लाइट में 1.6 करोड़ रुपए की लागत आएगी। पटना नगर निगम क्षेत्र में वर्तमान में 166 हाई मास्ट लाइट कार्यरत हैं। जिन जगहों पर हाई मास्ट लाइट लगेगी उनमें यारपुर राजपूताना, अपूर्वा अपार्टमेंट चौराहा के पास, वार्ड 15, जनता रोड बायपास चौराहा, वार्ड 16, रामलखन महतो चौराहा, वार्ड 16,जयप्रकाश नगर पटना गया मुख्य मार्ग, वार्ड 17, पटना गया रोड, जीतेन्द्र हाउस के पास, वार्ड 18, दयानंद हाई स्कूल, डॉ. सतीश तिवारी के पास, वार्ड 19, बसावन पार्क टी-प्वाइंट के पास, वार्ड 21, पंचमुखी हनुमान मंदिर, वार्ड 23, बुद्धा कॉलोनी थाना चौराहा के पास, वार्ड 24,राजापुर मछली मार्केट पेट्रोल पंप के पास, वार्ड 24, श्रीकृष्ण नगर स्टेट बैंक चौराहा, वार्ड 25, दक्षिण मंदिरी, सुरेश होटल के पास, वार्ड 26, उत्तर मंदिरी, पुष्पांजलि अपार्टमेंट के पास, वार्ड 26, लोदीपुर शक्ति मंदिर, न्यू पुलिस लाइन गेट, वार्ड 27, एस.पी.वर्मा रोड, रानी सती मेडिकल स्टोर के पास, वार्ड 28, बम्पर टोला मोड़, वार्ड 28, सिंचाई विभाग कार्यालय, वार्ड 29, विग्रहपुर सामुदायिक भवन, वार्ड 30, 70 फीट रोड, केनरा बैंक चौराहा के पास, वार्ड 30, आईओसी रोड, वार्ड 30, पोस्टल पार्क चौराहा, वार्ड 31, सुभाष पार्क, गांधी मैदान, वार्ड 37, शिवालय चौराहा के पास शहीद राम गोविंद सिंह मंडल, वार्ड 38, शांति मेडिकल चौराहा के पास, वार्ड 39, लैंगरटोली चौराहा के पास, वार्ड 40, दरियापुर राधे कृष्ण मंदिर चौराहा, वार्ड 42, हवाई अड्डा पुराना निकास द्वार, वार्ड-04, आशियाना मोड़, वार्ड-04, सिटी स्कूल फील्ड चौक शिकारपुर, वार्ड 62, चूड़ी मार्केट, नाला मार्केट टी पॉइंट, वार्ड 38, विद्युत कार्यालय, दीदारगंज, वार्ड 72, छोटी पहाड़ी, झंझरी के पास, वार्ड 56, मुर्चा रोड माथनी चौराहा, वार्ड 69, गायघाट के पास आईटीआई गुलजारबाग, वार्ड 53, कंगन घाट, वार्ड 66, बांकीपुर से पूर्व विधायक नितिन नवीन पहल के अंतर्गत ये लाइट लगाया जाएगा। पूर्व बांकीपुर विधायक नितिन नवीन की पहल पर ये योजना पूरी हुई थी। इसकी जानकारी खुद पूर्व विधायक ने दी थी। हाईमास्ट लाइट लगने से न केवल प्रकाश व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि सुरक्षा भी मजबूत होगी। खासकर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में रात के समय आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम बनेगा।

निशांत कुमार को 5 देशरत्न मार्ग हुआ अलॉट

पटना। बिहार सरकार ने मंत्रियों के आवास में बदलाव किया है। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को 5 देशरत्न मार्ग का सरकारी बंगला आवंटित किया गया है। यह वही आवास है, जहां पहले उपमुख्यमंत्री रहने के दौरान सम्राट चौधरी रहते थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद बंगला खाली होने पर इसे किसी को आवंटित नहीं किया गया था। मंत्री राम कृपाल यादव को 2 देशरत्न मार्ग का बंगला दिया गया है। इससे पहले 2 देशरत्न मार्ग का आवास निशांत कुमार को आवंटित था, लेकिन अब उन्हें 5 देशरत्न मार्ग शिफ्ट किया गया है। नए आवंटन के बाद अब निशांत कुमार 5 देशरत्न मार्ग स्थित बंगले में रहेंगे।बंगला विवाद के बीच उट सम्राट चौधरी ने 4 जून को बड़ा फैसला लिया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि मुख्यमंत्री के रूप में उनका आधिकारिक निवास केवल 1 अणे मार्ग (लोक सेवक आवास) ही रहेगा।राज्य सरकार ने इससे पहले 5 देशरत्न मार्ग को 1 अणे मार्ग परिसर के साथ जोड़कर मुख्यमंत्री आवास का हिस्सा बनाने का फैसला किया था। अब उस आदेश को रद्द कर दिया गया था। इसके साथ ही 5 देशरत्न मार्ग को मुख्यमंत्री आवास परिसर से अलग कर दिया गया था। राबड़ी के बंगला विवाद के बीच विपक्ष ने भी 5 देशरत्न मार्ग वाले बंगले को 1 अणे मार्ग में मिलाने का विरोध किया था।

नवसृजित महाविद्यालयों में अगले सत्र से उर्दू एवं मैथिली की भी पढ़ाई होगी : राज्यपाल

पटना। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार के विभिन्न प्रखंडों में नवसृजित 211 सरकारी डिग्री महाविद्यालयों में आगामी शैक्षणिक सत्र से उर्दू एवं मैथिली विषयों की पढ़ाई प्रारंभ किए जाने का निदेश दिया है।उल्लेखनीय है कि इन महाविद्यालयों में 01 जुलाई से प्रारंभ होने वाले शैक्षणिक सत्र से फिलहाल छह विषयों की पढ़ाई शुरू की जानी है। राज्यपाल ने वहाँ आगामी शैक्षणिक सत्र से उर्दू एवं मैथिली को भी अध्ययन-अध्यापन के विषयों में शामिल करने हेतु आवश्यक कार्रवाई का निदेश दिया है।

बिहार के 629 स्कूलों में स्थापित होगा मिनी सॉयल टेस्टिंग लैब : विजय

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार सरकार राज्य के 629 पीएम श्री और राजकीय विद्यालयों में मिनी सॉयल टेस्टिंग लैब स्थापित करेगी। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोमवार को मीठापुर स्थित कृषि भवन में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना तथा मुख्यमंत्री बागवानी मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, छात्रों में अनुसंधान एवं प्रयोगात्मक क्षमता विकसित करने तथा किसानों को मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने संबंधी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना के अंतर्गत संचालित स्कूल सॉयल हेल्थ प्रोग्राम के तहत राज्य के कुल 160 पीएम श्री एवं राजकीय विद्यालयों में मिनी सॉयल टेस्टिंग प्रयोगशालाओं की स्थापना की जा चुकी है। इस पहल का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर छात्रों को मृदा परीक्षण की वैज्ञानिक प्रक्रिया से जोड़ना तथा कृषि एवं पर्यावरण के प्रति उनकी समझ को विकसित करना है। मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस कार्यक्रम का व्यापक विस्तार करते हुए राज्य के कुल 629 पीएम श्री एवं राजकीय विद्यालयों में मिनी सॉयल टेस्टिंग प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी और इस योजना को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू किया जाएगा। इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से कक्षा 7, 8, 9 एवं 11 के छात्र-छात्राएं मृदा परीक्षण, नमूना संग्रहण तथा मृदा स्वास्थ्य संबंधी व्यावहारिक गतिविधियों में भाग लेंगे। इससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तकनीकी कौशल एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति विकसित होगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यालय में मिनी सॉयल टेस्टिंग प्रयोगशाला की स्थापना के लिए एक लाख रुपये की लागत निर्धारित की गई है, जिसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार तथा 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी। भारत सरकार द्वारा प्रत्येक विद्यालय को 50 मिट्टी नमूनों का संग्रहण, परीक्षण तथा किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण का लक्ष्य दिया गया है। यह पहल छात्रों, विद्यालयों और किसानों के बीच एक प्रभावी समन्वय स्थापित करेगी तथा संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देगी। समीक्षा बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने चतुर्थ कृषि रोड मैप के अंतर्गत तैयार डीपीआर के आधार पर संचालित ड्रैगन फ्रूट विकास योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बागवानी मिशन के अंतर्गत पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए कुल तीन करोड़ रुपये की लागत से इस योजना के क्रियान्वयन को स्वीकृति प्रदान की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए स्वीकृत 60 लाख रुपये की राशि के अंतर्गत कुल 13.62 लाख रुपये की निकासी एवं व्यय के स्वीकृत्यादेश को मंजूरी प्रदान कर दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि के आधुनिकीकरण, फसल विविधीकरण तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालयों में मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना और ड्रैगन फ्रूट जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा देने की पहल कृषि क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता को नई दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि किसानों और विद्यार्थियों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके।

राज्यपाल ने बिहार अग्निशमन सेवा की गतिविधियों और आपदा संबंधी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार अग्निशमन सेवा की गतिविधियों एवं राज्य में आपदा प्रबंधन तथा आपदा-पूर्व तैयारी की व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने आपदा प्रबंधन तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बिहार अग्निशमन सेवा एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ नियमित रूप से मॉक एक्सरसाइज एवं संयुक्त अभ्यास आयोजित करने चाहिए। इस प्रकार के अभ्यासों से आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशिक्षण प्राप्त होता है, उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि होती है तथा श्रेष्ठ कार्य-पद्धतियों को अपनाने का अवसर मिलता है।उन्होंने निदेश दिया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी आपदा संबंधी चेतावनियाँ एवं परामर्श समय पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से सभी जिलों तक पहुँचाए जाएँ। साथ ही, इन सूचनाओं का प्रसार किसानों, मजदूरों एवं आम नागरिकों के बीच सरल एवं सहज भाषा में किया जाए, ताकि वे उन्हें आसानी से समझ सकें। उन्होंने कहा कि इन चेतावनियों के साथ संभावित आपदाओं से बचाव एवं सुरक्षा के उपायों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए।राज्यपाल ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण संबंधी माननीय प्रधानमंत्री के “दस सूत्रीय एजेंडा” का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन एवं आपदा जोखिम न्यूनीकरण को विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों में प्रारम्भिक स्तर से ही जागरूकता एवं तैयारी की भावना विकसित हो सके। उन्होंने कहा कि “आपदा मित्र” को बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि समुदाय स्तर पर आपदा से निपटने की क्षमता और सुदृढ़ हो सके। बैठक के दौरान बिहार अग्निशमन सेवा के महानिरीक्षक श्री एम० सुनील नायक ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग की संगठनात्मक संरचना, मानव संसाधन व्यवस्था तथा विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अग्नि सुरक्षा ऑडिट, अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल, जन-जागरूकता अभियानों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अग्नि सुरक्षा प्रणालियों तथा अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न नवाचारों और पहलों का भी विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य पीएन राय, बिहार अग्निशमन सेवा की महानिदेशक शोभा ओहतकर व पुलिस महानिरीक्षक एम सुनील नायक, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह असैनिक सुरक्षा महानिदेशक परेश सक्सेना एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

82 हजार समर कैम्पों के माध्यम से 12 लाख से अधिक बच्चों तक पहुँच रही शिक्षा की नई ऊर्जा

नई सोच एक्सप्रेस

» प्राथमिक शिक्षा निदेशक ने बच्चों के साथ की रचनात्मक गतिविधियाँ

पटना।शिक्षा विभाग द्वारा राज्यभर में संचालित समर कैम्प-2026 के अंतर्गत लगभग 82 हजार समर कैम्पों के माध्यम से 12 लाख से अधिक बच्चों को सीखने, पढ़ने और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी पहल के अनुश्रवण के क्रम में प्राथमिक शिक्षा निदेशक विक्रम विरकर ने सोमवार को पटना स्थित बालक मध्य विद्यालय, पुनाईचक, कन्या मध्य विद्यालय, पुनाईचक एवं नवीन पार्क मध्य विद्यालय, राजवंशी नगर का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान निदेशक बच्चों के बीच शिक्षक की भूमिका में नजर आए। उन्होंने बच्चों के साथ कहानियाँ सुनीं, कहानी के पात्रों एवं घटनाओं पर चर्चा की तथा उन्हें अपने विचार और अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए अपनी समझ और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया। निदेशक ने बच्चों के साथ गणित की गतिविधि “संख्या चक्र” का संचालन किया। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने तार्किक चिंतन, समस्या समाधान क्षमता और गणनात्मक दक्षताओं का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि गतिविधि आधारित शिक्षण बच्चों में सीखने के प्रति उत्साह पैदा करता है और कठिन विषयों को भी सहज एवं आनंददायक बनाता है। उन्होंने कहा कि बिहार में संचालित समर कैम्प केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों की सीखने की निरंतरता बनाए रखने का एक जन-अभियान बन चुका है। राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित 82 हजार समर कैम्पों के माध्यम से 12 लाख से अधिक बच्चे पठन, लेखन, गणित, कला, खेल और संवाद आधारित गतिविधियों से लाभान्वित हो रहे हैं। यह पहल बच्चों को विद्यालय से जोड़े रखने, उनकी बुनियादी दक्षताओं को सुदृढ़ करने तथा सीखने को आनंददायक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निदेशक ने विशेष रूप से तालीमी मरकज (शिक्षा सेवक) एवं टोला सेवकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भागीदारी के कारण समर कैम्प समुदाय के अंतिम छोर तक पहुँच रहा है। उनके सतत प्रयासों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो रही है तथा अभिभावकों और समुदाय की सहभागिता भी बढ़ रही है। यही कारण है कि इतने बड़े पैमाने पर संचालित यह अभियान प्रभावी और सफल बन रहा है। उल्लेखनीय है कि समर कैम्प-2026 का उद्देश्य बच्चों में पढ़ने, लिखने एवं गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ करना, उनकी रचनात्मकता और अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करना तथा अवकाश अवधि में सीखने की प्रक्रिया को निरंतर बनाए रखना है। कैम्प में कहानी, खेल, कला, समूह चर्चा, गणितीय गतिविधियाँ और पठन-पाठन के माध्यम से बच्चों को सीखने के विविध अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इस अभियान में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी साकेत रंजन, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कृतिका वर्मा, प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के राज्य समन्वयक नैयर आलम, कार्यक्रम समन्वयक दीनानाथ कुमार सिन्हा, सरोज कुमार झा एवं गीता देवी उपस्थित रहे। उन्होंने समर कैम्प की गतिविधियों का अवलोकन किया तथा बच्चों, शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों से संवाद कर कार्यक्रम की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

राज्यपाल ने भूतपूर्व सैनिकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने भूतपूर्व सैनिकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनके कल्याण एवं हितों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान प्रतिनिधियों ने बिहार सरकार की नौकरियों में भूतपूर्व सैनिकों के लिए 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान करने, अग्निवीरों को आरक्षण का लाभ देने तथा राज्य सरकार की समूह “क” एवं समूह “ख” की सेवाओं में भर्ती के दौरान भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने की माँग की। उन्होंने भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों को उच्च शिक्षण संस्थानों में नामांकन हेतु 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का भी अनुरोध किया। प्रतिनिधियों ने उन जिलों में, जहाँ अब तक जिला अनुश्रवण समिति का गठन नहीं हुआ है, उसका शीघ्र गठन करने, बीएमपी-16 में भूतपूर्व सैनिकों की नियुक्ति करने तथा सभी जिलों में सैनिक हेल्प डेस्क को प्रभावी एवं सुचारु रूप से संचालित करने की माँग रखी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सैनिकों एवं भूतपूर्व सैनिकों को रजिस्ट्री शुल्क में रियायत देने, शस्त्र अनुज्ञप्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुगम बनाने तथा राज्य प्रबंधन समिति को अधिक व्यापक एवं प्रतिनिधित्वपूर्ण स्वरूप प्रदान करने का अनुरोध किया।राज्यपाल ने प्रतिनिधियों द्वारा बताए गए सभी विषयों को गंभीरतापूर्वक सुना और उनकी माँगों पर समुचित विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि भूतपूर्व सैनिकों के अनेक संगठनों के स्थान पर एक संयुक्त एवं सशक्त संगठन का गठन किया जाए, जिससे उनकी सामूहिक आवाज और अधिक प्रभावी ढंग से सामने आ सके तथा बेहतर ढंग से समन्वय हो सके। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, बिहार-झारखंड सब एरिया के डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग ब्रिगेडियर अनिल बेदी, सैनिक कल्याण निदेशालय, बिहार के निदेशक ब्रिगेडियर मृगेन्द्र कुमार, पूर्व सैनिक सेवा परिषद् के पदाधिकारीगण तथा थल सेना, वायु सेना एवं नौ सेना के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

जनसुनवाई कार्यक्रम आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन चुका : श्रवण

नई सोच एक्सप्रेस

» ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण और बाढ़ की तैयारियों को लेकर सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध : सुनील

पटना।जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार एवं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित मामलों के विधिसम्मत एवं त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी मौजूद रहे। इस अवसर पर श्रवण कुमार ने कहा कि जदयू प्रदेश कार्यालय में सोमवार से शुक्रवार तक आयोजित होने वाला जनसुनवाई कार्यक्रम नीतीश कुमार की जनोन्मुखी सोच का परिणाम है। लोग भरोसे और विश्वास के साथ इस कार्यक्रम में अपनी समस्याएँ लेकर आते हैं तथा शिकायतकतार्ओं की समस्याओं के विधिसम्मत समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को तत्काल दूरभाष के माध्यम से आवश्यक निर्देश भी दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पंचायत स्तर पर आयोजित किए जा रहे सहयोग शिविरों से आम लोगों को काफी सहूलियत मिली है और अधिकांश समस्याओं का समाधान पंचायत स्तर पर ही हो जा रहा है। सुनील कुमार ने कहा कि सड़कों की बेहतर कनेक्टिविटी आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। इसी दृष्टिकोण के साथ राज्य सरकार ग्रामीण सड़कों के रख-रखाव एवं उन्हें और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए भी सरकार हर स्तर पर पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने आगे कहा कि जदयू प्रदेश मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम हो अथवा राज्य सरकार द्वारा पंचायत स्तर पर लगाए जा रहे सहयोग शिविर, इन सभी का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निवारण सुनिश्चित करना है और यह पहल अपने उद्देश्य की पूर्ति में सफल साबित हो रही है।

शिक्षा विभाग ने 50 से अधिक हेडमास्टर का वेतन कटा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा-एक के नामांकन और ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर उसकी ऑनलाइन प्रविष्टि में गंभीर लापरवाही सामने आने पर शिक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। विभाग ने 54 प्रधान शिक्षकों और प्रभारी प्रधानाध्यापकों के तीन दिन का वेतन काटने का आदेश दिया है, जबकि 261 विद्यालयों के हेडमास्टरों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय औरंगाबाद के अनुसार, 9 जून को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव द्वारा ई-शिक्षाकोष पोर्टल की समीक्षा की गई थी। समीक्षा में पाया गया कि औरंगाबाद जिले की प्रगति बेहद असंतोषजनक है और कई विद्यालयों में बार-बार निर्देश के बावजूद कक्षा-एक के नामांकन की प्रविष्टि अपडेट नहीं की गई। जांच में 54 ऐसे विद्यालय सामने आए जहां कक्षा-एक के विद्यार्थियों की ऑनलाइन प्रविष्टि शून्य पाई गई। इसे गंभीर लापरवाही और विभागीय आदेश की अवहेलना मानते हुए संबंधित प्रधान शिक्षकों के तीन दिन का वेतन काटने के साथ ही तीन दिनों के भीतर शत-प्रतिशत डेटा अपलोड करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा 261 विद्यालयों में कक्षा-एक के नामांकित छात्रों की ई-शिक्षाकोष पर प्रविष्टि 30 प्रतिशत से भी कम पाई गई है। इन सभी विद्यालयों के प्रधान शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों से दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है, साथ ही चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर आगे विभागीय कार्रवाई की जाएगी। वेतन कटौती की कार्रवाई औरंगाबाद जिले के बारूण, देव, दाउदनगर, गोह, हसपुरा, कुटुंबा, मदनपुर, नवीनगर, ओबरा और रफीगंज प्रखंडों के विद्यालयों में की गई है। वहीं स्पष्टीकरण मांगने के मामले में सबसे अधिक विद्यालय नवीनगर प्रखंड से हैं, जबकि अन्य प्रखंडों में भी बड़ी संख्या में स्कूल शामिल हैं। शिक्षा विभाग की इस सख्त कार्रवाई के बाद जिले के सरकारी विद्यालयों में हड़कंप मच गया है। अब कई स्कूलों के शिक्षक और प्रधानाध्यापक ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर लंबित प्रविष्टियों को तेजी से अपडेट करने में जुट गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आगे से केवल कागजी रिकॉर्ड नहीं, बल्कि पोर्टल पर दर्ज वास्तविक प्रगति के आधार पर ही जवाबदेही तय की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में एनएच-122 एवं 22 पर खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई जारी

पटना। सुप्रीम कोर्ट के आदेश एवं परिवहन विभाग के निर्देशों के आलोक में नेशनल हाईवे (एनएच 122 एवं 22) पर सड़क किनारे खड़े वैसे वाहन जिनसे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है, उनके विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 6 जून 2026 से लगातार नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन के अनुसार चल रहे इस अभियान के तहत अब तक कुल 1.79 लाख रुपये का जुर्माना वसूला जा चुका है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई लगातार चल रही है और सड़क सुरक्षा के प्रति किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। एनएच-122 एवं 22 पर अवैध अथवा खतरनाक ढंग से खड़े वाहनों के विरुद्ध नियमित कार्रवाई की जा रही है तथा अभियान आगे भी जारी रहेगा।

लंका प्रीमियर लीग के प्रमोटर आईपीजी ग्रुप ने की नैस्डैक-लिस्टेड पार्टनर से करोड़ों डॉलर की रणनीतिक फंडिंग की घोषणा

पटना। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सीजन 10 जुलाई से शुरू होने जा रहा है और उससे ठीक पहले लीग को बड़ा वित्तीय बढ़ावा मिला है। एलपीएल के प्रमोटर इनोवेटिव प्रोडक्शन ग्रुप एफज़ेड, एलएलसी (आईपीजी) को अमेरिका स्थित एक लिस्टेड कंपनी से मल्टी-मिलियन डॉलर की फंडिंग प्राप्त हुई है। आईपीजी ग्लोबल के संस्थापक और अध्यक्ष अनिल मोहन ने कहा, "इस नए विकास का सबसे बड़ा लाभ एलपीएल को मिलेगा। सार्वजनिक रूप से संचालित संरचना में शामिल होने से लीग का जिम्मेदारीपूर्वक विस्तार करने की हमारी क्षमता मजबूत हुई है। अधिक पारदर्शिता, पूंजी तक पहुंच और बेहतर प्रशासनिक मानकों के साथ हम फ्रेंचाइजी मूल्य बढ़ाने के लिए बेहतर स्थिति में हैं, जबकि दीर्घकालिक व्यावसायिक अनुशासन भी बनाए रखेंगे।" आईपीजी ने फ्लैश स्पोर्ट्स एंड मीडिया इंक. (फ्लैश) के साथ अपना रणनीतिक ऑल-स्टॉक विलय पूरा कर लिया है, जिसके तहत एलपीएल सहित उसके टी20 लीगों के व्यावसायिक अधिकारों का पोर्टफोलियो नैस्डैक-लिस्टेड प्लेटफॉर्म यूग्रो के साथ जुड़ गया है।

भारती एयरटेल ने अफ्रीका स्टेक विलय के लिए मजबूत शेयरधारक समर्थन प्राप्त किया

पटना।भारती एयरटेल लिमिटेड ("भारती एयरटेल" या "कंपनी") ने आज घोषणा की कि उसके लगभग 100% शेयरधारकों ने अपनी प्रमुख रणनीतिक सहायक कंपनी एयरटेल अफ्रीका पीएलसी में हिस्सेदारी के संकलन के लिए चल रहे समझौते को मंजूरी दे दी है, जो भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी में कॉर्पोरेट सुशासन के सर्वोच्च मानकों को रेखांकित करने के साथ-साथ निवेशकों के सुदृढ़ विश्वास को भी पुष्ट करता है।। इस लेन-देन में भारती एयरटेल इंडियन कांटिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, एक प्रमोटर समूह संस्थान, को अधिमान्य आधार पर अपने इक्विटी शेयर जारी कर रहा है, बदले में एयरटेल अफ्रीका में 16.31% हिस्सेदारी लेने के लिए। सुनील भारती मित्तल, संस्थापक और चेयरमैन, भारती एंटरप्राइजेज, ने कहा, "एयरटेल अफ्रीका हमारी विकास रणनीति के केंद्र में है और यह हमारे एकीकृत राजस्व में लगातार योगदान के साथ मजबूत प्रदर्शन देने के लिए अच्छी स्थिति में है। कंपनी हमेशा सर्वोच्च मानकों के कॉर्पोरेट गवर्नेंस और वित्तीय अनुशासन के अनुसार संचालित हुई है, और यह जोरदार समर्थन उस विश्वास को पुनः स्थापित करता है जो निवेशकों को संगठन में है। शेयर स्वैप के रूप में संरचित, भारत का अब तक का सबसे बड़ा लेन-देन एयरटेल की मुख्य संचालन और भविष्य की विकास महत्वाकांक्षाओं के लिए पूंजी की शक्ति को बनाए रखता है। जैसे ही हम आगे देखते हैं, हमें अफ्रीका में दीर्घकालिक शेयरधारक मूल्य निर्माण के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं दिखती हैं।" यह समझौता, संपूर्णन और सभी आवश्यक नियामक अनुमोदनों की प्राप्ति के बाद, भारती एयरटेल की एयरटेल अफ्रीका में प्रभावी हिस्सेदारी को लगभग 79% तक बढ़ा देगा।

सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ राम प्रवेश सिंह भावपूर्ण श्रद्धांजलि

फतुहा।सुप्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ राम प्रवेश सिंह के हृदयगति रुक जाने के कारण आकस्मिक निधन से समुचे फतुहा के लोग स्तब्ध है। डॉ सिंह अत्यंत विनम्र, मृदुभाषी और व्यवहारकुशल व्यक्तित्व के धनी थे। वे साहित्यप्रेमी भी थे। एक डॉक्टर के रूप में फतुहा के निर्धन और असहायों के लिए अधिक से - अधिक सेवा का भाव था। फतुहा में निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आयोजित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि उन्होंने बे वजह जांच नहीं लिखते, अति आवश्यक होने पर ही लिखते। उनहोंने कम से कम किमत का दवा लिखते। वह फतुहा के सबों के हृदय में थे। उनके निधन से उनके परिवार के साथ साथ समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और उनके परिजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। स्मृतिशेष को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि देनेवाले वालों मे सुप्रसिद्ध साहित्यकार रामयतन यादव, सुधा पाण्डेय,डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, अमरेश सिंह पत्रकार, शीला पटेल, शोभा पटेल, ममता पटेल आदि।

विद्युत कनीय अभियंता सुनील बिंद ने विद्युत कनीय अभियंता तारकेश्वर कुमार पर जान मारने की धमकी देने का लगाया आरोप

दानापुर।विद्युत कनीय अभियंता सुनील बिंद ने विद्युत कनीय अभियंता तारकेश्वर कुमार पर जान मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए स्थानीय थाना में लिखित शिकायत कर न्याय का गुहार लगाया है। बाहरी बेगमपुर महावीर स्थान पटना सिटी बाइपास निवासी व कनीय अभियंता सुनील बिंद ने लिखित शिकातय में बताया है कि रविवार को खगौल रोड स्थित गणपति हाइट्स अपार्टमेंट निवासी व विद्युत कनीय अभियंता संघ के अध्यक्ष प्रवीण कुमार के आवास से अपनी पत्नी व पुत्र के साथ गाडी से जा रहे थे कि कनीय अभियंता तारकेश्वर कुमार ने गाली-गलौज करते हुए जान मारने की धमकी दिया और मेरी पत्नी के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि जब से संघ के महामंत्री निर्वाचित हुए है,तभी से तारकेश्वर कुमार द्वारा मुझे गाली-गलौज किया जाता रहा है। इस घटना के बाद मैं और पूरा परिवार डर-सहमे हुए है। थानाध्यक्ष ने बताया कि लिखित आवेदन पर जांच पडताल किया जा रहा है. अपार्टमेंट के सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है।

अतिक्रमण पर चला नप प्रशासन का बुलडोजर

दानापुर। नगर को स्वच्छ सुंदर और जाम से निजात दिलाने को लेकर दूसरे दिन सोमवार को नप प्रशासन ने सगुना मोड से कुसुमपुरम तक बुलडोजर चला। डीएम व एसडीओ आदेश के बाद नगर परिषद प्रशासन की टीम ने पुलिस बलों के सहयोग सगुना मोड से कुसुमपुरम तक टाउन क्लिन ऑपरेशन चलाया। घंटो तक चले व्यापक रूप से अभियान में बुलडोजर से झोपडियों व गुमटी को ध्वस्त किया गया है। एक ट्रैक्टर बालू जब्त किया गया है। अभियान नप के ईओ (व्यवस्था) रवि कुमार के नेतृत्व में चलाया गया है।इस अभियान में नगर प्रबंधक ,सफाई निरीक्षक व पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ सगुना मोड से कुसुमपुरम चौक तक सडक के किनारे से अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया कि सडक किनारे अवैध रूप से अतिक्रमण कर सडक पर अस्थायी रूप से झोपडी व गुमटी लगाकर अतिक्रमण के कारण आए दिनों जाम लगने से आम लोगों समेत स्कूली बच्चों को परेशानी झेलनी पडती है। जिसको देखते हुए नप प्रशासन ने अभियान चलाया गया है। उन्होंने बताया कि पूरे नगर को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया जायेगा और नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाया जायेगा। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोबारा अतिक्रमण करने वालों से जुर्माना वसूला जायेगा। साथ ही कानूनी कारवाई की जायेगी।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने राहगीरों में बांटा ठंडा शरबत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवको ने सोमवार को शहर के व्यस्त इलाकों में फ्रेजर रोड पटना जगत ट्रेड के समने राहगीरों, मजदूरों और ट्रैफिक पुलिस के जवानों के बीच ठंडा शरबत वितरण किया। "सेवा ही संकल्प" अभियान के तहत आयोजित इस पहल में 25 से अधिक स्वयंसेवक शामिल हुए।मानवता की मिसाल पेश की सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस वितरण अभियान में नींबू-शिकंजी, बेल का शरबत और सत्तू का घोल वितरित किया गया। टीम ने स्टेशन, बस स्टैंड, गांधी मैदान और डाकबंगला चौराहे जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों को कवर किया। स्वयंसेवकों ने खुद गिलास धोकर, स्वच्छता का ध्यान रखते हुए पेय पिलाया। फाउंडेशन के स्वयंसेवक रौनक ने कहा, "लू लगने से हर साल कई लोगों की मौत हो जाती है। हमारा मकसद सिर्फ शरबत पिलाना नहीं, लोगों को पानी साथ रखने और सिर ढककर निकलने के लिए जागरूक करना भी है।" **जवानों और मजदूरों को प्राथमिकताः** अभियान के दौरान धूप में ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों, रिक्शा-ऑटो चालकों और निर्माण मजदूरों को प्राथमिकता दी गई। एक ट्रैफिक जवान ने कहा, "8 घंटे धूप में खड़े रहते हैं। ये शरबत सच में राहत दे गया। युवाओं का ये जज्बा काबिल-ए-तारीफ है।"पर्यावरण का भी रखा ध्यान शरबत प्लास्टिक की जगह कागज के गिलास और स्टील के बर्तनों में दिया गया। फाउंडेशन ने "प्लास्टिक मुक्त भारत का संदेश देते हुए लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक न फेंकने की अपील भी की। बचे हुए छिलके और कचरे को अलग से इकट्ठा कर नगर निगम को सौंपा गया। संस्था का संकल्प प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने बताया कि विश्व युवक केंद्र के सहयोग से संस्था हर गर्मी में ऐसा अभियान चलाती है। उन्होंने कहा, "गांधी जी के रास्ते पर चलकर हम सेवा को ही धर्म मानते हैं। जब तक लू का प्रकोप रहेगा, हमारा ये सेवा अभियान जारी रहेगा।" उन्होंने युवाओं से आगे आकर अपने इलाके में ऐसे छोटे-छोटे सेवा कार्य करने की अपील की। **लोगों ने सराहा प्रयास** : शरबत पीने वाले लोगों ने इस पहल की खूब सराहना की। स्थानीय लोगों ने कहा कि ऐसे समय में जब सरकारें सिर्फ चेतावनी जारी करती हैं, युवा खुद सड़क पर उतरकर सेवा कर रहे हैं - ये समाज के लिए बड़ी प्रेरणा है। मौके पर एनजीओ हेल्पलाइन के निदेशक सीए संजय कुमार झा, पूनम झा, अमृत राज, संतोष झा, मनीषा , अनवरा , तरुण, अंकित,विशाल, मनीष,सन्नी,वैष्णवी ,श्रद्धा की भूमिका सराहनीय रहा ।

समाजसेवी निरंजन कुशवाहा को मिला सम्मान, लोगों ने दी बधाई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना के प्रतिष्ठित होटल ताज में आयोजित मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड ऑफ इस्टर्न इंडिया2026 सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सम्राट अशोक फाउंडेशन के अध्यक्ष व वरीष्ठ भाजपा नेता निरंजन कुशवाहा पप्पू ने किया। इस मौके बिहार के जाने माने समाजसेवी निरंजन पप्पू को से सम्मानित किया गया। उन्हें 25 साल पुरानी विश्वस्तरीय बिहार इवेंट ग्रुप में बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए सम्मानित किया है। उनकी कंपनी के द्वारा इवेंट के क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद को दोनों पुत्री डॉ मीसा भारती व डॉ रोहनी आचार्या की शादी, तेजप्रताप यादव की शादी , मिलर स्कूल ग्राउंड में भव्य डांडिया नाईट सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ है। वहीं उनके पुत्र प्रीत कुशवाहा को 12 साल पुरानी बिहार इंस्टीच्यूट ऑफ नर्सिग एण्ड परा मेडिकल के लिए तथा उनकी पुत्री शिखा कुशवाहा कोबेस्ट ट्रसटेड ब्रांड इन डिजाइनर पॉपस्टॉप के लिए सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने प्रदान किया। इस सम्मान के बाद उनको बधाई देने के लिए कई सामाजिक कार्यकर्ता उनके घर आये उनको शुभकामनाएं दी। इस मौके पर निरंजन कुशवाहा ने कहा कि उनका यह सम्मान उनके सामाजिक जीवन को सम्मान है और इसके लिए बिहार के आम लोगों के प्रति वे आभारी हैं।

वेदांता ने रचा इतिहास; बीएसई और एनएसई पर चार स्वतंत्र कंपनियों की लिस्टिंग

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।वेदांता समूह ने आज भारतीय कॉर्पोरेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी चार नव-डिमर्ज्ड कंपनियों को बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) और एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) पर लिस्ट किया। इस ऐतिहासिक लिस्टिंग के साथ रणनीतिक धातुओं, क्रिटिकल मिनरल्स, एल्युमिनियम, ऑयल एवं गैस, पावर तथा आयरन एवं स्टील क्षेत्रों में केंद्रित, विश्वस्तरीय व्यवसायों का एक मजबूत पोर्टफोलियो तैयार हुआ है। ये व्यवसाय भारत की दीर्घकालिक औद्योगिक, अवसंरचनात्मक और आत्मनिर्भरता संबंधी महत्वाकांक्षाओं के केंद्र में हैं। लिस्टिंग समारोह को संबोधित करते हुए वेदांता समूह के चेयरमैन श्री अनिल अग्रवाल ने कहा आज वेदांता के लिए एक ऐतिहासिक दिन है और मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास है। 24 वर्ष पहले वेदांता लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी थी और आगे चलकर एफटीएसई-100 कंपनी का दर्जा हासिल किया। उस दिन बोया गया बीज आज एक विशाल बरगद के पेड़ में बदल चुका है और उसके संरक्षण में विकसित हुए पौधे अब प्रमुख क्षेत्रों में दिग्गज बनने तथा भारत की तेज़ आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार हैं। अभूतपूर्व विकास का अगला अध्याय अब मुंबई में शुरू हो रहा है, जो वह शहर है जहां मेरी कारोबारी यात्रा की शुरुआत हुई थी। हमारी पूरी यात्रा के दौरान शेयरधारकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सर्वोच्च रही है। पिछले पांच वर्षों में हमने 300 प्रतिशत से अधिक का कुल शेयरधारक प्रतिफल दिया है, जो निफ्टी के रिटर्न से लगभग पांच गुना अधिक है। इसके साथ ही हमने 70 प्रतिशत से अधिक का संचयी डिविडेंड यील्ड भी प्रदान किया है।

बेरोजगारी अभिशाप, रोजगार की गारंटी सरकार की जिम्मेदारी : डॉ. अशोक वर्मा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राष्ट्रीय सहयोग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने बेरोजगारी को देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा बताते हुए केंद्र और राज्य सरकारों से युवाओं को रोजगार की गारंटी देने की मांग की है। सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में डॉ. वर्मा ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के लिए बेरोजगारी एक अभिशाप है और युवाओं को उनकी शिक्षा, योग्यता तथा प्रतिभा के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराना सरकार का संवैधानिक और नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि उचित रोजगार प्रबंधन के बिना विकसित भारत @2047 का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। डॉ. वर्मा ने कहा कि जब तक देश के हर हाथ को सम्मानजनक रोजगार नहीं मिलेगा, तब तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। उन्होंने सरकार से गांव-केंद्रित रोजगार नीति अपनाने की मांग करते हुए कहा कि स्थानीय संसाधनों के आधार पर प्रत्येक गांव में रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं, ताकि युवाओं का पलायन रुके और उन्हें अपने क्षेत्र में ही स्थायी आजीविका मिल सके। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए सरकार को ठोस और त्वरित कदम उठाने होंगे। तकनीकी आधारित कृषि, कौशल विकास, कुटीर उद्योगों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देकर गांव-गांव रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। डॉ. वर्मा ने रोजगार सृजन को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

पटना में जल्द शुरू होगी यशोदा हॉस्पिटल की OPD क्लिनिक, लिवर और मल्टी-ऑर्गन ट्रांसप्लांट सेवाओं की दी जानकारी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।हैदराबाद स्थित यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने पटना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी उन्नत ट्रांसप्लांट सेवाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी साझा की। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन ने घोषणा की कि पटना में जल्द ही यशोदा हॉस्पिटल की समर्पित OPD क्लिनिक शुरू की जाएगी, जिससे बिहार के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श अपने शहर में ही उपलब्ध हो सकेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में लिवर ट्रांसप्लांट, मल्टी-ऑर्गन ट्रांसप्लांट और रोबोटिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व यशोदा हॉस्पिटल के कंसल्टेंट लिवर ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. ललित कुमार रेड्डी कप्पाला तथा डिप्टी मैनेजर मार्केटिंग अमन कुमार रस्तोगी ने किया। डॉ. ललित कुमार रेड्डी ने बताया कि जीवित और मृत दोनों प्रकार के डोनर से लिवर ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि समय पर सही इलाज मिलने से एंड-स्टेज लिवर रोग से पीड़ित मरीजों के जीवन में बड़ा सुधार संभव है। अस्पताल में रोबोटिक और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, डिजिटल हेपेटो-पैंक्रियाटो-बिलियरी सर्जरी, ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी और उन्नत सर्जिकल तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे मरीजों की रिकवरी तेज होती है और जटिलताएं कम होती हैं। वहीं, अमन कुमार रस्तोगी ने कहा कि यशोदा हॉस्पिटल देश के प्रमुख मल्टी-ऑर्गन ट्रांसप्लांट केंद्रों में शामिल है। अस्पताल में लिवर, किडनी, फेफड़े और हृदय प्रत्यारोपण की सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि बिहार से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए पटना में OPD क्लिनिक शुरू की जा रही है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, नई OPD क्लिनिक के माध्यम से मरीजों को सुपर स्पेशियलिटी डॉक्टरों की सलाह और उपचार संबंधी सेवाएं अपने घर के नजदीक ही प्राप्त हो सकेंगी। इससे बिहार के मरीजों को हैदराबाद जाने से पहले आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और फॉलोअप सुविधा स्थानीय स्तर पर मिल सकेगी। किसी भी तरह की जानकारी के लिए संपर्क करे :- 9247577018

हाजीपुर के पाणिनि का एमआईटी अमेरिका में चयन, क्षेत्र में खुशी

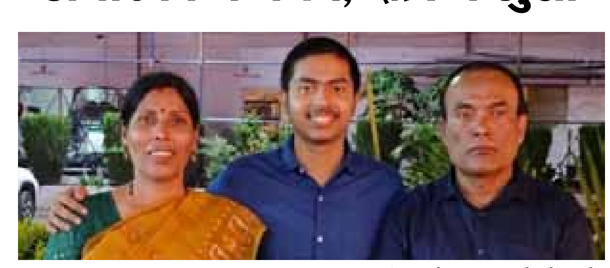

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर। हाजीपुर के प्रतिभाशाली छात्र पाणिनि शर्मा का विश्व के प्रतिष्ठित और शीर्ष संस्थानों में शामिल मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MIT), अमेरिका में बीटेक पाठ्यक्रम के लिए चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, शिक्षकों और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। वर्तमान में आईआईटी दिल्ली में अध्ययनरत पाणिनि ने अपने अथक परिश्रम, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता हासिल की है। इससे पहले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर बिहार का नाम रोशन किया था। साथ ही जेईई मेन्स 2025 में बिहार में प्रथम स्थान तथा जेईई एडवांस्ड में ऑल इंडिया रैंक 273 प्राप्त की थी। पाणिनि के पिता संजय कुमार शर्मा और माता निभा शर्मा दोनों शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हैं। उनकी सफलता पर बिहार के कई शिक्षाविदों, शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शिक्षाविदों ने इसे बिहार के युवाओं के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि बताया है।

फतुहा में बिकसित भारत सम्मेलन का भव्य आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।भाजपा संगठन जिला बाढ़ के तत्वाधान में फतुहा के आशीष मैरेज हॉल में केन्द्र के नरेंद्र मोदी सरकार के 12 बर्ष पूर्ण होने पर बिकसित भारत सम्मेलन का आयोजन सोमवार को जिलाध्यक्ष शैलेंद्र प्रसाद के अध्यक्षता में हुआ। संचालन महामंत्री गजेन्द्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व केन्द्रीय मंत्री पटना साहिब सांसद रविशंकर प्रसाद, बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर दोनों नेताओं ने बिकसित भारत संकल्प को दोहराया और 12 बर्ष के नरेन्द्र मोदी सरकार के बिकास कार्यों को बताते हुए कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पहले से मजबूत हुआ है। राम मंदिर का निमार्ण, धारा 370 को समाप्त करना यह बडी उपलब्धि है। कार्यक्रम को भाजपा के प्रदेश महामंत्री सरोज रंजन पटेल,प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सिंह,जिला प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, प्रोटोकॉल प्रभारी,मनोज कुमार सिंह,बिकास गोल्डी यादव,कुवंर विजय पासवान, राणा राजेंद्र पासवान अरविंद यादव,केशवकॉंत प्रसाद, समेत दर्जनों नेताओं ने संबोधित किया। मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी, फतुहा ग्रामीण उतरी अध्यक्ष विनोद शर्मा, जल्ला मंडल अध्यक्ष मनीष यादव, फतेहपुर अध्यक्ष विपुल सिंह, संपाचक नगर अध्यक्ष सुमीत कुमार, संपाचक ग्रामीण अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह, भाजपा के वरीष्ठ नेता मुन्ना सिंह, गोपाल शर्मा, सच्चिदानंद यादव, जिला उपाध्यक्ष शोभा देवी, मधु सिन्हा, जिला मंत्री प्रतिमा पाण्डेय, आनामिका अग्रवाल, पूनम केसरी, पिंकी साहु, मुनी कुशवाहा, नगर महाम़त्री ई०सुरजीत कुमार, नगर महामंत्री अरूण कुमार झा, नगर उपाध्यक्ष सुनील वर्मा, रंजीत प्रसाद,नगर मंत्री अनामिका कुमारी, संतोष नोनिया, रीता देवी , रुबी देवी कोषाध्यक्ष सूरज कपुर ,युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ, किसान मोर्चा अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद, एससी मोर्चा महामंत्री राजेश कुमार, श्री भगवान यादव,उमेश दास सहित जिले भर के सैकड़ों भाजपा नेता,कार्यकर्ता एंव प्रबुद्धजन मौजूद थे।

रानीघाट स्थित विष्णु मंदिर में पहली बार आयोजित हुआ भव्य मैंगो उत्सव

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।भगवान की प्रसन्नता एवं उनकी महिमा के गुणगान के लिए भक्तों द्वारा विभिन्न प्रकार के उत्सवों का आयोजन किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पटना के रानीघाट स्थित विष्णु मंदिर, जो श्री राधा कुंज बिहारी मठ के अधीन संचालित है, में पहली बार भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव, सुभद्रा तथा श्री सीता-राम, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की प्रसन्नता के लिए भव्य "मैंगो उत्सव" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार के विभिन्न जिलों से लाए गए अनेक प्रकार के स्वादिष्ट एवं सुगंधित आमों से भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। साथ ही पूरे मंदिर परिसर को भी आमों से सजाया गया, जिससे वातावरण अत्यंत आकर्षक एवं भक्तिमय हो उठा। उत्सव के दौरान परम पूज्य भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज ने भगवान की भव्य आरती संपन्न की। आरती के उपरांत उन्होंने उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए इस उत्सव के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा बताया कि भक्तगण विभिन्न प्रकार के उत्सवों के माध्यम से भगवान की सेवा एवं महिमा का गुणगान करते हैं।रानीघाट क्षेत्र के स्थानीय भक्तों एवं श्रद्धालुओं ने भी इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आरती से पूर्व गंगा तट के समीप स्थित होने के कारण श्री राधा कुंज बिहारी मठ द्वारा नियमित रूप से आयोजित की जाने वाली भव्य गंगा आरती भी संपन्न की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।यह बिहारवासियों के लिए गर्व का विषय है कि श्री राधा कुंज बिहारी मठ सनातन संस्कृति एवं वैदिक परंपराओं के प्रचार-प्रसार, समाज में आध्यात्मिक जागृति तथा जनमानस को सनातन धर्म के ज्ञान से परिचित कराने के लिए निरंतर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

35 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर दवा दी गई

वैशाली। राजापाकर सीएचसी के परिसर में सोमवार प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर अनेक गर्भवती महिलाएं अपने इलाज व परामर्श हेतु स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित शिविर में शामिल हुए। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर एसपी उपाध्याय ने बताया कि शिविर में आज 35 महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर दवा दी गई। हीमोग्लोबिन,वजन,बीपी, एचआईवी सहित अन्य जांच किए गए।साथ ही पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी गई। महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच डा जितेंद्रमोहनपासवान,डॉक्टर श्रीप्रकाश उपाध्याय,डॉक्टर ज्ञानदीप,डॉक्टर मनीषा द्वारा की गई जांच में सहयोग करने वालों में एएनएम वीणा कुमारी गुंजन कुमारी,पल्लवी कुमारी शांति कुमारी आदि शामिल हैं।

लायंस क्लब ने लगाया लहूदान शिविर , 18 यूनिट रूधिर हुआ एकत्रित

जमुई।इंडियन मेडिकल ऐसोशिएशन के सहयोग से लायंस क्लब जमुई ने सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। युवाओं समाजसेवियों और जागरूक नागरिकों ने शिविर में उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर लहू का दान किया। डीएम श्री नवीन ने रूधिर दान शिविर का फीता काटकर उदघाटन करते हुए कहा कि रक्तदान करने वाले महादानी हैं। लहू का दान ऐसा कार्य है जो जीवन बचाने और समाज में स्थाई बदलाव लाने की ताकत रखता है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। एक यूनिट लहू किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। श्री नवीन ने जल्द ही जिला प्रशासन लायंस क्लब और आईएमए के सहयोग से बड़ा रूधिर दान कैंप का आयोजन किए जाने का ऐलान किया। उन्होंने शिविर के आयोजन के लिए नामित जनों को साधुवाद देते हुए रक्तदाताओं के प्रति आभार जताया। आईएमए के जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन प्रसाद ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को साल में कम से कम दो बार रक्त दान करना चाहिए। उन्होंने इसे स्वास्थ्य के लिए अनुकूल करार दिया। वहीं लायंस क्लब के अध्यक्ष राजीव रंजन भालोटिया ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना तथा जरूरतमंद रोगियों के लिए समय पर लहू उपलब्ध कराना है। उन्होंने शिविर में 18 यूनिट लहू एकत्रित किए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि लायंस क्लब समाजसेवा के लिए समर्पित है। वहीं सचिव डॉ.मनोज कुमार सिन्हा ने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना ऑपरेशन प्रसव या गंभीर बीमारी के दौरान मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान से ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त उपलब्ध रह सकता है। उधर शिविर को सफल बनाने में मेडिकल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. नेहाल अहमद डॉ.अंजनी कुमार सिन्हा डॉ.श्रीमती विजय डॉ.अमर मोदी विजय कुमार सर्राफ बिपुल कुमार सुजीत कुमार विश्वकर्मा श्रीकांत केशरी आदि ने कैंप को सफल बनाने में सहयोग किया। कोषाध्यक्ष अनुपम कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के अंत में डीएम एवं अन्य अतिथियों ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना की। आयोजकों ने कहा कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नगर पंचायत सुगौली की बोर्ड बैठक में विकास कार्यों पर जोर

सुगौली।नगर पंचायत सुगौली के सभागार में सोमवार को बोर्ड की बैठक विधायक बबलू गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नगर क्षेत्र के विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं एवं वार्डों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक बबलू गुप्ता ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में जो भी समस्याएं हैं, उनका समाधान हर हाल में किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी वार्ड पार्षदों द्वारा उठाई गई समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए, ताकि प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को गति मिल सके और आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। बैठक के दौरान कई वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पियाऊ निर्माण की मांग उठाई। इस पर नगर पंचायत प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में मुख्य पार्षद नसरीन अली, उपमुख्य पार्षद सरिता शर्मा, वार्ड पार्षद श्याम शर्मा, रवि पासवान, कार्यपालक पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नगर पंचायत के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नगर क्षेत्र के समग्र विकास एवं जनसुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

नगर पंचायत जयनगर में 54.62 लाख रुपये गबन का मामला दर्ज, संविदा कर्मी पर एफआईआर

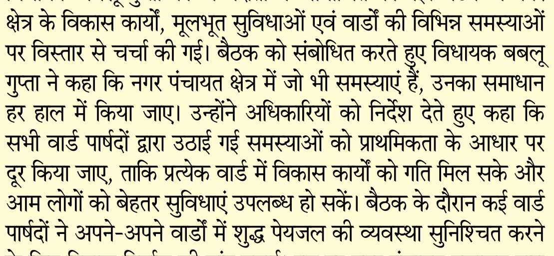

मधुबनी/बिहार।नगर पंचायत जयनगर में होल्डिंग टैक्स मद की सरकारी राशि के कथित गबन का मामला सामने आया है। इस संबंध में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सुनील कुमार के निर्देश पर स्वच्छता पदाधिकारी अमित कुमार के बयान पर जयनगर थाना में एक संविदा कर्मी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार होल्डिंग टैक्स से प्राप्त सरकारी राशि में अनियमितता एवं गबन की शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच कराई गई। जांच के दौरान लगभग 54 लाख 62 हजार 963 रुपये की सरकारी राशि के गबन का आरोप सामने आया, जिसके बाद प्रशासन ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।थानाध्यक्ष ने बताया कि यह सरकारी राशि के गबन से जुड़ा गंभीर मामला है। प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है तथा आरोपों की सत्यता की पड़ताल की जा रही है।मामला सामने आने के बाद नगर पंचायत क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी धन के दुरुपयोग या गबन के मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और जांच पूरी पारदर्शिता के साथ की जाएगी। वही आरोपी के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया व गिरफ्तारी हेतु आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर एलएनएमयू में रक्तदान शिविर, 20 लोगों ने किया रक्तदान

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (एलएनएमयू) के बीएड (नियमित) विभाग की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं स्वास्थ्य केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 20 लोगों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। शिविर का उद्घाटन कुलसचिव डॉ. दिव्या रानी हांसदा ने फीता काटकर किया। उन्होंने रक्तदान को जीवनदान बताते हुए कहा कि किसी जरूरतमंद की जान बचाने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता। रक्तदान मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा देता है तथा यह सर्वधर्म समभाव का भी प्रतीक है। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. गीतेन्द्र ठाकुर ने कहा कि 18 से 65 वर्ष आयु का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति, जिसका हीमोग्लोबिन निर्धारित स्तर से अधिक हो, वर्ष में कम से कम दो बार रक्तदान कर सकता है। उन्होंने लोगों से रक्तदान को लेकर जागरूक होने की अपील की। बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार मिलन ने कहा कि शिक्षण संस्थानों का दायित्व केवल शैक्षणिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का विकास करना भी है। वहीं डॉ. आर.एन. चौरसिया ने कहा कि रक्तदान पीड़ित मानव जीवन को बचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है और इससे आत्मसंतोष व गौरव की अनुभूति होती है। डीएमसीएच के रक्त अधिकोष प्रभारी डॉ. रंजन कुमार के नेतृत्व में टीम ने रक्त संग्रहण किया। उन्होंने बताया कि यदि समाज का मात्र एक प्रतिशत हिस्सा भी नियमित रूप से रक्तदान करे तो रक्त की अधिकांश जरूरतें पूरी की जा सकती हैं। रक्त जांच के बाद सभी रक्तदाताओं को डोनर कार्ड ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर में डॉ. उदय कुमार, डॉ. योगेश्वर साह, डॉ. कीर्ति चौरसिया, अमित कुमार झा, रवीन्द्र कुमार सिंह, पवन कुमार, विशाल कुमार, अमन कुमार, अंजली कुमारी, नीतू कुमारी, काजल कुमारी, शुभम राज, गोविन्द कुमार, देवांगी घोष, विजय कुमार, मदन कुमार, सल्तनत अंजुम, मुकेश कुमार झा और ध्रुव कुमार सहित 20 लोगों ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को डीएमसीएच की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. निधि वत्स, डॉ. प्रेम कुमारी, समरेश कुमार, अक्षय कुमार झा सहित 50 से अधिक लोग उपस्थित थे। कुलसचिव का स्वागत पाग, चादर, कलम और पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

विश्व रक्तदान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली।बीएमडी कॉलेज दयालपुर में प्राचार्य डॉक्टर तारकेश्वर पंडित के अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विश्व रक्त दान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रोफेसर रवि रंजन कुमार ने किया। कार्यक्रम का उदघाटन भाषण देते हुए प्रो राज कुमार ने कहा रक्तदान महादान है। रक्तदान से किसी घायल या बीमारी व्यक्ति को नया जीवन मिलता है। जब भी जीवन में रक्तदान का अवसर मिले निश्चित हमें रक्तदान करना चाहिए। प्राचार्य डाक्टर तारकेश्वर पंडित ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा रक्तदान से व्यक्ति दूसरे का जीवन ही नहीं बचाता अपितु रक्तदान करने वालों का शरीर भी स्वस्थ रहता है। रक्तदान से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है। नियमित रक्तदान करने हम कई प्रकार के बीमारी से बचते हैं और ऊर्जावान बने रहते है। रक्तदान से होने वाले फायदा को बताया।छात्रसुधीरकुमार,रणधीर कुमार,चंदन कुमार व छात्रा शिवानी कुमारी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। छात्र सचिन कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया

जहानाबाद में रसोई गैस आपूर्ति सामान्य पैनिक बुकिंग न करवाए

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में पर्याप्त स्टॉक के साथ एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह सामान्य, उपभोक्ता पैनिक बुकिंग करने से बचें जिला पदाधिकारी, जहानाबाद श्रीमती अलंकृता पाण्डेय के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी, जहानाबाद द्वारा तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों, गैस एजेंसी संचालकों एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर जिले में कार्यरत 19 गैस एजेंसियों से एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा नागरिकों से अपील की गई है कि जिले में एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है, अतः किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें एवं पैनिक बुकिंग से बचें। किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत जिला नियंत्रण कक्ष से संपर्क किया जा सकता है।जिले में आज कुल 11682 गैस बुकिंग के विरुद्ध 8000 सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वहीं आज 3618 सिलेंडर एजेंसियों के माध्यम से आम जन के वितरण हेतु उपलब्ध कराया गया तथा औसत डिलीवरी अवधि 3.63 दिन है।जिला प्रशासन द्वारा सख्त निगरानी के तहत आज भी विभिन्न स्थानों पर औचक निरीक्षण किया गया। आज 02 गैस एजेंसी एवं 04 अन्य स्थानों पर औचक निरीक्षण किया गया। वहीं अब तक कुल 806 स्थानों पर छापेमारी/निरीक्षण किया जा चुका है तथा वर्तमान में किसी भी स्थान से अवैध कालाबाजारी अथवा जमाखोरी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।जिले में 24×7 कार्यरत जिला नियंत्रण कक्ष दूरभाष संख्या 06114-223013 पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन कराया जा रहा है। आज कंट्रोल रूम में कोई शिकायत दर्ज नहीं किया गया है। साथ ही वैवाहिक कार्यक्रम हेतु गैस आपूर्ति से संबंधित भी कोई आवेदन आज प्राप्त नहीं हुआ है।रेस्टोरेंट, होटल एवं अन्य प्रतिष्ठानों द्वारा बिल में "एलपीजी शुल्क" अथवा अन्य अनुचित शुल्क वसूली पर रोक लगाने हेतु अधिकारियों को सख्त निगरानी का निर्देश दिया गया है। उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।*जन अपील*जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से पुनः अपील की है कि एलपीजी गैस की उपलब्धता पर्याप्त है, अतः घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। अफवाहों से बचें एवं किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत जिला नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें।

सबका सम्मान जीवन आसान संकल्प के तहत कुल 39 आवेदनों की गई सुनवाई की गई

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। विभागीय निर्देशानुसार सभी तकनीकी एवं गैर तकनीकी, कार्यालयों, विभागों, शाखाओं तथा इकाई के पदाधिकारियों एवं कार्यालय प्रधान द्वारा प्रत्येक सप्ताह में सोमवार और शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर आमजनों की समस्याओं की सुनवाई और निवारण किया जाता है। इसी परिप्रेक्ष्य में जिलाधिकारी, अलंकृता पाण्डेय के साथ साथ अपर समाहर्ता, राजस्व, अनिल कुमार सिन्हा एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा कुल 39 आवेदनों की सुनवाई जनता दरबार में की गई। जिलाधिकारी द्वारा आज की जनसमस्याओं में 13 मामले अतिक्रमण वाद से संबंधित, 04 मामला भूमि विवाद, 01 मामला बंदोबस्ती पर्चा से संबंधित, 02 मामला नली गली से संबंधित, 03 मामला समाजिक सुरक्षा पेंशन, 02 मामला सड़क निर्माण संबंधित, 03 मामला राशन कार्ड से संबंधित तथा 03 मामला परिमार्जन से संबंधित समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना गया। भूमि विवाद, अतिक्रमण समस्या तथा बंदोबस्ती पर्चा निर्गत जैसे प्राप्त आवेदनों को गंभीरता के साथ सुनते हुए स्थल भ्रमण कर त्वरित कार्रवाई का निर्देश संबंधित अंचल पदाधिकारियों को दिया गया। राशन कार्ड मामलों में अनुमंडलाधिकारी, विद्युत मामलों में कार्यपालक अभियंता, बिजली विभाग, नल जल समस्या हेतु पएचइडी, पेंशन समस्या निदान हेतु सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य मामलों के समाधान हेतु सम्बन्धित पदाधिकारी को नियमानुसार जल्द निराकरण का निर्देश दिया गया। इसी तरह अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारियों द्वारा भी जन शिकायत/ समस्या सुनवाई के दौरान निर्देशानुसार संबंधित पदाधिकारी को तुरंत निष्पादन हेतु कहा गया। जनता दरबार मे जिलाधिकारी के साथ साथ अपर समाहर्ता, राजस्व अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव सिन्हा, अपर समाहर्ता, विशेष कार्यक्रम, तेज नारायण राय, अपर समाहर्ता, विभागीय जाँच विनय कुमार सिंह, निदेशक, डी. आर. डी. ए रोहित कुमार मिश्रा, सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग पूनम कुमारी, सहायक निदेशक, सहायक निदेशक, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, विजेता रंजन, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आई. सी. डी. एस. रचना, वरीय उप समाहर्ता, होमा इरफ़ान, वरीय उप समाहर्ता, नेहा सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

सजेगा भक्ति का दिव्य दरबार, 17 जून को जयनगर नागा बाबा मंदिर में होगा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

नई सोच एक्सप्रेस

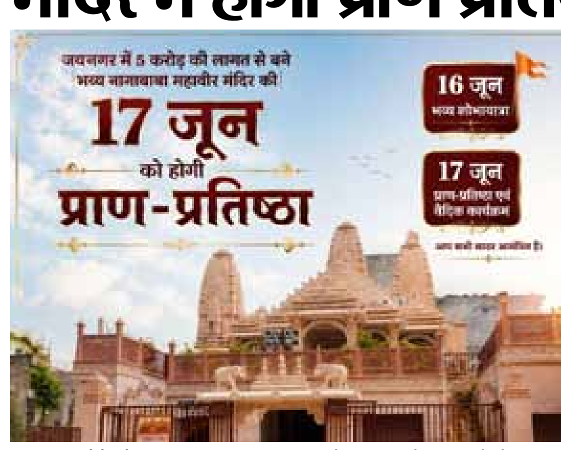

» भव्य सजावट, शोभायात्रा, सुंदरकांड और सांस्कृतिक कार्यक्रमो से भक्तिमय होगा जयनगर
» राजस्थान के पत्थरो से सजा नागा बाबा मंदिर, ऐतिहासिक अनुष्ठान

मधुबनी/बिहार।जयनगर शहर क्षेत्र के मेन रोड कमला रोड के समीप स्थित नवनिर्मित भव्य प्रसिद्ध आस्था का केंद्र नागा बाबा महावीर मन्दिर में अयोध्या के भव्य राम मंदिर की तर्ज पर नव निर्मित हुए नागा बाबा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा आगामी 17 जून बुधवार को ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर पूरे वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न होगी। लगभग आठ वर्षों के लंबे इंतजार के बाद होने जा रहे इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और तैयारिया पूरी हो चुकी है।मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान दरभंगा मिथिला विश्वविद्यालय के आचार्यों की टीम तथा अहमदाबाद से आए विद्वान भार्गव द्विवेदी एवं उनकी टीम के संयुक्त निर्देशन में संपन्न कराया जाएगा। इसके पूर्व 16 जून मंगलवार को मंदिर परिसर से भव्य झांकी एवं शोभा यात्रा निकाली जाएगी जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होगे।दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान आयोजन में प्रसिद्ध मानस मयंक पंडित अजय याग्निक द्वारा सुंदरकांड पाठ का किया जाएगा। वहीं यूपी दिल्ली और स्थानीय कलाकारों द्वारा भक्तिमय भजन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की जाएगी।बुधवार को दिव्य प्राण प्रतिष्ठा होगा। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। मंदिर समिति ने बताया कि से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत एवं धर्मप्रेमी भाग लेंगे। मंदिर निर्माण से जुड़े कमिटी के सदस्यों ने बताया कि लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से 2900 वर्ग फीट क्षेत्र में इस भव्य मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। इसकी विशेषता यह है कि निर्माण कार्य में लोहे या किसी अन्य धातु का उपयोग नहीं किया गया है। मंदिर का निर्माण राजस्थान के वंशीपहाड़पुर पत्थरों से किया गया है, जिन पर राजस्थान में ही बारीक नक्काशी की गई और फिर उन्हे जयनगर लाकर स्थापित किया गया।समिति के अनुसार फरवरी 2018 में मंदिर पुनर्निर्माण का शिलान्यास कर विधिवत पूजा अर्चना कर आधारशिला रखी गई थी। अब आठ वर्षो बाद मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का शुभ अवसर आने जा रहा है। मंदिर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया जा रहा है। प्रथम तल पर भगवान शिव, हनुमान जी एवं राम दरबार की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा होगी, जबकि भूतल के गर्भगृह में राधा-कृष्ण दरबार होगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार एवं श्रद्धालुओ को आमंत्रित किया गया है। भव्यता से मन्दिर और आसपास क्षेत्र को सजाया गया है मन्दिर व सजावट मनमोहक है आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

दो पंचायतों में कृषि चौपाल का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली।कृषि विभाग द्वारा प्रखंड स्तरीय कृषि चौपाल का आयोजन किया गया। सोमवार को राजापाकर प्रखंड के दो पंचायतों रामपुर रत्नाकर उर्फ सरसई पंचायत के पंचायत भवन में एवं बेरई पंचायत के दामोदरपुर गांव में अजय पासवान के घर के पास कृषि चौपाल का आयोजित किए गए। मौके पर अनेक महिला पुरुष प्रगतिशील किसान उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी आनंद मौर्य ने उपस्थित किसानों को कृषि विभाग द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी दी।श्री विधि तरीके से धान की नई तकनीक के बुआई के संबंध में बताया गया। किसानों को जैविक खेती करने पर जोर दिया गया। बताया गया कि रासायनिक खेती से खेत की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है। जिला से आए प्रखंड नोडल पदाधिकारी अरविंद रविदास सहायक अनुसंधान पदाधिकारी मिट्टी जांच प्रयोगशाला हाजीपुर, प्रखंड कृषि पदाधिकारी आनंद मौर्य, उद्यान पदाधिकारी मनोज कुमार पनासिया, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक रौनी कुमार, कृषी सलाहकार रंजीत राम, संजय कुमार सहित अनेक महिला पुरुष प्रगतिशील किसान शामिल हैं।

सोमवती अमावस्या के अवसर पर महिलाओं ने व्रत रखी

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली। प्रखंड के विभिन्न भागों में सुहागिन महिलाओं ने श्रद्धा व भक्ति के साथ पति के स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना से की और सोमवती अमावस्या का व्रत किया।पूरे वैदिक विधान के साथ सोलहों श्रृंगार कर महिलाएं अपने-अपने क्षेत्र के विभिन्न देवस्थान पहुंचे और पीपल वृक्ष की जड़ में पूजा अर्चना की। शास्त्रों के अनुसार सोमवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या को सोमवती अमावस्या कहा जाता है। हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का बड़ा ही महत्व है। इस दिन स्नान, दान, पितृ तर्पण और भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। विवाहित महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। सुहागिनें अपने अखंड सौभाग्य के लिए व्रत रखती हैं और पीपल के पेड़ की परिक्रमा कर कच्चा सूत या कलावा लपेटती हैं। इस दिन गंगा, यमुना या किसी भी पवित्र नदी में स्नान करने का बहुत महत्व है। बिहार में लोग स्थानीय नदियों या तालाबों में आस्था की डुबकी लगाते हैं।

मलमास माह के अंतिम दिन कमला नदी में उमड़ी आस्था का जनसैलाब

नई सोच एक्सप्रेस

» हजारो श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी
» मांगलिक कार्यक्रमो की होगी शुरुआत

मधुबनी/बिहार।मलमास माह के अंतिम दिन मधुबनी जिले के जयनगर प्रखंड स्थित प्रसिद्ध कमला नदी घाट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ामिथिलांचल की गंगा के नाम से विख्यात इस पावन घाट पर सोमवार को हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। सुबह से ही घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी, जो अभी तक जारी रही। महिलाओं, पुरुषों तथा बुजुर्गों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ कमला नदी में स्नान कर अपने परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की।हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार मलमास के दौरान पवित्र नदियों में स्नान करने का विशेष महत्व माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस अवधि में पवित्र नदियों में स्नान करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं तथा परिवार में सुख, शांति, धन-वैभव और खुशहाली का आगमन होता है। एक माह तक चले मलमास के समापन के अवसर पर कमला नदी घाट पर विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिला।स्नान के उपरांत श्रद्धालुओं ने घाट परिसर स्थित विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की। यहां भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण, मां कमला, हनुमान जी, भगवान गणेश तथा भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग मंदिर में स्थित हैं। श्रद्धालुओं ने विधिवत दर्शन-पूजन कर अपने परिवार और समाज की खुशहाली की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में दिनभर भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा क्षेत्र धार्मिक वातावरण से गुंजायमान रहा।स्थानीय समाजसेवी अजय कापर एवं पप्पू पूर्वे ने बताया कि कमला नदी घाट की धार्मिक मान्यता दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। मधुबनी जिले के विभिन्न प्रखंडों के अलावा पड़ोसी देश नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां स्नान और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की गहरी आस्था है कि माँ कमला के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूर्ण होती है।मलमास के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय लोगों द्वारा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया गया। घाट पर श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण ढंग से स्नान कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। पूरे दिन भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा, जिससे कमला नदी घाट एक विशाल धार्मिक केंद्र के रूप में दिखाई दिया।मिथिलांचल की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान मानी जाने वाली कमला नदी में आस्था की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। मलमास के अंतिम दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने एक बार फिर इस पवित्र स्थल की महत्ता को उजागर किया। मलमास माह के समाप्त होने के पश्चात अब सभी मांगलिक कार्यक्रमों की शुरुआत हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

चिरांद में गूंजेंगे वैदिक मंत्र, 11 बटुकों के साथ होगी दिव्य गंगा आरती

छपरा।धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व की नगरी चिरांद स्थित बंगाली बाबा घाट पर 29 जून को भव्य गंगा महाआरती एवं गंगा बचाओ संकल्प समारोह का आयोजन किया जाएगा। चिरांद विकास परिषद की बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात नियंत्रण, श्रद्धालुओं के ठहरने और अन्य आवश्यक प्रबंधों पर विस्तार से चर्चा हुई। परिषद के सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक वैभव का अनूठा संगम होगा। गंगा तट पर होने वाली महाआरती श्रद्धालुओं को काशी और हरिद्वार जैसी दिव्य अनुभूति कराएगी। इसके साथ ही लोगों को गंगा संरक्षण का संकल्प भी दिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। काशी से आए 11 बटुक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य गंगा महाआरती संपन्न कराएंगे। इसके बाद चांदनी रात में पूरी रात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न राज्यों के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। बैठक की अध्यक्षता हरिद्वार सिंह ने की। आयोजन की सफलता के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में श्रीकांत पांडेय, बिनोद सिंह, राशेश्वर सिंह, डॉ. राजेश रंजन, डॉ. मंजय कुमार, ज्योतिशंकर मिश्रा, मोहन पासवान, जयदिनेश पांडेय, उदय चौधरी,चंदन कुमार, अमृत सागर, बिपिन बिहारी रमण, अतुल कुमार सिंह,सोनू कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

शुभ लाभ मैट्रिमोनियल को मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड का मिला सम्मान

पटना।पटना के प्रतिष्ठित होटल ताज में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में बिहार की अग्रणी वैवाहिक सेवा प्रदाता संस्था शुभ लाभ मैट्रिमोनियल को मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड ऑफ इस्टर्न इंडिया 2026 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने प्रदान किया। समारोह के दौरान कंपनी की निदेशक अमृता गुप्ता ने यह अवार्ड ग्रहण किया। मैट्रिमोनियल सेवाओं के क्षेत्र में अपनी विश्वसनीयता, पारदर्शिता और उत्कृष्ट सेवाओं के बल पर शुभ लाभ मैट्रिमोनियल ने न केवल बिहार बल्कि पूरे पूर्वी भारत के हजारों परिवारों के बीच एक भरोसेमंद पहचान स्थापित की है। कंपनी को यह सम्मान ग्राहकों के विश्वास, उत्कृष्ट सेवा गुणवत्ता तथा वैवाहिक परामर्श के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद निदेशक अमृता गुप्ता ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "यह सम्मान मेरे लिए ही नहीं, बल्कि उनसे से जुड़े प्रत्येक ग्राहक, शुभचिंतक, सहयोगी एवं हमारी पूरी टीम के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि हमारे प्रति लोगों के अटूट विश्वास और निरंतर समर्थन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान संस्था की जिम्मेदारियों को और बढ़ाता है तथा भविष्य में और अधिक समर्पण, विश्वास एवं उत्कृष्टता के साथ लोगों की सेवा करने की प्रेरणा देता रहेगा।

उत्तर प्रदेश विद्यालय प्रबंधक महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बने राज बहादुर सिंह, नरसिंह नारायण दुबे कार्यकारी अध्यक्ष, राजेन्द्र सिंह पटेल महामंत्री,अजयेन्द्र द्विवेदी संगठन मंत्री तथा अमरनाथ मौर्य हुए कोषाध्यक्ष निर्वाचित

» 30वें प्रांतीय अधिवेशन में चुनी गई नई टीम,विद्यालय प्रबंधकों की मांगों पर मंत्री अनिल राजभर ने दिया आश्वासन

वाराणसी।पंचकोशी रोड सलारपुर स्थित विद्या विहार इंटर कालेज में आयोजित उत्तर प्रदेश विद्यालय प्रबंधक महासभा के तीसवें प्रांतीय अधिवेशन के दूसरे दिन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नई कार्यकारिणी का गठन किया गया | निर्वाचन प्रक्रिया के उपरांत राज बहादुर सिंह को प्रदेश अध्यक्ष,नरसिंह नारायण दूबे को कार्यकारी अध्यक्ष,राजेन्द्र सिंह पटेल को महामंत्री,अजयेन्द्र द्विवेदी को संगठन मंत्री तथा अमरनाथ मौर्य को कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया | इसके अतिरिक्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा कार्यकारिणी के अन्य पदों पर भी नामांकन किया गया | अधिवेशन के समापन सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे | इस अवसर पर महासभा की ओर से विद्यालय प्रबंधकों से संबंधित विभिन्न मांगों का ज्ञापन उन्हें सौंपा गया | मंत्री अनिल राजभर ने मांगों पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया | प्रांतीय अधिवेशन में मुख्य रूप से संजय सिंह प्रबंधक नवज्योति इंटर कॉलेज अदलहाट मिर्जापुर और धर्मेन्द्र सिंह प्रबंधक युगल बिहारी इंटर कालेज रामेश्वर वाराणसी व बाबू लाल मौर्या की विशेष उपस्थिति रही | नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष राज बहादुर सिंह ने महासभा की ओर से मांग पत्र प्रस्तुत किया | कार्यक्रम का संचालन रंजन ने किया | स्वागत अमरनाथ मौर्य तथा धन्यवाद ज्ञापन अजयेन्द्र कुमार दूबे ने किया | नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में प्रदेश अध्यक्ष राज बहादुर सिंह,कार्यकारी अध्यक्ष नरसिंह नारायण दूबे,महामंत्री राजेन्द्र सिंह पटेल,संगठन मंत्री अजयेन्द्र द्विवेदी,कोषाध्यक्ष अमरनाथ मौर्य शामिल रहे | अधिवेशन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए विद्यालय प्रबंधकों ने शिक्षा और विद्यालय प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया ||

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, 120 ग्रामीणों की हुई जांच

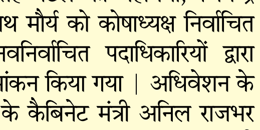

बरही। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत बरही प्रखंड की बसरिया पंचायत स्थित पंचायत सचिवालय में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं तथा टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया। शिविर के दौरान कुल 120 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसमें एक्स-रे, उच्च रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), शुगर जांच सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। जांच के उपरांत मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव और समय पर उपचार के महत्व की जानकारी दी तथा किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल जांच कराने की सलाह दी। कार्यक्रम में डॉ. प्रकाश ज्ञानी, पूर्व मुखिया हरेंद्र गोप, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) प्रियंका कुमारी, शिवशंकर, सहिया साथी नगीना देवी, सावित्री कुमारी, सहिया मीणा देवी, सबिता देवी, कंचन कुमारी, रूबी देवी, सूरज कुमार, शैलेन्द्र राम, बिजेंद्र कुमार, शमसाद, बीटीटी रीना वर्मा, पंचायत सहायक सिकंदर कुमार एवं खुशबू कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि समय रहते मरीजों की पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

एसएसबी के द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

» बड़ी संख्या में जवानो किया रक्तदान
» रक्तदान महादान कमांडेटः राजेन्द्र कुमार

मधुबनी/बिहार।जयनगर में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजनविश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर द्वारा कमांडेंट राजेंद्र कुमार एवं डॉ. मंजीत भाटिया, कमांडेंट (मेडिकल) के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में वाहिनी परिसर, जयनगर में सदर अस्पताल, मधुबनी के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया।इस अवसर पर वाहिनी के अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारी एवं बल कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया। शिविर में अधिकारियों एवं जवानों द्वारा स्वेच्छा से कुल 26 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर के दौरान सदर अस्पताल, मधुबनी के डॉ. जाकिर अंसारी एवं उनकी चिकित्सकीय टीम द्वारा सभी रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित एवं मानक प्रक्रिया के अनुसार रक्त संग्रह किया गया तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया।इस अवसर पर कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि रक्तदान एक महान मानवीय सेवा है, जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी बल कार्मिकों से समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान करने का आह्वान किया।48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर सामाजिक सरोकार, जनसेवा एवं मानवता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने किया गोपाल कुशवाहा को सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राजधानी पटना के होटल ताज में आयोजित मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड ऑफ़ ईस्टर्न इंडिया 2025 - 2026 कार्यक्रम में ओल्ड चंपारण मीट हाउस के संचालक गोपाल कुशवाहा को अलबेला इवेंट्स द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने उन्हें सम्मान प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की। सम्मान के दौरान गोपाल कुशवाहा के साथ उनके पुत्र अभिनव भी मौजूद रहे। इस अवसर पर गोपाल कुशवाहा ने चंपारण मटन की पारंपरिक और विशिष्ट विधि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मिट्टी के बर्तन में धीमी आंच पर विशेष मसालों के साथ पकाया गया चंपारण मटन अपने अनूठे स्वाद और सुगंध के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि यह व्यंजन बिहार की समृद्ध खानपान संस्कृति की पहचान बन चुका है। सम्मान प्राप्त करने के बाद गोपाल कुशवाहा ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें अपने कार्यों को और बेहतर ढंग से करने की प्रेरणा देगा। अलबेला इवेंट्स के निदेशक मनमीत अलबेला ने कहा कि यह सम्मान समारोह समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने का माध्यम हैं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

बुद्धदेव के निधन से शोक में शख्सियत

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।जमुई जिले के खैरा बाजार निवासी सह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्रिय सदस्य एवं जाने-माने व्यवसाई बुद्धदेव आर्य का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे करीब 92 वर्ष के थे। श्री आर्य अपने पीछे पुत्र पुत्री समेत भरा-पुरा परिवार छोड़ गए हैं। उनका वैदिक रीति-रिवाज से किऊल नदी के तट पर स्थित नारियाना घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। पुत्र ने पूज्य पिता को मुखाग्नि दी। बुद्धदेव आर्य क्षेत्र में हितकारी सेवा कर खूब यश और नाम अर्जित किए। उनके स्वर्गीय होने से खैरा समेत जमुई जिला स्तब्ध है। यहां के दिग्गजों और हस्तियों ने अपने-अपने ढंग से संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें भावांजलि दी है। जिला परिषद अध्यक्ष दुलारी देवी ने दिवंगत बुद्धदेव आर्य के निधन को व्यवसाई जगत समेत सम्पूर्ण जमुई के लिए अपूर्णीय क्षति बताया है। उन्होंने उन्हें मानवता का पर्याय बताते हुए कहा कि वे देव तुल्य थे। श्री आर्य ने अपने विलक्षण गुणों से समाज के परिदृश्य को बदलने में कारगर भूमिका निभाई। लोग जाति धर्म संप्रदाय से ऊपर उठकर उनका सम्मान करते थे। उनका निधन मेरे लिए निजी क्षति है। मैं उन्हें बारंबार चरणस्पर्श करती हूं। जदयू के पूर्व जिलाध्यक्ष ई.शंभू शरण ने स्मृतिशेष श्री आर्य के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि उनके निधन से समाज के एक युग का अंत हो गया है। ईश्वर के अवतार चिरनिद्रा में सो गए। उनका जाना पूरे समाज के लिए दुखदायी है। एक महान समाजसेवी उदार हृदय वाला इंसान और दूरदर्शी मानव को हमने खो दिया है। मैं उन्हें बारंबार प्रणाम करता हूं। जमुई की दुलारी सुता और प्रसिद्ध समाजसेविका डॉ.स्मृति पासवान ने कहा कि पूज्य बुद्धदेव आर्य के निधन से पूरा समाज शोकाकुल है। उनके जैसे मानव को खोकर हर इंसान के आंखों में आंसू है। उन्होंने कहा कि श्री आर्य ने जमुई जिला में अपनी निष्ठा के बल पर अपना कद बड़ा किया जो अनुकरणीय है। वे बिरले मानव थे जिन्होंने समाज के हर वर्ग से स्नेह प्राप्त किया। मैं उन्हें हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। वहीं पूर्व जिला पार्षद सह अधिवक्ता विश्वनाथ रावत ने कहा कि आदरणीय बुद्धदेव आर्य के निधन से समाज का एक मजबूत स्तंभ ढह गया है। एक समर्पित कर्मठ और निष्ठावान व्यक्तित्व हमारे बीच से चला गया। वे एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने अपना जीवन समाज के उत्थान एवं कल्याण के लिए जीया और जिनके कार्यों से समाज का मस्तक ऊंचा हुआ। श्री आर्य की गिनती एक संवेदनशील मानव के रूप में होती रहेगी। उनका जाना पीड़ा दायक है। राज्य उद्घोषक डॉ.निरंजन कुमार ने कहा कि अग्रज तुल्य बुद्धदेव बाबू महान विभूति के साथ महामानव थे। वे अब हमारे बीच नहीं रहे लेकिन उनकी प्रेरणा और उनका मार्गदर्शन हर इंसान को हमेशा मिलता रहेगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके हर स्नेही को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें।डॉ.कुमार ने उनके प्रभु चरणों में चले जाने के बाद उन्हें उदास हृदय से भावांजलि दी। नामी चिकित्सक डॉ.अशोक कुमार गुप्ता प्रसिद्ध उद्योगपति उमाशंकर भगत उर्फ टुनटुन भगत डीडी वर्मा रामजीवन साहू झुन्ना सिंह देवी कुमारी पूर्व मुखिया नवीन यादव पूर्व प्रधानाध्यापक लक्ष्मी मोदी पूर्व शिक्षक राम किशोर साव बबलू मोदी आदि शख्सियतों ने भी पूज्य बुद्धदेव आर्य के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर भारतीय महावाणिज्य दूतावास बिरगंज में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।भारतीय महावाणिज्य दूतावास, बीरगंज ने नेपाल-भारत मैत्री संघ (एन आई एफ ए)पर्सा नेपाल, इनोवेटिव सोसाइटी, बीरगंज नेपाल रेड क्रॉस सोसाइटी बीरगंज, और नेपाल यंग एंटरप्रेन्योर्स फोरम, बीरगंज के सहयोग से विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय महावाणिज्य दूतावास बिरगंज के परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान कर इस नेक कार्य में अपना योगदान दिया। स्थानीय नागरिकों, युवाओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को सार्थक बनाया।इस अवसर पर महावाणिज्यदूत श्री देवी सहाय मीना ने उपस्थित सभी रक्तदाताओं से भेंट की। उन्होंने सभी का उत्साहवर्धन करते हुए मानवता की सेवा के इस पुनीत कार्य के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री मीना ने कहा, रक्तदान न केवल किसी ज़रूरतमंद को नई ज़िंदगी देता है, बल्कि समाज के प्रति समर्पित सभी रक्तदाताओं का यह निःस्वार्थ योगदान मानव सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण है।यह पहल भारतीय महावाणिज्य दूतावास की सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर समाज सेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारतीय महावाणिज्य दूतावास, बीरगंज सभी रक्तदाताओं, सहयोगी संस्थाओं और स्वयंसेवकों का हार्दिक आभार व्यक्त करता है। दूतावास भविष्य में भी विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर मानवता और समाज कल्याण के लिए कार्य करने हेतु संकल्पित है।

» महावाणिज्यदूत श्री देवी सहाय मीना ने सभी रक्तदाताओं का उत्साह बर्धन किया, उन्हें बधाई व शुभकामनाये दी

नालन्दा की बावन बूटी हस्तकला देश की धरोहर है इसे बचाना और बढ़ाना हैः- मंत्री श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

नालंदा।नालंदा जिला के बावन बूटी साड़ी को मिला जी आई टैग।बिहारशरीफ के बसवन बिगहा में बावन बूटी कलाकृतियों के निर्माण कार्य में लगे बुनकरों से मिलने पहुंचे जदयू विधायक दल के नेता बिहार सरकार के ग्रामीण विकास सूचना जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार।उन्होंने कहा कि यह जी आई टैग नालंदा की पहचान और बुनकरों की मेहनत का सम्मान है। अब नालंदा की बावन बूटी साड़ी देश-दुनिया में अपनी खास पहचान के साथ बिकेगी। जीविका के माध्यम से सभी सरकारी कार्यक्रमों में अंगवस्त्र के रूप में उपयोग करके इसका प्रचार प्रसार कर विकास किया जायेगा ग्राम श्री मेलों में ग्रामीण विकास के द्वारा स्टाल लगाकर बावन बूटी कला का विस्तार किया जायेगा।बावन बूटी की कारीगरी सदियों पुरानी है। एक-एक साड़ी में बुनकरों की कला और परंपरा दिखती है। जी आई टैग मिलने से नकल पर रोक लगेगी और बुनकरों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिलेगा। उन्होंने बुनकरों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। मार्केटिंग, डिजाइन विकास और प्रशिक्षण में हर मदद दी जाएगी। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़कर इन साड़ियों की बिक्री बढ़ाई जाएगी ताकि बुनकरों की आय दोगुनी हो सके बिहार की हस्तकला हमारी धरोहर है। इसे बचाना और बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है। बसवन बिगहा और नेपुरा गांव के बुनकर बिहार का गौरव हैं। सरकार उनके कौशल को नई ऊंचाई तक ले जाएगी पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस कला को बढ़ानें और संवारने का काम किया है बिहार की सरकार हर संभव मदद करती रहती है और आगे भी करती रहेगी धरोहर को बचाने एवं संवारने को हमारी सरकार कृतसंकल्पित है राष्ट्रीय स्तर पर बावन बूटी कलाकृतियों के बजह से ही बसवन बिगहा को पहचान और सम्मान मिली जिसमें पद्म श्री स्व कपिल देव कामत की कड़ी मेहनत लग्न का परिणाम है सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि यहां के बुनकर आत्म निर्भर बन रहें हैं सरकार के द्वारा हर संभव मदद पहुंचाकर बुनकरों के आर्थिक स्थिति को मजबूत और सशक्त किया जायेगा संसद में और मजबूती से बावन बूटी के विकास की बात रखूंगा।लाखों देवी ने कहा कि बावन बूटी की कला की शुरुआत स्व कपिल बाबू ने की थी जिसके कारण उन्हें महामहिम राष्ट्रपति महोदय के द्वारा पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया गया था अब बावन बूटी कला को जी आई टैग दिया गया है जिससे बुनकरों के दिन बहुरेंगे तथा उनका सपना साकार होता दिख रहा है।इस अवसर पर बड़ी संख्या में बुनकर,महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं गुलरेज अंसारी जिला प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव कुमार मंगलम रिक्की कुमार पुष्प राज पाण्डेय सच्चिदानंद प्रसाद।

नगर परिषद स्थित सम्राट अशोक भवन का हुआ लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

कांटी/मुजफ्फरपुर।कांटी नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 5 स्थित किशुनगर में सोमवार को सम्राट अशोक भवन का लोकार्पण किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 27 के निकट बने इस भवन का फीता काटकर स्थानीय विधायक ई अजीत कुमार ने लोकार्पण किया। यह भवन 1 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत से नगर विकास विभाग द्वारा निर्मित किया गया है। इसमें अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कमरे और एक सामुदायिक हॉल की व्यवस्था है। आम लोग यहां शादी-विवाह, अन्य मांगलिक कार्य, बैठकें और संगोष्ठियां बहुत ही किफायती दरों पर आयोजित कर सकेंगे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सह विधायक ई अजीत कुमार ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2021 में इस भवन की नींव रखी थी। आज इसका उद्घाटन करना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह भवन न केवल नगर वासियों बल्कि पूरे कांटी क्षेत्र के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा। सम्राट अशोक भवन पूरी तरह से कैमरा की निगरानी में रहेगा और इसमें 24 घंटे सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। सभापति दिलीप कुमार ने इसे नगर वासियों के लिए एक बड़ी सौगात बताया। उन्होंने कहा कि अब गरीबों को अपने किसी भी कार्यक्रम को कम दरों पर आयोजित करने में कोई झिझक नहीं होगी। इस अवसर पर उपसभापति अजय कुमार गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी आनंद कुमार विभूति, अंचलाधिकारी पिंटू कुमार, नगर कार्यपालक पदाधिकारी अजय कुमार सहित चंदन पांडे, संतोष पासवान, आनंद राज, नीरज कुमार, अमरेश कुमार, विनोद गुप्ता, शंकर महतो और सैकड़ों की संख्या में नगर वासी मौजूद रहे।

सोमवती अमावस्या पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, महिलाओं ने की पीपल वृक्ष की पूजा

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया।मझौलिया प्रखंड क्षेत्र में सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही महिलाओं ने व्रत रखकर मंदिरों एवं पीपल वृक्षों के समीप पहुंचकर पूजा-अर्चना की। विभिन्न गांवों और मोहल्लों में स्थित पीपल वृक्षों के चारों ओर महिलाओं की भीड़ जुटी रही। महिलाओं ने विधि-विधान के साथ पीपल वृक्ष की पूजा कर उसकी परिक्रमा की तथा पति की लंबी आयु, परिवार की सुख-समृद्धि और संतानों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।पूजा के दौरान महिलाओं ने भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का स्मरण करते हुए पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया। कई महिलाओं ने पीपल वृक्ष पर जल अर्पित कर कच्चा सूत बांधा तथा श्रद्धाभाव से आराधना की। मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखी गई, जहां लोगों ने पूजा-पाठ, जप और दान-पुण्य कर धर्म लाभ प्राप्त किया।आचार्य उपेंद्र तिवारी,वेद जी ने बताया कि जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है तो उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। सनातन धर्म में इस व्रत का विशेष महत्व माना गया है। उन्होंने कहा कि इस दिन पीपल वृक्ष की पूजा करने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोमवती अमावस्या के दिन किए गए दान, जप, तप और पूजा का कई गुना फल प्राप्त होता है। पीपल वृक्ष में सभी देवी-देवताओं का वास माना गया है, इसलिए इस दिन इसकी पूजा और परिक्रमा का विशेष महत्व है।सोमवती अमावस्या को लेकर पूरे क्षेत्र में दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहा। महिलाओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ व्रत एवं पूजा-अर्चना संपन्न की, जबकि मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बनी रही। इससे क्षेत्र में आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

सुगौली में भाकपा (माले) रेड फ्लैग का धरना, 13 सूत्री मांगों को लेकर अंचल कार्यालय पर प्रदर्शन

नई सोच एक्सप्रेस

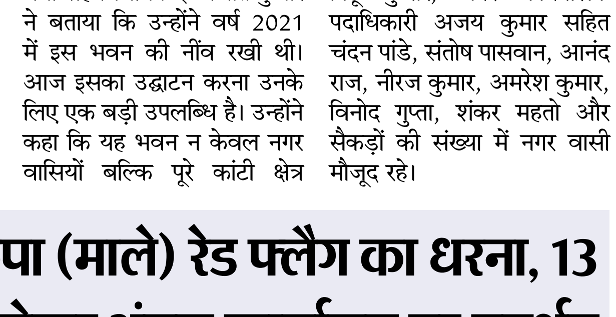

मोतिहारी। भाकपा (माले) रेड फ्लैग की सुगौली अंचल कमिटी के तत्वावधान में अंचल कार्यालय के समक्ष 13 सूत्री मांगों को लेकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। धरना की अध्यक्षता साथी बैद्यनाथ सहनी ने की, जबकि संचालन संजय यादव ने किया।धरना को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) रेड फ्लैग के राज्य सचिव कॉमरेड रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि बीते वर्षों में गरीबों, छात्रों और युवाओं के हितों की उपेक्षा की गई है। उन्होंने देश में सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।कॉमरेड भाग्यनारायण चौधरी ने संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा की बात कहते हुए गरीबों और वंचित तबकों के अधिकारों की सुरक्षा की मांग उठाई। वहीं संजय यादव ने चंपारण क्षेत्र से पटना के लिए पर्याप्त रेल सेवाओं का अभाव बताते हुए बगहा और मोतिहारी से अतिरिक्त ट्रेनों के परिचालन की मांग की।जिला सचिव भोला साह ने बाढ़ कटाव से विस्थापित और सरकारी जमीनों पर बसे गरीब परिवारों के पुनर्वास की मांग करते हुए कहा कि उन्हें बिना वैकल्पिक व्यवस्था के हटाया नहीं जाना चाहिए।सभा को चंदा देवी, राघव प्रसाद, सलमा खातून, भिखम राम, अवधेश राम, जितेंद्र सहनी, दिलशाद मियां एवं अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।धरना के उपरांत भोला साह के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित मांग-पत्र अंचलाधिकारी को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में भाग्यनारायण चौधरी, सलमा खातून, अनिता देवी एवं प्रभा देवी शामिल थीं।इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। जानकारी जिला सचिव भोला साह ने दी।

निवेशकों के घटते भरोसे

पिछले वित्त वर्ष में सिर्फ एक महीना युद्ध से प्रभावित था। बाकी समय जो हुआ, उससे साफ है कि समस्या की जड़ें निवेश के नए ट्रेंड और भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेशकों के घटते भरोसे से है। डॉलर बचाने के लिए सरकारी हलकों में क्यों इतनी बेचैनी फैली है, इसका राज़ भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक 2025-26 में भारत का भुगतान संतुलन 30.8 बिलियन डॉलर घाटे में रहा। सरल भाषा में इसका अर्थ है कि गुजरे वित्त वर्ष में भारत में जितना डॉलर आया, उससे 30.8 बिलियन अधिक डॉलर बाहर गया। ऐसा पूंजीगत खाते पर बढ़े दबाव के कारण हुआ। 2023-24 में विदेशी निवेश, विदेशी ऋण, संपत्ति हस्तांतरण आदि के जरिए 89.4 बिलियन डॉलर भारत आए थे। इस कारण चालू खाते के लगभग 27 बिलियन डॉलर के घाटे के बावजूद भुगतान संतुलन 63.7 बिलियन डॉलर लाभ में रहा। 2024-25 में पूंजीगत खाते में सिर्फ 16.6 बिलियन डॉलर का लाभ रहा। इस कारण भुगतान संतुलन तकरीबन 13 बिलियन डॉलर माइनस में चला गया। 2025-26 में पूंजीगत खाते में लाभ सिर्फ सात करोड़ 20 लाख डॉलर का रहा। उधर चालू खाते में घाटा बढ़ा। नतीजतन, भुगतान संतुलन का घाटा बढ़ गया। इससे साफ है कि पिछले दो वित्त वर्षों में भारत में डॉलर आने की दर तेजी से गिरी है। अतः इस समय जो संकट आया है, उसका कारण सिर्फ ईरान युद्ध नहीं है। पिछले वित्त वर्ष में सिर्फ एक महीना (मार्च) युद्ध से प्रभावित था। बाकी महीनों में जो हुआ, उससे पुष्टि होती है कि ना सिर्फ विदेशी निवेश का आना कम हो गया है, बल्कि विदेशी निवेशक बड़ी मात्रा में भारत से अपना धन निकाल ले गए हैं। 2025-26 में उन्होंने जितना निवेश भारत में किया, उससे 4.3 बिलियन अधिक डॉलर वे यहां से बाहर ले गए। उधर भारतवासियों में विदेश में अपने धन के निवेश बढ़ा ट्रेंड है। सोने के आयात में तेज बढ़ोतरी और युद्ध शुरू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल/ गैस तथा अन्य आयातित वस्तुओं की कीमत में उछाल से समस्या और गहरा गई है। अतः युद्ध खत्म होने से कुछ राहत मिलेगी, लेकिन बुनियादी दिक्कतें दूर नहीं होंगी। उनकी जड़ें निवेश के नए ट्रेंड और भारतीय अर्थव्यवस्था में घटते भरोसे से है। फिलहाल, ऐसा नहीं लगता कि सरकार के पास इसके समाधान की अंतर्दृष्टि है।

संकेतों की राजनीतिः कांग्रेस-तृणमूल संवाद और बदलते समीकरण

आरती कुमरी

भारतीय राजनीति में कई बार घटनाओं से अधिक उनके संकेत महत्वपूर्ण होते हैं। नेताओं की मुलाकातें, बंद कमरों में होने वाली बातचीत और सार्वजनिक मंचों पर दिखाई देने वाली नजदीकियां अक्सर आने वाले राजनीतिक परिवर्तनों की भूमिका तैयार करती हैं। हाल के दिनों में दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच हुई बातचीत ने राष्ट्रीय राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दिया है। यद्यपि किसी भी पक्ष ने औपचारिक रूप से किसी गठबंधन, समझौते या राजनीतिक पुनर्संरचना की घोषणा नहीं की है, फिर भी इन घटनाओं को केवल शिष्टाचार भेंट मान लेना राजनीतिक दृष्टि से पर्याप्त नहीं होगा। भारतीय राजनीति इस समय संक्रमण के दौर से गुजर रही है। एक ओर भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय राजनीति में अपनी मजबूत स्थिति बनाए हुए है, वहीं विपक्षी दल अपनी-अपनी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में विपक्षी दलों के बीच बढ़ता संवाद स्वाभाविक रूप से राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित करता है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की हालिया नजदीकियों को भी इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। कांग्रेस का राजनीतिक इतिहास देश के लोकतांत्रिक इतिहास से गहराई से जुड़ा हुआ है। स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत, दशकों तक केंद्र और राज्यों में सत्ता तथा राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक संगठनात्मक ढांचे के कारण कांग्रेस लंबे समय तक भारतीय राजनीति की धुरी रही। लेकिन पिछले एक दशक में पार्टी का प्रभाव लगातार कमजोर हुआ है। कई राज्यों में कांग्रेस का जनाधार सिमटा है और अनेक स्थानों पर क्षेत्रीय दलों ने उसकी राजनीतिक जमीन पर कब्जा किया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में कांग्रेस अब पहले जैसी निर्णायक शक्ति नहीं रह गई है। राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी सीटों और वोट प्रतिशत में गिरावट देखने को मिली है। हालांकि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्राओं तथा सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर उनकी सक्रियता ने कांग्रेस को पुनः राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास किया है, लेकिन संगठनात्मक मजबूती और चुनावी सफलता के मोर्चे पर पार्टी अभी भी संघर्षरत दिखाई देती है। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती केवल भाजपा का मुकाबला करना नहीं है, बल्कि स्वयं को एक विश्वसनीय और प्रभावी राष्ट्रीय विकल्प के रूप में पुनर्स्थापित करना भी है। इसके लिए उसे न केवल अपने पारंपरिक वोट बैंक को वापस लाना होगा, बल्कि क्षेत्रीय दलों के साथ संबंधों का नया संतुलन भी स्थापित करना होगा। यही कारण है कि कांग्रेस आज उन दलों के साथ भी संवाद बढ़ाती दिखाई दे रही है, जिनके साथ कभी उसकी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा रही है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस का राजनीतिक सफर भी भारतीय लोकतंत्र में एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाता है। ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया और पश्चिम बंगाल में तीन दशक से अधिक समय तक शासन करने वाले वाम मोर्चे को सत्ता से बाहर कर दिया। बाद के वर्षों में उन्होंने भाजपा की चुनौती का भी सफलतापूर्वक मुकाबला किया और बंगाल की राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। एक समय ऐसा भी था जब तृणमूल कांग्रेस को राष्ट्रीय राजनीति में एक उभरती हुई शक्ति के रूप में देखा जाने लगा था। गोवा, त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में पार्टी ने अपने विस्तार की कोशिशें कीं। ममता बनर्जी को विपक्षी राजनीति के एक प्रमुख चेहरे के रूप में प्रस्तुत करने के प्रयास भी हुए। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की रणनीति अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकी। इसके साथ ही पार्टी के सामने संगठनात्मक चुनौतियां, आंतरिक असंतोष और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याएं भी समय-समय पर उभरती रही हैं। किसी भी क्षेत्रीय दल की ताकत उसके मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और क्षेत्रीय जनाधार पर निर्भर करती है। जब राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं और चुनौतियां बढ़ती हैं, तब राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी तलाशना एक व्यावहारिक रणनीति बन जाती है। यही कारण है कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच बढ़ता संवाद केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि राजनीतिक आवश्यकता का संकेत भी माना जा रहा है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के संबंधों का इतिहास काफी जटिल रहा है। ममता बनर्जी कांग्रेस की ही राजनीतिक पृष्ठभूमि से निकलीं और बाद में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाई। पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक दोनों दलों के बीच प्रतिस्पर्धा और अविश्वास का माहौल बना रहा। कई चुनावों में दोनों दल आमने-सामने रहे और एक-दूसरे के राजनीतिक विस्तार को चुनौती देते रहे। ऐसे में यदि आज दोनों दलों के बीच संवाद बढ़ रहा है तो यह राजनीति की उस वास्तविकता को दर्शाता है जिसमें परिस्थितियां अक्सर पुराने मतभेदों से अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। राजनीति में न तो स्थायी मित्र होते हैं और न स्थायी शत्रु। बदलते राजनीतिक परिदृश्य में दल अपने हितों और परिस्थितियों के अनुसार नए समीकरण बनाते हैं। यदि कांग्रेस को लगता है कि भाजपा के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए क्षेत्रीय दलों के साथ बेहतर तालमेल आवश्यक है, तो वह अतीत के मतभेदों को पीछे छोड़ने का प्रयास कर सकती है। इसी प्रकार यदि तृणमूल कांग्रेस को यह महसूस होता है कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए व्यापक विपक्षी सहयोग आवश्यक है, तो वह भी कांग्रेस के साथ रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित कर सकती है। हालांकि संभावित सहयोग की राह आसान नहीं है। दोनों दलों की राजनीतिक संरचना, नेतृत्व शैली और संगठनात्मक संस्कृति अलग-अलग हैं। कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है जिसकी उपस्थिति लगभग पूरे देश में है, जबकि तृणमूल कांग्रेस मुख्यतः पश्चिम बंगाल केंद्रित राजनीतिक दल है। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के बीच कई क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा का इतिहास भी रहा है। इसलिए किसी भी राजनीतिक समझौते को व्यवहारिक रूप देना चुनौतीपूर्ण होगा। इसके अतिरिक्त विपक्षी राजनीति के भीतर नेतृत्व का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता की चर्चा जब भी होती है, तब विभिन्न दलों की महत्वाकांक्षाएं और राजनीतिक प्राथमिकताएं सामने आ जाती हैं। ऐसे में केवल शीर्ष नेताओं की मुलाकातें पर्याप्त नहीं होतीं। सफल राजनीतिक सहयोग के लिए साझा रणनीति, स्पष्ट एजेंडा और जमीनी स्तर पर तालमेल भी आवश्यक होता है। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि भारतीय राजनीति में जनाधार का क्षरण दलों को नए विकल्पों की तलाश के लिए प्रेरित करता है। जब राजनीतिक समर्थन कमजोर पड़ने लगता है, तब वैचारिक मतभेदों की तीव्रता कम होने लगती है और अस्तित्व का प्रश्न प्रमुख हो जाता है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की वर्तमान परिस्थितियां इसी राजनीतिक यथार्थ की ओर संकेत करती हैं। आज कांग्रेस अपने गौरवशाली अतीत और भविष्य की चुनौतियों के बीच खड़ी है। वहीं तृणमूल कांग्रेस अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को बनाए रखने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी भूमिका निभाने की संभावनाओं को तलाश रही है। दोनों दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता का विश्वास अर्जित करना है। केवल राजनीतिक समीकरण, रणनीतिक गठबंधन और नेताओं की मुलाकातें किसी दल को मजबूत नहीं बनातीं। इसके लिए मजबूत संगठन, स्पष्ट वैचारिक दिशा, प्रभावी नेतृत्व और जनता के मुद्दों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता आवश्यक होती है। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की हालिया मुलाकातों ने राजनीतिक अटकलों को अवश्य बल दिया है, लेकिन इनकी वास्तविक राजनीतिक परिणति आने वाले समय में ही स्पष्ट होगी। फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भारतीय राजनीति एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है जहां पुराने विरोध और नई आवश्यकताएं साथ-साथ चल रही हैं। यह घटनाक्रम केवल कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की कहानी नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की उस व्यापक प्रवृत्ति का प्रतीक है जिसमें जनाधार, राजनीतिक प्रासंगिकता और सत्ता की संभावनाएं दलों को नए समीकरण गढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट हो जाएगा कि ये मुलाकातें महज राजनीतिक शिष्टाचार थीं या फिर विपक्षी राजनीति के एक नए अध्याय की प्रस्तावना। फिलहाल इतना तय है कि भारतीय राजनीति में संवाद के ये नए संकेत भविष्य की संभावित राजनीतिक दिशा को लेकर उत्सुकता और जिज्ञासा दोनों बढ़ा रहे हैं।

महँगी होती सुविधाएँ - आदत, बाजार और आधुनिक मनुष्य

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

मनुष्य के स्वभाव में एक विचित्र द्वंद्व सदैव से मौजूद रहा है। एक ओर वह स्वयं को प्रकृति और ईश्वर की सर्वोत्तम रचना मानता है, दूसरी ओर उसी ईश्वरीय व्यवस्था को चुनौती देने का साहस भी करता है। विज्ञान, तकनीक और आधुनिकता की उपलब्धियों ने उसे यह विश्वास दिलाया है कि वह अपनी बुद्धि के बल पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है। लेकिन जब वह अपनी वास्तविकता से सामना करता है तो समझ में आता है कि ब्रह्मांड की विशालता के सामने उसकी उपलब्धियाँ कितनी छोटी हैं। वह ईश्वर से आगे निकलने का दावा तो कर सकता है, किंतु उसकी बनाई व्यवस्था के समकक्ष भी नहीं पहुँच पाता। ईश्वर या प्रकृति ने मानव जीवन को चलाने के लिए जो मूलभूत साधन प्रदान किए हैं, वे बिना किसी मूल्य के उपलब्ध हैं। जल, वायु, सूर्य का प्रकाश, धरती की उर्वरता, पेड़-पौधे, ऋतुएँ और जीवन के लिए आवश्यक प्राकृतिक संसाधन किसी शुल्क पर नहीं मिलते। इनके लिए न कोई मासिक बिल देना पड़ता है और न ही कोई रिचार्ज कराना पड़ता है। मनुष्य चाहे अमीर हो या गरीब, इन प्राकृतिक उपहारों पर उसका समान अधिकार है। इसके विपरीत, मानव द्वारा निर्मित सुविधाओं की दुनिया पूरी तरह अलग है। यहाँ हर सुविधा की एक कीमत है। सड़कें, वाहन, बिजली, इंटरनेट, मोबाइल नेटवर्क, मनोरंजन के साधन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और आधुनिक जीवन की तमाम व्यवस्थाएँ शुल्क आधारित हैं। इनका निर्माण, संचालन और विस्तार लागत से जुड़ा है, इसलिए इनके उपयोग के लिए भुगतान करना पड़ता है। प्रारंभ में ये सुविधाएँ जीवन को आसान बनाने के लिए आती हैं, लेकिन धीरे-धीरे मनुष्य इन्हें आवश्यकता का दर्जा दे देता है। यहीं से एक नई सामाजिक और आर्थिक प्रक्रिया शुरू होती है। सुविधा धीरे-धीरे आदत बन जाती है। जब कोई सुविधा आदत बन जाती है तो उसका मूल्य केवल आर्थिक नहीं रह जाता। वह व्यक्ति की दिनचर्या, सोच और व्यवहार का हिस्सा बन जाती है। तब उसका खर्च केवल रुपये-पैसे का खर्च नहीं होता, बल्कि मानसिक निर्भरता का मूल्य भी होता है। यदि वह सुविधा अचानक छिन जाए तो व्यक्ति स्वयं को अधूरा महसूस करने लगता है। कुछ दशक पहले तक भारत का एक बड़ा वर्ग साधारण बटन वाले मोबाइल फोन का उपयोग करता था। उस समय मोबाइल फोन केवल बातचीत का माध्यम था। लोग रिचार्ज कराने से पहले भी कई बार सोचते थे। दस या बीस रुपये का बैलेंस भी महत्वपूर्ण माना जाता था। मोबाइल का उपयोग सीमित था और जीवन सामान्य गति से चलता था। किसी को यह कल्पना भी नहीं थी कि एक दिन इंटरनेट आधारित सेवाएँ मनुष्य की दिनचर्या पर इतना गहरा प्रभाव डालेगी। आज परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। देश के गाँवों से लेकर महानगरों तक स्मार्टफोन पहुँच चुके हैं। 4G और 5G नेटवर्क ने इंटरनेट को जीवन का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। वही लोग जो कभी मोबाइल रिचार्ज पर खर्च करने में संकोच करते थे, आज बिना अधिक सोचे 349, 399, 499 या उससे अधिक के मासिक रिचार्ज करा रहे हैं। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण हैं। फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व ट्विटर) और अन्य डिजिटल मंच स्वयं को निःशुल्क बताते हैं। वास्तव में इन प्लेटफॉर्मों पर खाता बनाने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। लेकिन इनका उपयोग करने के लिए इंटरनेट चाहिए और इंटरनेट के लिए भुगतान करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, इन प्लेटफॉर्मों पर बिताया गया समय भी एक प्रकार की कीमत है जिसे लोग अनजाने में चुकाते हैं। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह सुविधा के साथ-साथ आदत भी पैदा करता है। प्रारंभ में लोग केवल संपर्क बनाए रखने या जानकारी प्राप्त करने के लिए इनका उपयोग करते हैं। धीरे-धीरे यह उपयोग निर्भरता में बदल जाता है। सुबह उठते ही मोबाइल देखना, दिनभर नोटिफिकेशन पर ध्यान देना और रात को सोने से पहले सोशल मीडिया स्क्रॉल करना अनेक लोगों की दिनचर्या बन चुकी है। यह आदत इतनी गहरी हो जाती है कि व्यक्ति इसके बिना असहज महसूस करने लगता है। बाजार की शक्ति भी इसी मनोविज्ञान पर आधारित होती है। किसी उत्पाद या सेवा को पहले सुविधा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। फिर उसे आकर्षक बनाया जाता है। उसके बाद वह जीवनशैली का हिस्सा बन जाती है। अंततः वह ऐसी आवश्यकता प्रतीत होने लगती है जिसके बिना जीवन अधूरा लगे। इस पूरी प्रक्रिया में उपभोक्ता स्वेच्छा से उस सेवा पर निर्भर हो जाता है और फिर उसकी कीमत चुकाने के लिए तैयार रहता है। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि सुविधा और आवश्यकता में अंतर होता है। आवश्यकता वह है जिसके बिना जीवन संभव नहीं है, जबकि सुविधा वह है जो जीवन को आसान बनाती है। लेकिन आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने इन दोनों के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। परिणामस्वरूप अनेक सुविधाएँ अब आवश्यकताओं के रूप में देखी जाने लगी हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। यह सत्य है कि आज डिजिटल माध्यम शिक्षा, रोजगार, व्यापार और संचार के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इनके बिना आधुनिक जीवन की कल्पना कठिन है। लेकिन इनके उपयोग और इनके प्रति निर्भरता में अंतर है। उपयोग व्यक्ति को सक्षम बनाता है, जबकि निर्भरता उसे नियंत्रित करने लगती है। मनुष्य की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह सुविधाओं का स्वामी बना रहे, उनका दास न बने। तकनीक का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना है, जीवन पर अधिकार स्थापित करना नहीं। यदि कोई सुविधा व्यक्ति के निर्णयों, आदतों और समय पर नियंत्रण स्थापित करने लगे तो उसे पुनर्विचार की आवश्यकता है। भारतीय समाज ने पिछले तीन दशकों में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। टेलीफोन से मोबाइल तक, मोबाइल से स्मार्टफोन तक और स्मार्टफोन से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक की यात्रा अत्यंत तेज रही है। इस यात्रा ने अवसर भी दिए हैं और नई चुनौतियाँ भी पैदा की हैं। एक ओर जानकारी तक पहुँच आसान हुई है, दूसरी ओर सूचना का अतिरेक और ध्यान भंग होने की समस्या भी बढ़ी है सबसे रोचक तथ्य यह है कि लोग अब सुविधाओं के बढ़ते खर्च को सामान्य मानने लगे हैं। बिजली का बिल, इंटरनेट का बिल, ओटीटी सदस्यता, क्लाउड स्टोरेज, डिजिटल सेवाओं के शुल्क और मोबाइल रिचार्ज, ये सब आधुनिक जीवन के नियमित खर्च बन चुके हैं। पहले जो खर्च असाधारण लगता था, वह आज सामान्य प्रतीत होता है। यही आदत की शक्ति है। आदत का एक मनोवैज्ञानिक पक्ष भी है। जब कोई सुविधा लंबे समय तक उपयोग में रहती है तो व्यक्ति उसे अपने जीवन स्तर का हिस्सा मानने लगता है। फिर उसका खर्च उसे बोझ नहीं लगता, बल्कि सामान्य आवश्यकता जैसा महसूस होता है। यही कारण है कि लोग अन्य खर्चों में कटौती कर सकते हैं, लेकिन इंटरनेट रिचार्ज या मोबाइल डेटा पर खर्च कम करने से बचते हैं। वास्तव में आधुनिक मनुष्य दो दुनियाओं के बीच खड़ा है। एक दुनिया प्रकृति की है जहाँ जीवन के मूल तत्व निःशुल्क उपलब्ध हैं। दूसरी दुनिया बाज़ार की है जहाँ सुविधा, मनोरंजन और आधुनिक जीवनशैली की कीमत चुकानी पड़ती है। पहली दुनिया हमें जीवन देती है, जबकि दूसरी दुनिया हमें जीवन जीने के तरीके प्रदान करती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब मनुष्य इन दोनों के बीच संतुलन खो देता है। यदि वह केवल प्राकृतिक जीवन की ओर लौटने की बात करे तो आधुनिक समाज की वास्तविकताओं से दूर हो जाएगा। और यदि वह केवल सुविधाओं पर निर्भर हो जाए तो अपनी स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता खो सकता है। इसलिए संतुलन ही सबसे उचित मार्ग है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक और सुविधाओं का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से करें। सोशल मीडिया का प्रयोग करें, लेकिन उसके गुलाम न बनें। इंटरनेट का लाभ उठाएँ, लेकिन अपने समय और ध्यान का नियंत्रण स्वयं रखें। आधुनिक सुविधाओं का आनंद लें, लेकिन यह याद रखें कि जीवन का आधार अभी भी वही प्रकृति है जिसने हमें जल, वायु और प्रकाश जैसे अमूल्य उपहार बिना किसी शुल्क के दिए हैं। अंततः यह स्वीकार करना होगा कि आधुनिक जीवन में अनेक प्रकार के आर्थिक बोझ अनिवार्य हो चुके हैं। यदि हम बिजली, इंटरनेट, मोबाइल नेटवर्क और अन्य सुविधाओं का लाभ लेते हैं तो उनकी कीमत भी चुकानी होगी। और शायद यही कारण है कि आज अधिकांश लोग यह सोचकर आगे बढ़ जाते हैं कि जब इतने सारे खर्च पहले से ही जीवन का हिस्सा हैं, तो फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और अन्य डिजिटल आदतों की कीमत भी सही। आखिरकार यह केवल रिचार्ज का खर्च नहीं, बल्कि उस जीवनशैली की कीमत है जिसे हमने स्वयं चुना है। इस पूरी यात्रा में एक बात कभी नहीं भूलनी चाहिए कि सुविधाएँ जीवन को आसान बना सकती हैं, पर जीवन का आधार नहीं बन सकतीं। जीवन का वास्तविक आधार आज भी वही प्रकृति है जो बिना किसी शुल्क, बिना किसी रिचार्ज और बिना किसी शर्त के हमें जीने का अवसर देती है। यही ईश्वर की व्यवस्था है और यही मनुष्य की सीमाओं का सबसे बड़ा स्मरण भी।

जाग उठा बंगाल : सत्ता परिवर्तन से सांस्कृतिक पुनर्जागरण और विकसित भविष्य की ओर

© आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी

कटिहार, बिहार। बंगाल केवल भारत का एक राज्य नहीं है, बल्कि वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, ज्ञान, साहित्य, राष्ट्रवाद और सामाजिक चेतना की एक ऐसी विराट धारा है जिसने आधुनिक भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। इसलिए जब कोई कहता है—"जाग उठा बंगाल", तो उसका आशय केवल राजनीतिक परिवर्तन नहीं होता, बल्कि वह एक व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और वैचारिक परिवर्तन की आकांक्षा का प्रतीक बन जाता है। यदि किसी प्रदेश की आत्मा जागती है तो केवल सरकारें नहीं बदलतीं, समाज बदलता है, सोच बदलती है, विकास की दिशा बदलती है और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बदल जाता है। वर्तमान समय में पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए परिवर्तन को अनेक लोग इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देख रहे हैं। यदि लोकतांत्रिक जनादेश के परिणामस्वरूप भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में नई सरकार का गठन हुआ है और शुभेन्दु अधिकारी मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाल चुके हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन का प्रसंग नहीं रह जाता, बल्कि जनता की नई अपेक्षाओं, नए विश्वास और नए संकल्प का भी प्रतीक बन जाता है। लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार बनाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनभावनाओं की अभिव्यक्ति होते हैं। जनता जब परिवर्तन का निर्णय करती है तो वह केवल चेहरा नहीं बदलती, बल्कि शासन की कार्यशैली, विकास की दिशा और सामाजिक वातावरण में भी परिवर्तन की अपेक्षा करती है। बंगाल का इतिहास गौरवशाली रहा है। यही वह भूमि है जहाँ राजा राममोहन राय ने सामाजिक सुधार का शंखनाद किया, ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने शिक्षा और महिला सम्मान की नई परंपरा स्थापित की, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने "वंदे मातरम्" के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को स्वर दिया, स्वामी विवेकानंद ने भारतीय अध्यात्म को विश्व मंच तक पहुँचाया, रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने साहित्य और संस्कृति को वैश्विक पहचान दी और नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने स्वतंत्रता संघर्ष को नई ऊर्जा प्रदान की। यह वही बंगाल है जिसने आधुनिक भारत को विचार दिया, आत्मविश्वास दिया और राष्ट्रीय अस्मिता का बोध कराया। उन्नीसवीं शताब्दी का बंगाल पुनर्जागरण केवल बंगाल की घटना नहीं था, बल्कि पूरे भारत की बौद्धिक क्रांति का आधार था। शिक्षा, पत्रकारिता, साहित्य, सामाजिक सुधार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और राष्ट्रवाद का जो वातावरण यहाँ निर्मित हुआ, उसने पूरे देश को प्रभावित किया। इसलिए बंगाल का पुनरुत्थान केवल एक राज्य का पुनरुत्थान नहीं, बल्कि भारत की वैचारिक शक्ति के पुनर्जागरण का संकेत भी माना जा सकता है। किन्तु इतिहास का गौरव वर्तमान की उपलब्धि नहीं होता। समय बदलता है और प्रत्येक समाज को अपनी नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक समय जो बंगाल उद्योग, व्यापार, शिक्षा और बौद्धिक नेतृत्व का केंद्र था, वह धीरे-धीरे अनेक आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों से घिरता चला गया। उद्योगों का पलायन, निवेश की कमी, रोजगार के सीमित अवसर, राजनीतिक तनाव और प्रशासनिक विवाद समय-समय पर सार्वजनिक चर्चा का विषय बने। लाखों प्रतिभाशाली युवाओं ने अवसरों की तलाश में अन्य राज्यों और विदेशों की ओर रुख किया। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक चिंता का विषय भी थी। इसी पृष्ठभूमि में यदि जनता ने सत्ता परिवर्तन का निर्णय लिया है, तो यह स्वाभाविक है कि उसके साथ नई आशाएँ भी जुड़ी होंगी। भारतीय जनता पार्टी की सरकार और मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के नेतृत्व के प्रति जनता की सबसे बड़ी अपेक्षा यही होगी कि राजनीतिक परिवर्तन को प्रशासनिक परिवर्तन, प्रशासनिक परिवर्तन को विकास और विकास को जनविश्वास में परिवर्तित किया जाए। शुभेन्दु अधिकारी का राजनीतिक जीवन संघर्ष, संगठन और जनसंपर्क से जुड़ा रहा है। अब उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि इतिहास जीतने की है। लोकतंत्र में चुनावी विजय कुछ महीनों तक चर्चा का विषय रहती है, लेकिन सुशासन और विकास पीढ़ियों तक स्मरण किए जाते हैं। यदि वे बंगाल को निवेश, रोजगार, शिक्षा, औद्योगिक विकास और सुशासन की नई दिशा देने में सफल होते हैं, तो यह केवल राजनीतिक सफलता नहीं होगी बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। भारतीय जनता पार्टी ने लंबे समय तक बंगाल में वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा, संगठन विस्तार और वैचारिक संघर्ष का प्रयास किया। यदि अब उसे शासन का अवसर मिला है, तो जनता उससे केवल भाषण नहीं, परिणाम चाहेगी; केवल घोषणाएँ नहीं, परिवर्तन चाहेगी; केवल नारे नहीं, नई व्यवस्था चाहेगी। यही लोकतंत्र का स्वाभाविक सिद्धांत है। "जाग उठा बंगाल" का वास्तविक अर्थ केवल सरकार बदलना नहीं है। इसका अर्थ है कि समाज अपने भीतर आत्मविश्वास का पुनर्जागरण अनुभव करे। सांस्कृतिक स्वाभिमान का अर्थ किसी के प्रति विरोध नहीं, बल्कि अपनी परंपराओं, अपने इतिहास और अपनी पहचान के प्रति सम्मान का भाव है। बंगाल की दुर्गापूजा, कालीपूजा, लोककला, संगीत, साहित्य, रंगमंच और बौद्धिक परंपरा उसकी आत्मा का हिस्सा हैं। यदि नई सरकार इन सांस्कृतिक मूल्यों को आधुनिक विकास के साथ जोड़ने में सफल होती है, तो एक संतुलित और सशक्त समाज का निर्माण संभव होगा। लेकिन केवल सांस्कृतिक चेतना से समाज आगे नहीं बढ़ता। उसके लिए आर्थिक शक्ति भी आवश्यक है। बंगाल को पुनः औद्योगिक मानचित्र पर स्थापित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। एक समय कोलकाता देश की आर्थिक राजधानी माना जाता था। जूट उद्योग, इंजीनियरिंग उद्योग, बंदरगाह आधारित व्यापार और बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठान इसकी पहचान थे। आज आवश्यकता है कि नई तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, हरित ऊर्जा और आधुनिक विनिर्माण के क्षेत्र में बंगाल को नई पहचान मिले। बंगाल की भौगोलिक स्थिति भी उसे असाधारण सामरिक और आर्थिक महत्व प्रदान करती है। समुद्री बंदरगाह, पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार, दक्षिण-पूर्व एशिया से संपर्क और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की संभावनाएँ उसे भविष्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बना सकती हैं। यदि योजनाबद्ध ढंग से अवसंरचना, निवेश और व्यापारिक सुधार किए जाएँ, तो बंगाल पूर्वी भारत के विकास का इंजन बन सकता है। युवाओं के बिना कोई भी पुनर्जागरण संभव नहीं है। आज बंगाल के लाखों युवा बेहतर शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के अवसर चाहते हैं। उन्हें केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। कौशल विकास, स्टार्टअप संस्कृति, अनुसंधान, नवाचार और उद्योगों के विस्तार के माध्यम से नई संभावनाएँ विकसित करनी होंगी। यदि युवा राज्य छोड़कर बाहर जाने को मजबूर होंगे, तो किसी भी विकास मॉडल की सफलता अधूरी रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में बंगाल की गौरवशाली परंपरा रही है। आज आवश्यकता है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों को केवल परीक्षा प्रणाली तक सीमित न रखकर अनुसंधान, नवाचार और चरित्र निर्माण का केंद्र बनाया जाए। आधुनिक विज्ञान और भारतीय सांस्कृतिक चेतना का संतुलित समन्वय ही भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। कृषि और ग्रामीण विकास भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। छोटे किसानों की आय, आधुनिक कृषि तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, सिंचाई, ग्रामीण सड़कें और कृषि आधारित उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं। शहरों और गाँवों के बीच संतुलित विकास ही स्थायी समृद्धि का आधार बन सकता है। महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, उद्यमिता और नेतृत्व में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बंगाल के भविष्य को नई शक्ति प्रदान करेगी। इसी प्रकार सामाजिक समरसता भी विकास का अनिवार्य आधार है। भाषा, धर्म, जाति और समुदाय के आधार पर विभाजन की राजनीति अल्पकालिक लाभ दे सकती है, लेकिन स्थायी विकास केवल विश्वास और सहभागिता के वातावरण में ही संभव है। कानून-व्यवस्था और सुशासन किसी भी निवेश का पहला आधार होते हैं। उद्योग वहीं जाते हैं जहाँ नीति स्थिर हो, प्रशासन पारदर्शी हो और नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें। इसलिए नई सरकार की सबसे बड़ी परीक्षा प्रशासनिक विश्वसनीयता स्थापित करने में होगी। राष्ट्रीय दृष्टि से भी बंगाल का महत्व अत्यंत व्यापक है। पूर्वी भारत का विकास, समुद्री अर्थव्यवस्था, सीमा प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सांस्कृतिक नेतृत्व—इन सभी क्षेत्रों में बंगाल निर्णायक भूमिका निभा सकता है। विकसित भारत की परिकल्पना में विकसित बंगाल की भूमिका अनिवार्य है। यह भी सत्य है कि किसी राज्य का भविष्य केवल सरकारें निर्धारित नहीं करतीं। शिक्षक, किसान, श्रमिक, उद्योगपति, वैज्ञानिक, साहित्यकार, कलाकार, सामाजिक संगठन और सामान्य नागरिक—सभी मिलकर विकास की संस्कृति का निर्माण करते हैं। यदि समाज स्वयं जागृत हो जाए तो राजनीतिक परिवर्तन अधिक स्थायी और सार्थक सिद्ध होता है। आज "जाग उठा बंगाल" केवल एक भावनात्मक उद्घोष नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक दायित्व है। यदि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से ऊपर उठकर सुशासन, पारदर्शिता, निवेश, औद्योगिक विकास, शिक्षा, रोजगार और सांस्कृतिक आत्मविश्वास की दिशा में ठोस कार्य करती है, तो बंगाल एक बार फिर राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। अंततः इतिहास किसी भी सरकार का मूल्यांकन उसके भाषणों से नहीं, बल्कि उसके परिणामों से करता है। यदि शुभेन्दु अधिकारी के नेतृत्व में बंगाल में उद्योग लौटते हैं, युवाओं को अवसर मिलते हैं, शिक्षा और अनुसंधान को नई गति मिलती है, सामाजिक विश्वास मजबूत होता है और सांस्कृतिक चेतना आधुनिक विकास के साथ आगे बढ़ती है, तो यह केवल एक राजनीतिक दल की सफलता नहीं होगी, बल्कि उस बंगाल का पुनर्जागरण होगा जिसने कभी पूरे भारत को जगाया था। तब सचमुच कहा जा सकेगा कि बंगाल केवल जागा नहीं, बल्कि उसने एक बार फिर भारत को नई दिशा देने का संकल्प लिया है। और यदि ऐसा हुआ, तो "जाग उठा बंगाल" केवल एक संपादकीय शीर्षक नहीं रहेगा, बल्कि भारतीय इतिहास के एक नए स्वर्णिम अध्याय का उद्घोष बन जाएगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई और नवाचार ही भविष्य : हेमन्त सोरेन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और आधुनिक तकनीक ही भविष्य हैं। झारखंड सरकार तकनीक आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने और दूरदराज के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री सोमवार को रांची के होटल बी.एन.आर. चाणक्य में आयोजित 'MedTech Innovation Day' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर 'District Sandbox' पहल का शुभारंभ किया। भारतीय विकास ट्रस्ट (BVT) और PHIA फाउंडेशन के सहयोग से शुरू की गई यह पहल स्वास्थ्य क्षेत्र में नई तकनीकों और नवाचारों के परीक्षण, मूल्यांकन तथा व्यापक उपयोग को बढ़ावा देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि

झारखंड नवाचार और शोध के लिए अपार संभावनाओं वाला राज्य है। यहां इनोवेटर्स स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे समाधान विकसित कर सकते हैं, जो विशेष रूप से जनजातीय, ग्रामीण और वंचित समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र आज पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है और झारखंड जैसे राज्य में तकनीक की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।**स्टार्टअप्स और शोधकर्ताओं को मिलेगा सहयोगः**हेमन्त सोरेन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई, बायो-इंजीनियरिंग और रियल-टाइम डेटा के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था तकनीक आधारित होगी। उन्होंने

» मुख्यमंत्री ने 'MedTech Innovation Day' में किया 'District Sandbox' पहल का शुभारंभ, 745 अबुआ मेडिकल स्टोर खोलने की घोषणा

कार्यक्रम में प्रदर्शित कई नवाचारों की सराहना की और भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार स्टार्टअप्स और शोधकर्ताओं को उनकी तकनीकों को आम लोगों तक पहुंचाने में हरसंभव सहयोग देगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रदर्शित बिना फिल्म वाली पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे मशीन का अवलोकन भी किया, जिसे आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के पूर्व छात्रों ने विकसित किया है। **745 अबुआ मेडिकल स्टोर खोलने की तैयारीः**कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों, एमबीबीएस एवं पीजी सीटों में वृद्धि तथा डॉक्टरों की नियुक्ति को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए नए मॉडल पर काम किया जा रहा है। साथ ही राज्य में 745 'अबुआ मेडिकल स्टोर' खोलने की योजना पर भी काम चल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं में एआई आधारित तकनीकों को बढ़ावा देने और प्रस्तावित एआई कॉन्फ्रेंस का भी उल्लेख किया। **क्या है 'District Sandbox' पहल?:** 'District Sandbox' के तहत इनोवेटर्स और शोधकर्ताओं को वास्तविक सार्वजनिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में अपनी चिकित्सा तकनीकों और समाधानों का परीक्षण करने का अवसर मिलेगा। इससे तकनीकों की प्रभावशीलता का आकलन किया जा सकेगा और सफल मॉडलों को व्यापक स्तर पर लागू करने का मार्ग प्रशस्त होगा। पीएचआईए फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक जॉनसन टोपनो ने कहा कि यह पहल सरकार, शोधकर्ताओं, स्वास्थ्य संस्थानों और समुदायों को एक साझा मंच पर लाकर स्वास्थ्य चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान विकसित करने में मदद करेगी। **पैनल चर्चा में स्वास्थ्य नवाचार पर मंथनः** कार्यक्रम के दौरान दो पैनल चर्चाओं का भी आयोजन किया गया, जिनमें सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए मेडटेक समाधान विकसित करने, स्वास्थ्य नवाचारों को तेजी से अपनाने और सरकार, शोध संस्थानों तथा विकास साझेदारों के बीच सहयोग को मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, नवाचार क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि, स्वास्थ्यकर्मी तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

होंडा ने अपने 2026 प्रीमियम मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को और मजबूत किया

रांची।होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने 2026 सीबी750 होर्नेट इ-क्लच और एक्सएल750 ट्रांसलप इ-क्लच को लॉन्च किया। कंपनी ने अपने 755सीसी प्लेटफॉर्म पर होंडा की इ-क्लच तकनीक जोड़ते हुए भारत में अपने प्रीमियम मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इसके साथ ही, गोल्ड विंग अब नए रंग विकल्प में उपलब्ध है, जबकि सीबीआर1000आरआर-आर फायरब्लेड एसपी होंडा की फ्लैगशिप सुपरस्पोर्ट मोटरसाइकिल के रूप में जारी रहेगी, जो स्ट्रीट नैकेड, एडवेंचर टूरिंग, लग्ज़री टूरिंग और हाई-परफॉर्मेंस सेगमेंट में बिगविंग लाइन-अप को और मजबूत बनाती है। इन सभी मोटरसाइकिलों की बुकिंग देशभर में होंडा टॉपलाइन और बिगविंग डीलरशिप्स पर शुरू हो गई है। कंपनी ने सीबी750 होर्नेट इ-क्लच की कीमत 10.49 लाख रुपये, एक्सएल750 ट्रांसलप इ-क्लच की 13.20 लाख रुपये, गोल्ड विंग की 44.30 लाख रुपये तथा सीबीआर1000आरआर-आर फायरब्लेड एसपी की 33.50 लाख रुपये (सभी कीमतें एक्स-शोरूम, गुरुग्राम) निर्धारित की हैं।इस घोषणा पर होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के अध्यक्ष एवं सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, "इ-क्लच के लॉन्च के साथ, होंडा प्रीमियम मोटरसाइक्लिंग अनुभव को और बेहतर बना रहा है, जिससे आराम, उपयोग में सरलता और राइडिंग में आत्मविश्वास बढ़ता है।"

राज्यसभा चुनाव को लेकर एनडीए एकजुट, परिमल नाथवानी की जीत सुनिश्चित : नवीन जायसवाल

रांची। राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में रविवार को एनडीए विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने की। बैठक में एनडीए समर्थित राज्यसभा प्रत्याशी परिमल नाथवानी के समर्थन में रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा के मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल ने कहा कि एनडीए के सभी विधायक पूरी तरह एकजुट हैं और परिमल नाथवानी के समर्थन में मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि नाथवानी की जीत सिर्फ तय नहीं, बल्कि पूरी तरह सुनिश्चित है। उन्होंने बताया कि राज्यसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया को लेकर विधायकों को आवश्यक जानकारी दी गई। कई विधायक पहली बार मतदान करेंगे, इसलिए मतदान की प्रक्रिया, समय और अन्य तकनीकी पहलुओं पर भी चर्चा की गई। नवीन जायसवाल ने कहा कि जो भाजपा विधायक बैठक में उपस्थित नहीं हो सके, उन्होंने पहले ही पार्टी नेतृत्व को इसकी सूचना दे दी थी। उनकी अनुपस्थिति किसी आवश्यक कार्य के कारण है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी संभावित हार को लेकर पहले से ही बेचैन और हताश दिखाई दे रही है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि परिमल नाथवानी निर्दलीय प्रत्याशी हैं और सभी 81 विधायक उनके मतदाता हैं। नाथवानी विभिन्न दलों के विधायकों से संपर्क कर रहे हैं। उनके कार्यों और अनुभव पर सभी को भरोसा है। उन्होंने कहा कि 18 जून को विधायक अपने विवेक और अंतरात्मा की आवाज के अनुसार मतदान करेंगे और परिमल नाथवानी तीसरी बार राज्यसभा पहुंचेंगे। बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, आजसू प्रमुख सुदेश महतो, लोजपा प्रदेश अध्यक्ष बीरेन्द्र प्रधान, भाजपा विधायक सीपी सिंह, नागेंद्र महतो, शशिभूषण मेहता, मनोज यादव, नीरा यादव, राज सिन्हा, अमित यादव, देवेंद्र कुंवर, रोशन लाल चौधरी, प्रदीप प्रसाद, मंजू कुमारी, कुमार उज्ज्वल, लोजपा विधायक जनार्दन पासवान तथा आजसू विधायक निर्मल महतो सहित एनडीए के कई विधायक उपस्थित रहे।

नशीले पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ

» चतरा उपायुक्त ने तीन एलईडी प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, दिलाई नशामुक्ति की शपथ

चतरा।नशीले पदार्थों के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति समाज को जागरूक करने एवं नशामुक्त झारखंड के संकल्प को साकार करने की दिशा में आज समाहरणालय परिसर, चतरा में राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री रवि आनंद ने तीन एलईडी प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। मुख्यमंत्री झारखंड सरकार हेमंत सोरेन के निर्देशानुसार 15 जून से 26 जून 2026 तक संचालित होने वाले इस विशेष अभियान के तहत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, चतरा द्वारा तैयार तीनों एलईडी प्रचार रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के संबंध में व्यापक जनजागरूकता फैलाएंगे। रथों के माध्यम से आमजन, विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि नशीले पदार्थ न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, बल्कि परिवार एवं समाज की खुशहाली के लिए भी गंभीर चुनौती बनते हैं। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए सामूहिक जनभागीदारी एवं सामाजिक जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने नशामुक्ति की शपथ लेते हुए स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। अभियान के दौरान एलईडी प्रचार रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर नशे के दुष्परिणामों, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों तथा नशामुक्त जीवन के महत्व से संबंधित संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। इसके माध्यम से लोगों को स्वस्थ, जागरूक एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अवसर पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला नजारत शाखा प्रभारी विनय कुमार, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्कील अहमद, डीएसपी मुख्यालय सुनील सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रजरप्पा मंदिर में 24 घंटे एम्बुलेंस मेडिकल टीम तैनात करने की मांग

सांसद मीडिया प्रतिनिधि ने उपायुक्त को किया ट्वीट

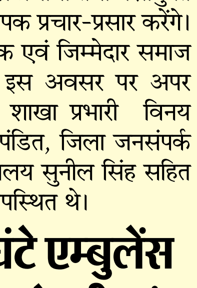

रामगढ़ (हजारीबाग) । लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर, रजरप्पा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की मांग उठाई है। इस संबंध में उन्होंने रामगढ़ के उपायुक्त को ट्वीट कर तत्काल व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया है। रंजन चौधरी ने बताया कि क्षेत्र में पड़ रही प्रचंड धूप और भीषण गर्मी के कारण मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। हाल ही में गर्मी के चलते कई श्रद्धालुओं के मूर्छित होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। चूंकि मंदिर में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए रंजन चौधरी ने उपायुक्त से मंदिर परिसर में एक एम्बुलेंस और डॉक्टर सहित मेडिकल टीम की स्थायी प्रतिनियुक्ति (24 घंटे तैनाती) कराने की मांग की है।

चौपारण में 16 जुलाई को निकलेगी भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा, सियरकोनी मंदिर में तैयारी बैठक संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी। आगामी 16 जुलाई को चौपारण प्रखंड क्षेत्र में आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को ऐतिहासिक और सफल बनाने को लेकर रविवार को सियरकोनी स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन की भव्यता, रूट व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में बरही विधानसभा के विधायक मनोज यादव और चतरा जिला परिषद के उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने मुख्य रूप से शामिल हुए। इस दौरान विधायक मनोज यादव ने कहा कि रथ यात्रा हमारे क्षेत्र की धरोहर और आस्था का प्रतीक है। इसे सफल बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। चतरा जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने भी आयोजन को लेकर हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। इस तैयारी बैठक में चौपारण के अलावा पड़ोसी प्रखंडों मयूरहंड, इटखोरी और बरही से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु, प्रबुद्ध नागरिक और विभिन्न कमेटियों के सदस्य शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में रथ यात्रा को शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से संपन्न कराने का संकल्प लिया।

झारखंड कैबिनेट के 25 महत्वपूर्ण फैसलेः नामकुम-डोरंडा फोरलेन के लिए 162.82 करोड़, अमानत बराज योजना को 947 करोड़ की मंजूरी

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक में विकास, प्रशासन, सिंचाई, खनन, वन एवं कर्मचारी कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने रांची के नामकुम-डोरंडा मार्ग के चौड़ीकरण, पलामू की अमानत बराज योजना, जंगली जानवरों से होने वाली क्षति पर मुआवजा, सरकारी कर्मचारियों के लिए नई सुविधाएं तथा कई कोल ब्लॉकों के खनन पट्टों समेत कुल 25 महत्वपूर्ण निर्णय लिए। कैबिनेट ने नामकुम से डोरंडा पथ (एमडीआर-002) के 6.70 किलोमीटर लंबे मार्ग को चार लेन में चौड़ा एवं सुदृढ़ करने के लिए 162.82 करोड़ की द्वितीय पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की। वहीं पलामू जिले की अमानत बराज योजना के क्रियान्वयन हेतु 947.26 करोड़ के तृतीय पुनरीक्षित प्राक्कलन को मंजूरी दी गई। बैठक में Jharkhand State Wide Area Network (JharNet 2.0) परियोजना की अवधि 31 जुलाई 2026 तक बढ़ाने और इसके लिए 65.50 करोड़ खर्च की स्वीकृति दी गई। राज्य सरकार के विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों के वेतनमान एवं संविदा भुगतान को भी मंजूरी दी गई। सरकारी कर्मचारियों के लिए क्रेडिट सुविधाएं, अग्रिम वेतन, बीमा उत्पाद एवं अन्य मूल्यवर्धित सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी मिली। इसके अलावा गोड्डा समाहरणालय के 5 तथा बोकारो समाहरणालय के 2 अनियमित कर्मियों की सेवा नियमितीकरण को स्वीकृति प्रदान की गई। वन एवं पर्यावरण से जुड़े निर्णयों में जंगली जानवरों से होने वाली क्षति पर मुआवजा भुगतान संबंधी आदेश में संशोधन, क्षतिपूरक वनरोपण के लिए भूमि हस्तांतरण तथा उपायुक्तों को संबंधित मामलों के निस्तारण की शक्ति प्रत्यायोजित करने का निर्णय शामिल है। साथ ही विभागीय, पीस वेजेज और ठेकेदार आधारित हाइब्रिड मॉडल अपनाने को भी मंजूरी दी गई। खनन क्षेत्र में कैबिनेट ने बोकारो के पर्वतपुर कोल ब्लॉक के 2174.52 एकड़ क्षेत्र, सीतानाला कोल ब्लॉक के लगभग 793 एकड़ क्षेत्र तथा गोड्डा के जीतपुर कोल ब्लॉक के 497.10 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए खनन पट्टों को स्वीकृति दी। इसके अलावा पूर्वी सिंहभूम के हरियान, बारूनमूति, चडरीबुरू एवं गुड़ाबांधा एमराल्ड ब्लॉकों को आरक्षित करने हेतु केंद्र सरकार से अनुमोदन लेने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट ने महिला हेल्पलाइन 181 की निर्बाध संचालन व्यवस्था के लिए सेवा प्रदाता एजेंसी के अनुबंध विस्तार को घटनोत्तर स्वीकृति दी। साथ ही बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के तहत बड़े एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के बांधों की सुरक्षा और निगरानी के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ पैनल के गठन को मंजूरी प्रदान की। बैठक में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (CAG) की प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा राज्य वित्त से संबंधित ऑडिट रिपोर्टों को आगामी विधानसभा सत्र में पटल पर रखने की स्वीकृति दी गई। विधिक मामलों में अधिवक्ता रोहितश्य रॉय की झारखंड के महाधिवक्ता पद पर नियुक्ति को घटनोत्तर स्वीकृति दी गई, जबकि अच्युत केशव को वरीय अपर महाधिवक्ता पद पर पदोन्नत करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में मोटरयान निरीक्षक (एमवीआई) पद के अनुशंसित अभ्यर्थियों की नियुक्ति को भी मंजूरी प्रदान की गई। कैबिनेट के इन फैसलों को राज्य में आधारभूत संरचना, सिंचाई, डिजिटल नेटवर्क, कर्मचारी कल्याण, पर्यावरण संरक्षण और खनन क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर रांची में अभियान शुरू, 4.84 लाख बच्चों को एल्बेंडाजोल खिलाने का लक्ष्य

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर सोमवार को संत अन्ना स्कूल, रांची में सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बच्चों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाकर जिलेव्यापी अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य पदाधिकारी (डीआरसीएचओ) डॉ. असीम कुमार मांझी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रीति चौधरी, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सेलिन बाड़ा सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित थे। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत रांची जिले में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 4,84,435 बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह दवा जिले के

सभी स्वास्थ्य केंद्रों, विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों, शिक्षकों एवं सेविकाओं की निगरानी में दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कृमि संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण स्तर तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। एल्बेंडाजोल कृमि संक्रमण की रोकथाम और उपचार में प्रभावी दवा है, जो बच्चों के समुचित विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दवा बच्चों को चबाकर अथवा पूरी तरह मसलकर पानी के साथ दी जा रही है। गंभीर रूप से बीमार बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को यह दवा नहीं दी जाएगी। इस दौरान डॉ. प्रभात कुमार ने बच्चों को नशे की लत से दूर रहने का संदेश भी दिया। उन्होंने तंबाकू एवं अन्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए हानिकारक है। सिविल सर्जन ने बच्चों के साथ जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण पर भी चर्चा की। उन्होंने बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय असंतुलन को गंभीर चुनौती बताते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि जो बच्चे किसी कारणवश सोमवार को दवा लेने से वंचित रह जाएंगे, उन्हें 18 जून 2026 को आयोजित मॉप-अप दिवस पर एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का उद्देश्य बच्चों एवं किशोरों को कृमि संक्रमण से मुक्त कर उनके स्वास्थ्य, पोषण स्तर, शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार लाना है।

झारखंड के मोराबादी मैदान में भव्य कृषि मेला का आयोजन कल से

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड सरकार के कृषि, उद्यान, सहकारिता और पशुपालन विभाग द्वारा रांची के मोराबादी मैदान में झारखंड कृषि व्यापार मेला - 2026 का भव्य आयोजन 16 से 18 जून तक आयोजित किया गया है, जिसका उद्घाटन झारखंड के मुख्यमंत्री, हेमंत सोरेन करेंगे। इस मेले में विभिन्न प्रकार के नवीनतम कृषि यंत्र, झारखंड के विभिन्न जिलों से कृषि और उद्यानिकी से जुड़े उत्कृष्ट फल एवं सब्जियां, सर्वोत्तम उत्पादन के तरीके, किसानों के लिए जरूरी उत्पाद और ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्रियों का प्रदर्शनी और विपणन किया जाएगा। एपीपी एग्रीगेट खूंटी से जुड़ी रांची, खूंटी, गुमला और लोहरदगा की महिला समूहों द्वारा मशरूम और मशरूम से निर्मित मूल्यसंबर्धन उत्पाद मशरूम अचार, बड़ी, पापड़, मिक्चर , चॉकलेट, मशरूम मरूआ लड्डू, पेडा आदि आकर्षण का केंद्र होगा। इस आशय की जानकारी फर्म के निदेशक, प्रभाकर कुमार ने दिया। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन और मशरूम निर्मित उत्पादों से झारखंड की लाखों महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है

बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं गंभीर चिंता का विषय, राज्यव्यापी रोड सेफ्टी मिशन चलाने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने राज्य में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं और उनमें हो रही जनहानि पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्यव्यापी "झारखंड रोड सेफ्टी मिशन" शुरू करने की मांग की है। सोमवार को जारी बयान में नायक ने कहा कि झारखंड में हर वर्ष हजारों लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या युवाओं, श्रमिकों, छात्रों और परिवार के कमाऊ सदस्यों की होती है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि पूरे परिवार के भविष्य को प्रभावित करने वाली त्रासदी है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा सड़क अवसंरचना के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अब सड़क सुरक्षा को प्रशासनिक प्राथमिकता बनाने की जरूरत है। इसके लिए परिवहन, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस और स्थानीय निकायों के बीच बेहतर

समन्वय स्थापित कर विशेष रोड सेफ्टी मिशन चलाया जाना चाहिए। नायक ने राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उनका शीघ्र सुधार कराने, ओवरस्पीडिंग रोकने के लिए आधुनिक स्पीड मॉनिटरिंग सिस्टम और सीसीटीवी आधारित निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। उन्होंने सड़क किनारे पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्पष्ट संकेतक बोर्ड और सुरक्षित पैदल पार पथ विकसित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं में मौत का एक बड़ा कारण समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाना है। इसलिए प्रमुख राजमार्गों पर आधुनिक ट्रॉमा सेंटर, एम्बुलेंस नेटवर्क और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ किया जाना चाहिए, ताकि "गोल्डन ऑवर" के भीतर घायलों को उपचार मिल सके। प्रदेश प्रवक्ता ने स्कूलों, कॉलेजों और पंचायत स्तर तक व्यापक सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने की मांग करते हुए कहा कि हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों के पालन को केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करना होगा। उन्होंने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा से जुड़े लंबित कार्यों और ब्लैक स्पॉट सुधार योजनाओं को शीघ्र पूरा कराने तथा राज्यों को मिलने वाली वित्तीय सहायता बढ़ाने की मांग की। नायक ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार सड़क सुरक्षा के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में कमी लाने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

भाजपा ने आगामी कार्यक्रमों की बनाई रणनीति, योग दिवस से लेकर बलिदान दिवस तक होंगे आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश पदाधिकारियों की मासिक बैठक रविवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पिछले कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी संगठनात्मक और जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशों के अनुरूप संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए मंडल, शक्ति केंद्र, बूथ, जिला और प्रदेश स्तर पर नियमित मासिक बैठकों की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में प्रत्येक माह की 15 तारीख को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्यभर में व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किसान मोर्चा द्वारा सभी जिलों में जैविक खेती विषयक संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। अमर कुमार बाउरी ने बताया कि 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अमर बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि एवं स्मरण कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा 25 जून को आपातकाल की वर्षगांठ पर लोकतंत्र पर हुए प्रहार को याद करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के हालिया झारखंड प्रवास, हाल में संपन्न प्रशिक्षण वर्ग तथा केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को लेकर चल रहे कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। साथ ही आगामी एक माह के संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा हुई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, नीलकंठ सिंह मुंडा, भानू प्रताप शाही, सुनील सोरेन, गीता कोड़ा, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, मनोज सिंह सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

विशाल कुमार प्रजापति बने एबीवीपी चतरा के जिला संयोजक

» प्रदेश अभ्यास वर्ग में दायित्व की घोषणा, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

चतरा।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के चार दिवसीय झारखंड प्रदेश अभ्यास वर्ग के समापन अवसर पर संगठन के विभिन्न दायित्वों की घोषणा की गई। इसी क्रम में चतरा जिले के सक्रिय एवं समर्पित कार्यकर्ता विशाल कुमार प्रजापति को एबीवीपी का चतरा जिला संयोजक मनोनीत किया गया है। कोडरमा में 12 से 15 जून तक आयोजित प्रदेश अभ्यास वर्ग का शुभारंभ क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रदीप शेखावत, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौसमी पाल, प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी एवं प्रदेश संगठन मंत्री नीलेश कटारे ने दीप प्रज्वलित कर किया। समापन सत्र में संगठन विस्तार और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा के साथ नए दायित्वों की घोषणा की गई। विद्यार्थी परिषद में लंबे समय से सक्रिय रहे विशाल कुमार प्रजापति छात्रहित एवं संगठनात्मक गतिविधियों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उनके जिला संयोजक बनने पर जिले भर के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में चतरा जिले में परिषद का कार्य और अधिक मजबूती से आगे बढ़ेगा तथा छात्र-छात्राओं की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। दायित्व घोषणा के अवसर पर प्रदेश एसएफडी संयोजक रोहित पांडेय, प्रदेश खेलो भारत प्रमुख मुन्ना युद्धांशी, नगर मंत्री अनुराग कुमार आर्य सहित संदीप यादव, विपिन यादव, गोलू कुमार, सचिन कुमार, निशु कुमारी, खुशी कुमारी, निशा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, अंजुम बेबी एवं रिया कुमारी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।।दायित्व मिलने के बाद परिषद के कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने विशाल कुमार प्रजापति को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी।

निगम की बैठक में अहम फैसला, पारा शिक्षकों को 4 प्रतिशत बढ़ोतरी का रास्ता हुआ साफ

हजारीबाग। नगर निगम की बैठक में पारा शिक्षकों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक में निगम क्षेत्र के पारा शिक्षकों को लंबित 4 प्रतिशत बढ़ोतरी का लाभ देने पर सहमति बनी, जिससे शिक्षकों के बीच खुशी है बताया गया कि निगम क्षेत्र के पारा शिक्षक लंबे समय से 4 प्रतिशत वृद्धि की राशि का इंतजार कर रहे थे। इस संबंध में सहायक अध्यापक महासंघ के जिला अध्यक्ष चंदन कुमार मेहता ने कई बार शिक्षकों की समस्या को उठाते हुए नगर निगम प्रशासन और महापौर का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया था। इसके बाद निगम की बैठक में इस विषय पर विचार-विमर्श किया गया और शिक्षकों के पक्ष में निर्णय लिया गया। महापौर अरविन्द कुमार राणा ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में पारा शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें मिलने वाले वैधानिक लाभ समय पर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि निगम की बैठक में लिए गए इस फैसले से शिक्षकों को राहत मिलेगी। पारा शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष चंदन कुमार मेहता ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए महापौर और निगम प्रशासन के प्रति आभार जताया। वहीं, निगम क्षेत्र के पारा शिक्षकों ने कहा कि लंबे समय से लंबित मांग पूरी होने से उन्हें आर्थिक संबल मिलेगा और उनका मनोबल बढ़ेगा। शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी उनकी अन्य लंबित समस्याओं का समाधान इसी संवेदनशीलता के साथ किया जाएगा। निगम की इस पहल को शिक्षकों के हित में उठाया गया सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

इटखोरी स्थित बक्सा डैम को पर्यटन स्थल के रूप में किया जाएगा विकसित

» व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच नौका विहार का लुत्फ उठा पाएंगे पर्यटक

इटखोरी। सनातन बौद्ध और जैन तीन धर्म की संगम स्थल धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी इटखोरी के बक्सा डैम को अब सुंदर पर्यटन स्थल और पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किया जाएगा। आने वाले समय में यहां पहुंचने वाले पर्यटक डैम की खूबसूरती का आनंद तो लेंगे ही साथ ही नौका विहार का भी आनंद उठा सकेंगे ।जिला प्रशासन बक्सा डैम को वॉटर स्पोर्ट्स का केंद्र बनाने के लिए आवश्यक तैयारी में जुटा है ।पर्यटकों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन यहां पैडल बोट,कायक ,और लाइफ वोट जैसी नावे उपलब्ध कराने की तैयारी में है। साथ ही सुरक्षा का व्यापक इंतजाम भी किया जा रहा है ।किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एक तेज रफ्तार वाली रेस्क्यू बोट भी हमेशा तैनात रहेगी ताकि लोग निर्भीक होकर नौका विहार का आनंद उठा सकें।इसकी जिम्मेवारी यहां के स्थानीय युवाओं को दी जाएगी। इसके मद्देनजर प्रशासन की ओर से स्थानीय युवाओं को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा ।बक्सा डैम में वोटिंग की सुविधा शुरू होने से यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी जिसका सीधा लाभ होटल संचालकों,वाहन चालकों ,छोटे दुकानदारों को होगा होगा। इससे क्षेत्र में आर्थिक और रोजगार से जुड़े गतिविधियों में वृद्धि होगी जिससे स्थानीय लोगों की आय बढ़ेगी।

रेफरल अस्पताल सिमरिया का DC रविआन्द नें किया औचक निरीक्षण

सिमरिया।प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रेफरल अस्पताल सिमरिया का किया औचक निरीक्षण अस्पताल कि साफ सफाई रखने पर आवश्यक निर्देश दिया एवं सभी कर्मचारियों को समय पर अपने ड्यूटी आवर में उपस्थित रहनें को कहा जीससे सिमरिया क्षेत्र के मरीजों को उचित इलाज हो सके वहीं DC रविआनंद ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डां० बी० एन प्रसाद को संस्थागत प्रसव, वी अस्पताल सिमरिया में क्षेत्र के मरीजों को उचित इलाज समय पर करने हेतु निर्देश दिया।

वंचित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

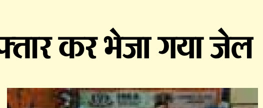

चतरा। गिद्धौर थाना पुलिस ने एनडीपीएस (मादक पदार्थ) से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में धर्मेंद्र यादव उर्फ सुबोध यादव, पिता टहल यादव, ग्राम सलगा तथा चंदन कुमार दांगी उर्फ संदीप कुमार, पिता उमेश दांगी, ग्राम चंदाबाध, थाना गिद्धौर, जिला चतरा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्त एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज अलग-अलग मामलों में आरोपित थे। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है तथा ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

हजारीबाग में सहकारिता विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले में संचालित पैक्स की स्थिति और धान अधिप्राप्ति (खरीद) व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर गहन चर्चा हुई। जिले में कुल 257 पैक्स कार्यरत हैं, जिनमें से वर्तमान में 65 केंद्रों पर धान खरीद का कार्य चल रहा है। धान भंडारण की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए चालू वित्तीय वर्ष में 500 एमटी और 100 एमटी क्षमता वाले नए पैक्स भवनों के निर्माण का निर्देश दिया गया है। इस वर्ष जिले के 170 पैक्सों के माध्यम से धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए किसानों के पंजीकरण कार्य में तेजी लाने और किसी भी आवेदन को लंबित न रखने के निर्देश दिए गए हैं। नए पैक्सों में अध्यक्ष और सचिव का चयन पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से करने की बात कही गई है ताकि सहकारी संस्थाएं मजबूत हो सकें। उपायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीद की सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। बैठक में सदर एसडीओ आदित्य पांडेय, जिला सहकारिता पदाधिकारी मनोज कुमार और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

» धान खरीद के लिए बनेंगे नए पैक्स भवन, 170 पैक्सों के जरिए धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य

उपायुक्त ने 5 एलईडी जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध 15 जून से 26 जून 2026 तक चलाए जा रहे राज्यव्यापी जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को उपायुक्त हेमंत सती ने समाहरणालय परिसर से पांच एलईडी जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वैन जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घूम-घूमकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करेंगी। एलईडी वैन के जरिए प्रमुख स्कूलों, कॉलेजों, हाट-बाजारों, पंचायतों और चौक-चौराहों पर जागरूकता संबंधी लघु फिल्में, ऑडियो-वीडियो संदेश और प्रचार सामग्रियां दिखाई जाएंगी। आम लोगों, विशेषकर युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसानों के प्रति जागरूक करना। इस मौके पर उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है और जनसहभागिता से ही नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है। सदर एसडीओ आदित्य पांडेय ने भी युवाओं और स्कूली बच्चों को इस सामाजिक बुराई से सुरक्षित रखने तथा उन्हें सकारात्मक दिशा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित जनसंपर्क विभाग की टीम और अन्य कर्मी मौजूद थे।

आजीविका विकास पर मंथन रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत हजारीबाग नगर निगम के लिए 'सिटी लाइवलीहुड एक्शन प्लान' तैयार करने के उद्देश्य से सोमवार को एक फोकस ग्रुप डिस्कशन का आयोजन किया गया। बैठक में महापौर अरविन्द कुमार, नगर निगम अधिकारियों, जेएसएलपीएस, जिला उद्योग केंद्र के प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों और स्ट्रीट वेंडर्स सहित विभिन्न हितधारकों ने हिस्सा लिया। पिछले चार महीनों से जारी सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के निष्कर्षों का जमीनी सत्यापन करने के लिए यह चर्चा आयोजित की गई थी। बैठक में शहर की आजीविका से जुड़ी चुनौतियों पर बात करते हुए युवाओं के लिए बाजार की मांग के अनुरूप कौशल विकास, आसान ऋण सुविधा और स्वरोजगार के अवसरों पर जोर दिया गया। इसके साथ ही स्ट्रीट वेंडर्स व असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने की आवश्यकता बताई गई। इस योजना को तैयार करने में एनआईटी कालीकट के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन अर्बन प्लानिंग एंड डिजाईन द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। बैठक में प्राप्त सुझावों को एक्शन प्लान में शामिल कर हजारीबाग के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास का खाका तैयार किया जाएगा।

हजारीबाग पुलिस का विशेष अभियानः 73 ठिकानों पर छापेमारी, 23 अपराधी गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर हजारीबाग पुलिस ने 12/13 जून की रात जिले में एक विशेष समकालीन छापामारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई विभिन्न मामलों में फरार चल रहे अपराधियों, वारंटियों और अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए की गई थी। सभी पुलिस उपाधीक्षकों और पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में थाना प्रभारियों द्वारा कुल 31 टीमें बनाई गईं। इस विशेष कार्रवाई में लगभग 123 पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। टीमों ने वांछित अपराधियों के करीब 73 ठिकानों पर छापेमारी कर कुल 23 अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इसके साथ ही पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि उनके इलाके में कोई भी फरार अपराधी या संदिग्ध नजर आए, तो उसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाने को दें ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके।

नाबालिग लड़की को शादी की नियत से भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार, अपहृता बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।मयूरहण्ड थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर शादी की नियत से भगाने के मामले में अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया है तथा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 27 मई 2026 को निरज राणा (45 वर्ष), पिता स्व. बालकी राणा, निवासी सदाफर, थाना मयूरहण्ड, जिला चतरा ने थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री को अवधेश कुमार (25 वर्ष), पिता स्व. तपेश्वर राणा, निवासी रसोई धमना, थाना बरही, जिला हजारीबाग के बहला-फुसलाकर शादी की नियत से भगा ले गया है। मयूरहण्ड थाना कांड संख्या 36/26, दिनांक 27.05.2026, धारा 96 बीएनएस-2023 एवं 8/12 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी अवधेश कुमार अपहृता के साथ रिम्स अस्पताल, रांची में अपनी बीमार मां कविता देवी को देखने आया है, जिनका इलाज चल रहा है। सूचना के सत्यापन एवं त्वरित कार्रवाई के लिए मयूरहण्ड थाना पुलिस ने रिम्स अस्पताल के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के दूसरे तल स्थित पुरुष वार्ड में छापेमारी कर आरोपी एवं अपहृता को अस्पताल परिसर से गिरफ्तार किया गया। छापामारी दल में मयूरहण्ड थाना प्रभारी राहुल दूबे, एसआई कुशो महतो, चांदनी कुमारी सहित मयूरहण्ड थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

हजारीबाग में मॉडल सोलर ग्राम चयन की प्रक्रिया आरम्भ उपायुक्त ने की बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग।उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत जिले में मॉडल सोलर ग्राम के चयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस योजना का मुख्य उद्देश्य जिले में एक ऐसा आदर्श गांव विकसित करना है, जहां सौर ऊर्जा का व्यापक उपयोग हो सके। योजना और चयन की मुख्य बातें जिला स्तरीय समिति द्वारा उन गांवों के चयन पर विचार किया गया जिनकी आबादी 5,000 या उससे अधिक है। जिन प्रखंडों में इतनी आबादी का गांव नहीं है, वहां के सर्वाधिक आबादी वाले गांव को शामिल किया जाएगा। प्रतिस्पर्धा और मूल्यांकनः चयनित संभावित गांवों के बीच 6 महीने की प्रतिस्पर्धा होगी। इस दौरान 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' और 'पीएम-कुसुम योजना' जैसी सौर ऊर्जा परियोजनाओं के अधिकतम क्रियान्वयन और जनभागीदारी के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले गांव को 'मॉडल सोलर ग्राम' घोषित किया जाएगा। जिला प्रशासन को कटकमदाग, टाटीझरिया, सदर, पदमा, डाड़ी, इचाक, चलकुशा, बरही, चौपारण, बरकट्ठा, केरेडारी, चुरचू, बड़कागांव, विष्णुगढ़ और दारू प्रखंडों से संभावित गांवों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बैठक में उप विकास आयुक्त रिया सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, प्रशिक्षु आईएएस भावना अग्रवाल और बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आजादी के 78 साल बाद भी सड़क को तरसे लोग, ग्रामीणों ने चंदे और श्रमदान से बनाई 1 किमी राह

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।हंटरगंज प्रखंड के अंतर्गत तरवागड़ा गांव में विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच झारखंड के चतरा जिले से प्रशासनिक लापरवाही की एक बड़ी तस्वीर सामने आई है। यहां आजादी के 78 साल बाद भी पक्की सड़क न बनने से नाराज ग्रामीणों ने नेताओं के भरोसे बैठने के बजाय खुद ही कमान संभाल ली। ग्रामीणों ने आपस में चंदा इकट्ठा किया और कड़े श्रमदान के जरिए करीब 1 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कर डाला। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि सड़क न होने से बारिश के दिनों में गांव में बाढ़ जैसे हालात हो जाते थे। पूरा रास्ता कीचड़ में तब्दील होने के कारण मरीजों के लिए एम्बुलेंस तक गांव नहीं आ पाती थी। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर स्थानीय विधायक एवं सांसद कालीचरण सिंह तक कई बार गुहार लगाई, लेकिन हर बार सिर्फ खोखले आश्वासन ही मिले। थक-हारकर गांव की महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने खुद ही कुदाल-फावड़ा उठा लिया और कीचड़ भरे रास्ते को चलने लायक बनाया। इस मामले पर चतरा के स्थानीय विधायक जनार्दन पासवान ने सफाई देते हुए कहा कि मामला अब उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने माना कि बारिश के दिनों में वहां स्थिति काफी खराब हो जाती है। विधायक ने दावा किया कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है और जल्द ही इस सड़क के स्थायी पक्कीकरण की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। बहरहाल, ग्रामीणों का यह सामूहिक प्रयास जहां मिसाल बना हुआ है, वहीं स्थानीय सिस्टम पर गंभीर सवाल भी खड़े कर रहा है।

राय स्टेशन पर जम्मू तवी-टाटानगर एक्सप्रेस के ठहराव बहाली की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।बरवाडीह-बरकाकाना रेलखंड स्थित राय रेलवे स्टेशन पर जम्मू तवी-टाटानगर एक्सप्रेस (18101/18102) के ठहराव को पुनः बहाल कराने की मांग को लेकर सांसद प्रतिनिधि दिलीप कुमार अंबष्ट ने चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह को आवेदन सौंपा है। आवेदन में राय स्टेशन सहित आसपास के ग्रामीण एवं कोयलांचल क्षेत्र के हजारों यात्रियों की सुविधा को देखते हुए ट्रेन का ठहराव शीघ्र बहाल करने की मांग की गई है। आवेदन में कहा गया है कि कोरोना काल से पहले राय रेलवे स्टेशन पर जम्मू तवी-टाटानगर एक्सप्रेस का नियमित ठहराव होता था। इससे टंडवा, पिपरवार, केरेडारी, सिमरिया तथा आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को लंबी दूरी की यात्रा में काफी सुविधा मिलती थी। हालांकि कोरोना काल में बंद किए गए इस ठहराव को अब तक पुनः शुरू नहीं किया गया है, जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि राय रेलवे स्टेशन पर उक्त ट्रेन के ठहराव की मांग पूरी तरह जनहित से जुड़ी हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगामी 10 जुलाई को रेलवे बोर्ड की बैठक में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा तथा राय स्टेशन पर जम्मू तवी-टाटानगर एक्सप्रेस के ठहराव को सुनिश्चित कराने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। सांसद के इस आश्वासन से क्षेत्र के लोगों में उम्मीद जगी है कि लंबे समय से लंबित यह मांग जल्द पूरी हो सकेगी। स्थानीय लोगों ने सांसद एवं उनके प्रतिनिधि के प्रयासों की सराहना करते हुए रेलवे मंत्रालय से सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई है।

इटखोरी स्थित प्रज्ञा पीठ धुना में गायत्री परिवार द्वारा,विश्व कल्याण के लिए हवन पूजन का हुआ आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी। धुना प्रज्ञा पीठ (गायत्री परिवार) मे विश्व शांति और कल्याण के लिए विशेष हवन पूजन का आयोजन किया गया। यह हवन पूजन सह गोष्ठी कार्यक्रम जयकुमार तिवारी के द्वारा किया गया । गोष्ठी के दौरान विचारों के आदान-प्रदान के साथ-साथ, पूरी वैदिक विधि-विधान और औषधि-युक्त जड़ी-बूटियों से यज्ञ/हवन किया गया । गायत्री परिवार के सदस्यों ने कहा कि साप्ताहिक गोष्ठी और हवन पूजन कार्यक्रम का मुख्य रूप उद्देश्य विश्व में अमन-चैन, शांति व्यवस्था और मानव कल्याण की कामना के लिए 108 आहुतियां सामूहिक रूप से प्रदान की जाती हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जय कुमार तिवारी, पेमन दांगी, बसंत प्रसाद ,लखन दांगी, भिखू दांगी ,मुख्य यजमान के रूप में संतोष कुमार सिंह ,प्रीति देवी ,शिवनंदन प्रसाद ,गुड़िया देवी, रूपा देवी, लीला देवी एवं मीना देवी भी शामिल थी ।

पिंडारकुन में नशा मुक्ति अभियान, ग्रामीणों ने लिया नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

गिद्धौर (चतरा)। थाना क्षेत्र के पिंडारकुन गांव में सोमवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। इस दौरान थाना प्रभारी ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज के लिए गंभीर खतरा है। नशे की लत से अपराध, घरेलू कलह और आर्थिक समस्याएं बढ़ती हैं। उन्होंने ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं से नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को नशा न करने, नशीले पदार्थों के सेवन का विरोध करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। साथ ही अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री और सेवन की सूचना पुलिस को देने का भी आग्रह किया गया। ग्रामीणों ने अभियान का समर्थन करते हुए गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान आगे भी लगातार चलाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सौरभ गर्ग बने थानेसर विधानसभा अध्यक्ष

कुरुक्षेत्र।अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा ने थानेसर विधानसभा इकाई का गठन किया है। प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला एवं प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला के मार्गदर्शन में गठित नई टीम में सौरभ गर्ग को विधानसभा अध्यक्ष, विंकल गुप्ता को महासचिव तथा साहिल गर्ग को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नई टीम संगठन को मजबूत करने, समाज सेवा, शिक्षा एवं सामाजिक एकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने कहा कि संगठन विस्तार से समाज को नई ऊर्जा मिलेगी और जनहित के कार्यों को गति मिलेगी। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए समाज हित एवं संगठन की मजबूती के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सोमवती अमावस्या पर विशाल भंडारा, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

कुरुक्षेत्र। अधिक मास की पावन सोमवती अमावस्या पर धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर में श्री ओम प्रकाश एवं श्रीमती अंगूरी देवी के आशीर्वाद और सान्निध्य में उनके पौत्र जतिन गुप्ता, अंकित जिंदल और रवि सैनी द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजकों ने बताया कि उन्हें अपने दादा-दादी से धर्म, सेवा, संस्कार और परोपकार की प्रेरणा मिली है, जिसके चलते वे समय-समय पर धार्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्य करते हैं। सोमवती अमावस्या पर ब्रह्मसरोवर में स्नान और पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए बैठने, पेयजल, स्वच्छता और प्रसाद वितरण की बेहतर व्यवस्था की गई। इस अवसर पर ओम प्रकाश एवं अंगूरी देवी ने अपने पौत्रों को धर्म, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलते रहने का आशीर्वाद दिया। श्रद्धालुओं ने भी आयोजन की व्यवस्था और युवाओं की सेवा भावना की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

कल्याण बिगहा पुलिस ने लापता किशोरी को किया बरामद , कोर्ट में दी व्यान

हरनौत।कल्याण बिगहा थाना पुलिस ने नौ दिन से लापता एक किशोरी को हरनौत बाजार से बरामद कर कोर्ट में सोमवार को किया है। युवती की गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज होने के पांच दिन बाद यह सफलता मिली थी। जानकारी के अनुसार, कल्याण बिगहा थाना क्षेत्र के एक गांव से बीते 5 जून को एक किशोरी लापता हो गई थी। किशोर के पिता ने टाड़ापर गांव निवासी विनोधी बिंद के पुत्र इंद्रजीत कुमार समेत अन्य पर ले जाने का आरोप लगाया था। पिता ने आरोप लगाया था कि घर में शादी के लिए रखे दो लाख रुपये के लालच में किशोरी को नगद राशि सहित भगा ले जाया गया। किशोरी के बारे में तब पता चला जब उसने 9 जून को एक मोबाइल नंबर से अपने दादा के मोबाइल पर रोते हुए फोन किया था।थानाध्यक्ष निशा भारती ने बताया कि किशोरी को हरनौत बाजार से बरामद कर बिहारशरीफ स्थित सिविल कोर्ट में व्यान दर्ज कि मेरी अपहरण नहीं किया गया था।हमें बढ़िया जगह पर शादी नहीं कर रहे थे इसलिए वैसा किया।

23 जून को प्रखंड मुख्यालय परिसर में किसान कार्यशाला सह प्रशिक्षण

शारदीय महाअभियान के तहत किसानों को प्रशिक्षण

हरनौत।खरीफ मौसम की तैयारियों को लेकर कृषि विभाग द्वारा संचालित शारदीय (खरीफ) महाअभियान-2026 के तहत आगामी 23 जून को हरनौत प्रखंड मुख्यालय परिसर में किसान कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम पूर्वाह्न 10 बजे से शुरू होगा। कृषि विभाग के अनुसार कार्यशाला में किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों, बीज प्रबंधन तथा सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही किसानों के बीच कृषि आदान एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों का वितरण भी किया जाएगा। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ब्रजकिशोर चरण ने क्षेत्र से सभी जनप्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने BIS-ER प्रमाणित स्मार्ट सुरक्षा कैमरों की नई श्रृंखला लॉन्च की

पटना।सुरक्षा समाधानों के क्षेत्र में भारत की अग्रणी कंपनी, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप (GEG) का सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिजनेस, वाई-फाई और 4G-सक्षम सर्विलांस (निगरानी) कैमरों के अपने नए पोर्टफोलियो के लॉन्च के साथ ग्राहक-केंद्रित, कनेक्टेड सुरक्षा अनुभव प्रदान करने पर अपना ध्यान और मजबूत कर रहा है। यह विस्तार भारत के तेजी से विकसित हो रहे संगठित निगरानी (सर्विलांस) बाजार में कंपनी की अगली विकास यात्रा का हिस्सा है, जिसमें नवाचार, डिज़ाइन और एकीकृत सुरक्षा अनुभवों पर विशेष जोर दिया गया है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के बिजनेस हेड (सिक्योरिटी सॉल्यूशंस) पुष्कर गोखले ने कहा, "भारत में सीसीटीवी सर्विलांस श्रेणी एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और आने वाले वर्षों में इसका बाजार 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का होने का अनुमान है। ग्राहकों की अपेक्षाएं तेजी से बदल रही हैं और वे अब ऐसे समाधान चाहते हैं जो सहज, भरोसेमंद और सुरक्षित हों। गोडरेज में हम सुरक्षा को केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि एक ऐसे समग्र अनुभव के रूप में देखते हैं जो सुविधा, नियंत्रण और मानसिक सुकून प्रदान करता है।

अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू महासंघ भारत का छठा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

आगरा।अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू महासंघ भारत संगठन का छठा स्थापना दिवस रविवार को संजय प्लेस स्थित यूथ हॉस्टल में उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ता सम्मान समारोह, विचार गोष्ठी तथा संगठन विस्तार की घोषणाओं के साथ संगठन की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय संयोजक एवं प्रदेश अध्यक्ष सुमित कटियार, प्रदेश महामंत्री गोपाल सिंह चाहर, डॉ. सुरेन्द्र भगौर, इन्द्रजीत आर्य तथा पूर्व महापौर दीपक खरे सहित अन्य अतिथियों ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर सुमित कटियार ने कहा कि संगठन का उद्देश्य सभी सनातनियों को एकता के सूत्र में बांधकर सामाजिक भेदभाव को समाप्त करना और राष्ट्रहित में संगठित शक्ति का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न मंडलों में भी स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. सुरेन्द्र भगौर ने अनुशासित और संस्कारित कार्यकर्ताओं को समाज एवं राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति बताया। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक जागरूकता को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रदेश महामंत्री गोपाल सिंह चाहर ने देश की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक चुनौतियों और संगठन की भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने राष्ट्रहित एवं सामाजिक समरसता के लिए संगठित प्रयासों की आवश्यकता बताई। इस दौरान संगठन के विस्तार के तहत कई नई नियुक्तियों की घोषणा की गई। राजीव चौहान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदेश, दीपक जैन को महानगर प्रभारी, विनोद गौतम को महानगर अध्यक्ष, गोपाल सूर्यवंशी को मंडल महामंत्री, विजय गुप्ता को मंडल मंत्री, नितिन गोस्वामी को प्रदेश मंत्री, हर्ष कटियार को महानगर अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, रवि व्यास को जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ तथा जल सिंह परिहार एडवोकेट को जिलाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ सहित विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया। समारोह में संगठन की ओर से सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक संरक्षण से जुड़े कई प्रस्ताव भी पारित किए गए। कार्यक्रम में विमल प्रजापति, अर्जुन ग्रिज, दिनेश कुशवाह, रोनक दीक्षित, अनुराग शर्मा, ओम शर्मा, विकास कुमार समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समाजसेवी उपस्थित रहे। स्थापना दिवस समारोह ने संगठन की बढ़ती सक्रियता, कार्यकर्ताओं के समर्पण तथा सनातन समाज की एकता के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान की।

आवाह्न पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर पहुँचे मां तारापीठ

नई सोच एक्सप्रेस

» बृक्षारोपण के साथ दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पश्चिम बंगाल।आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 अनन्त श्री विभूषित अवधूत बाबा अरूण गिरी जी महाराज (एन्वायरमेंट बाबा), तुलसी माता ऋषिकेश - उत्तराखंड, आनन्द गुरुजी - नील सरस्वती आश्रम - तारापीठ, डी. एल. शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष - न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ललित गुप्ता मनोहरथाना, ध्रुबो शाह क्षेत्रिय विधायक - रामपुरहाट, आचार्य विवेक भूषण ज्योतिषाचार्य, आचार्य कृष्णकांत, आचार्य आकाश रावत, भारत सिंह नायक, सहित मां तारापीठ, प. बंगाल में दर्शन एवं पूजन किया। इसके बाद नील सरस्वती आश्रम - मां तारापीठ प. बंगाल में तुलसी माता की माताजी की चौथी पुण्यतिथि पर वृक्षारोपण किया जिसमें 11 प्रकार के वृक्ष पीपल, बरगद, नीम, रुद्राक्ष, शमी, आम, जामुन, आमला, बड़ा नींबू, कमलगट्टा, चम्पा लगाकर समाज को संदेश दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में दो वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए तुलसी माता ने कहा कि आओ हम सब पेड़ लगाएं। धरती मां को स्वर्ग बनाएं।।

हीरो राजन कुमार को मिला 'बिहार प्रतिभा सम्मान 2026'

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली। चर्चित अभिनेता, निर्माता एवं परफॉर्मिंग आर्टिस्ट हीरो राजन कुमार को कला क्षेत्र में बिहार का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने के लिए 'बिहार प्रतिभा सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब (स्पीकर हॉल) में आयोजित समारोह में केंद्रीय मंत्री राजभूषण निषाद और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। 'वॉयस ऑफ बिहार' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजन कुमार ने चार्ली चैप्लिन द्वितीय के रूप में प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनोरंजन किया। हाल ही में चीन और हॉन्गकॉन्ग यात्रा से लौटे राजन कुमार ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी कला के माध्यम से बिहार की पहचान को नई ऊंचाई दी है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक राजन कुमार ने सम्मान के लिए आयोजकों, केंद्रीय मंत्री राजभूषण निषाद और सांसद उपेंद्र कुशवाहा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार से जुड़ा कोई भी सम्मान उनके लिए विशेष महत्व रखता है। समारोह में सिविल सेवा, कला, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले बिहार के प्रतिभाशाली लोगों को भी सम्मानित किया गया। राजन कुमार को सम्मान मिलने पर उनके प्रशंसकों और समर्थकों में खुशी का माहौल है।

हरियाणा महिला विकास निगम की व्यक्तिगत ऋण स्कीम के लिए 74 केसों का रखा लक्ष्य : विश्राम कुमार मीणा

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र।उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा चलाई जा रही व्यक्तिगत ऋण स्कीम की वर्ष 2026-27 के लिए 74 केसों का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में जिन महिलाओं की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से अधिक न हो तथा उसके परिवार का कोई सदस्य आयकर दाता न हो। इनमें 24 अन्य श्रेणी व 50 अनुसूचित जाति के केस शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन योजना के अंतर्गत 1.50 लाख रुपये का आवेदन कर सकती है। इस पर निगम द्वारा 25 प्रतिशत में अधिकतम 10,000 रुपये अन्य श्रेणी व 25,000 रुपये अनुसूचित जाति को अनुदान राशि दी जाती है। इसी तरह 10 प्रतिशत लाभार्थी को स्वयं वहन करना पड़ता है, शेष राशि की व्यवस्था राष्ट्रीयकृत / सहकारी बैंकों से करवाई जाती है। विभिन्न क्रियाकलापों के लिए जैसे की सिलाई, कढ़ाई, करियाना, मनियारी, रेडीमेड गारमेंट्स, कपड़े की दुकान, स्टेशनरी, बुटीक व जनरल स्टोर इत्यादि ऋण शहरी/ग्रामीण पात्रों के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि कोई भी नागरिक इस योजना की अधिक जानकारी के लिए निगम के जिला कार्यालय हरियाणा महिला विकास निगम, कोठी न0 465/5,मदानो वाली गली कुरुक्षेत्र फोन नंबर 01744-223658 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

वाराणसी में सात दिवसीय शौर्य प्रशिक्षण शिविर संपन्न, 193 युवक-युवतियों ने लिया भाग

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित सात दिवसीय 'शौर्य प्रशिक्षण शिविर' का समापन उत्साहपूर्ण एवं शौर्यपूर्ण वातावरण में हुआ। शिविर का आयोजन आदर्श श्री कमलाकर चौबे आदर्श सेवा इंटर कॉलेज तथा बड़ागांव स्थित शिवपुरी वाटिका में किया गया। समिति के अनुसार वर्तमान समय में त्योहारों और विशेष अवसरों पर बढ़ती हिंसक घटनाओं तथा युवतियों के साथ होने वाले अपराधों को देखते हुए युवाओं को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 193 युवक-युवतियों ने भाग लिया। सातों दिन प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 97 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही प्रतिभागियों के लिए साप्ताहिक स्वरक्षा प्रशिक्षण वर्ग शुरू करने की घोषणा की गई। शिविर में शामिल 17 युवक-युवतियों ने प्रशिक्षक के रूप में दायित्व निभाने की इच्छा जताई। प्रतिभागियों ने बताया कि प्रशिक्षण से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब विभिन्न परिस्थितियों का सामना करने के लिए अधिक तैयार महसूस कर रहे हैं। उनका कहना था कि शिविर में प्राप्त प्रशिक्षण से वे स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ दूसरों की सहायता भी कर सकेंगे। शिविर के दौरान स्वरक्षा प्रशिक्षण के अलावा शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक तथा राष्ट्र एवं धर्म से जुड़े विषयों पर भी जानकारी दी गई। प्रतिभागी रविंद्र पटेल ने नियमित साप्ताहिक प्रशिक्षण वर्ग संचालित करने की मांग की, जबकि हिमांशु मौर्य ने कहा कि शिविर में सीखी गई बातों का वे प्रतिदिन अभ्यास करेंगे और अन्य लोगों को भी प्रशिक्षण देने का प्रयास करेंगे। आयोजकों के अनुसार कुछ अभिभावक अपने बच्चों को शिविर में छोड़ने के लिए आए थे, लेकिन प्रशिक्षण की गतिविधियां देखकर वे स्वयं भी प्रेरित हुए और सात दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल हुए। समिति ने शिविर के सफल आयोजन में वाराणसी के नागरिकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

बंगीय हिंदी परिषद में मासिक काव्य गोष्ठी 'कविकल्प' आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

कोलकाता। बंगीय हिंदी परिषद में मासिक काव्य गोष्ठी 'कविकल्प' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि चंद्रिका प्रसाद पांडेय 'अनुरागी' ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में ब्रजेश कुमार त्रिपाठी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में दयाशंकर मिश्र और कृष्ण कुमार दूबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ शिप्रा मिश्रा द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। परिषद की उपमंत्री पुष्पा मिश्रा ने स्वागत भाषण देते हुए परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यक्षीय संबोधन में चंद्रिका प्रसाद पांडेय 'अनुरागी' ने कवियों की रचनाओं की सराहना करते हुए कहा कि कविता मन को स्वच्छ और संवेदनशील बनाती है। गोष्ठी में कमल पुरोहित, अय्युब वारसी कोलकतवी, ज़ोया अहमद, सेराज ख़ान 'बातिश', जीवन सिंह, रोहन साह, सुधीर राय सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप कुमार धानुक ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन परिषद के उपाध्यक्ष राम पुकार सिंह 'गाजीपुरी' ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्यकार एवं काव्य प्रेमी उपस्थित रहे।

लाल सिंह आर्य बोले मेरा जीवन गरीब दबे कुचले अनुसूचित जाति समाज के लोगों को समर्पित

नई सोच एक्सप्रेस

» लाल सिंह आर्य का जन्मदिन धूमधाम ढोल नगाड़ा के सादगी साथ मनाया गया

नई दिल्ली।देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी के पद चिन्हों पर चलकर देश के दबे कुचले अनुसूचित जाति समाज के लिए राज्य राज्य भिन्न क्षेत्रों में आदिवासी क्षेत्रों में जाकर जमीनी तौर पर काम करने वाले अनुसूचित जाति समाज के सबसे चाहते भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य का आज जन्मदिन और शादी के साथ बड़ी धूमधाम से मनाया गया इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा मेरा संपूर्ण जीवन अनुसूचित जाति समाज के लोगों की सेवा के लिए समर्पित है हमेशा में देश के कोने कोने में जाकर अपने अनुसूचित जाति समाज के वर्ग के लोगों के लिए दिन-रात कार्य कर रहा हूं मैं मोदी जी का सिपाही हूं जिस प्रकार हमारे गौरवशाली प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी जनता जनार्दन के लिए कार्य कर रहे हैं उसी प्रकार में अपने अनुसूचित जाति समाज के लोगों के लिए दिन-रात बढ़ चढ़कर के कार्य कर रहा हूं अनुसूचित जाति समाज के लोगों के लिए न्याय में इंसाफ की लड़ाई लंबे समय से में लड़ता चला रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा आज उनका प्यार वेशन है ने मुझे जो ऊर्जा प्रदान की है अपने समाज के लोगों का मैं कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं इस मौके पर दिल्ली प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा, अधिवक्ता लाजपत राय, कार्यालय मंत्री सुमेश लिलोठिया, अधिवक्ता जगदीप गौतम, शिवाजी टॉक, रिपु दमन, लीला बहन, गुरुजी राजू चंदेल भूपेंद्र किराड, गौरव असोलिया शशि वाल्मीकि, संजय वाल्मीकि,सहित गण मान्य व्यक्ति उपस्थित थे

खरूआरा और सेवदह में आज सहयोग शिविर

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत।प्रखंड में सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए विशेष सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रखंड प्रशासन द्वारा मंगलवार यानी 16 जून को चेरो और डिहरी पंचायत में इन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। बीडीओ डॉ पंकज कुमार,सीओ पुजा कुमारी सहित अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी सोमवार को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। भीषण गर्मी को देखते हुए टेंट भी लगाया गया है। उन्होंने कर्मियों से विभिन्न जानकारियां ली।उधर संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि खरूआरा गांव स्थित पंचायत भवन में सुबह दस बजे से और सेवदह गांव स्थित बुनियादी विद्यालय में दोपहर दो बजे से शिविर लगेंगे। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। बिहार शरीफ नगर निगम के नगर आयुक्त सह शिविर के नोडल पदाधिकारी भी शिविर में भाग लेंगे। वे लोगों की समस्याओं को सुनेंगे और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। शिविर के माध्यम से आम लोगों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।ग्रामीणों को अब किसी भी समस्या या योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रखंड कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्हें पंचायत स्तर पर ही सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

रसोई में इन पौधों को लगाएं, नहीं पड़ेगी धूप की जरूरत

आप घर के किसी भी हिस्से में पौधे लगा सकते हैं। कुछ पौधे ऐसे भी हैं, जिन्हें सूरज की रोशनी की जरूरत नहीं पड़ती है और आप उन्हें घर के अंदर भी लगा सकते हैं।

घर को सजाने की बात हो या हवादार बनाने की, पौधें लगाना बहुत अच्छा विकल्प है। हालांकि, बहुत बार लोग घर के बाहर तो पौधे लगा लेते हैं, लेकिन अंदर नहीं। दरअसल हमें लगता है कि घर के अंदर सूरज की रोशनी नहीं आएगी, जिससे पौधे मर जाएंगे। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं, तो आप गलत है। इस आर्टिकल में जानें कि आप घर की रसोई में किन पौधों को लगा सकते हैं।

घर की रसोई में लगाएं एग्लोनिमा प्लांट

एग्लोनिमा प्लांट को आप अपनी रसोई में आसानी से लगा सकते हैं। इस पौधे को चीनी सदाबहार पौधे के नाम से भी जाना जाता है। खास बात यह है कि इस पौधे को ज्यादा देखभाल की जरूरत नहीं होती है। ऐसे में आप इसे आसानी से घर की रसोई में या किसी भी हिस्से में उगा सकते हैं।

पीस लिली पौधा कहां लगाएं?

पीस लिली पौधा सबसे अच्छे इनडोर फूलों वाले पौधों में से एक माना जाता है। इस पौधे को भी सूरज की रोशनी नहीं चाहिए होती है। पीस लिली पौधा वायु शुद्ध करने वाला भी होता है। ऐसे में आप इसे घर के किसी भी कोने में लगा सकते हैं। बस इस बात का ध्यान रखें कि आप इसे धूप से दूर रखें। इस पौधे पर जैसे ही धूप पड़ती है, वो मुरझा जाता है।

लकी बैम्बू प्लांट

कहा जाता है कि लकी बैम्बू प्लांट घर में सौभाग्य लाता है। इस पौधे को आप रसोई के माइक्रोवेव या फ्रिज के ऊपर, शो पीस की भी तरह सजा कर सकते हैं। पौधे को लंबा चलाने के लिए बस समय-समय पर उसमें पानी डालते रहें।

घर की रसोई में लगाएं मनी प्लांट

इन सभी पौधों के अलावा आप घर की रसोई में मनी प्लांट भी लगा सकते हैं। मनी प्लांट को आप पानी और मिट्टी दोनों में उगा सकते हैं।

ऑनलाइन पेमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए ये टिप्स जरूर फॉलो करें

ऑनलाइन पेमेंट्स के इतने बढ़ने के कारण डिजिटल थेफ्ट और गलत जगह पर ऑनलाइन पेमेंट करने की समस्या भी बढ़ गई है। ऐसे में क्यों ना कुछ टिप्स को अपनाया जाए जिससे आप ऑनलाइन पेमेंट्स को सुरक्षित बना सकते हैं।

जब से नोटबंदी हुई है उसके बाद से ही भारत में ऑनलाइन पेमेंट्स का बोलबाला हो गया है। उसके पहले तक जहां लगभग 80व्र चीज़ें कैश चलती थीं वहीं अब कई सारे यूपीआई ऐप्स, पेमेंट वॉलेट और कैशलेस ऑप्शन आ गए हैं। वैसे तो हर रोज़ लगभग लाखों का लेन-देन होता है और इस कारण से गलती होने की गुंजाइश भी बहुत होती है। कई बार तो बस एक नंबर या फिर एक छोटे से लेटर की गलती के कारण हजारों का नुकसान हो जाता है। पिछले कुछ समय में ऑनलाइन पेमेंट्स को लेकर 55 प्रतिशत तक की ग्रोथ आई है। अब तो जहां स्मार्टफोन्स हैं वहां पर ऑनलाइन पेमेंट भी हो रही है। ऑनलाइन पेमेंट्स के इतने बढ़ने के कारण डिजिटल थेफ्ट और गलत जगह पर ऑनलाइन पेमेंट करने की समस्या भी बढ़ गई है। ऐसे में क्यों ना कुछ टिप्स को अपनाया जाए जिससे आप ऑनलाइन पेमेंट्स को सुरक्षित बना सकते हैं।

ऑनलाइन पेमेंट किसी एक सुरक्षित डिवाइस से ही करें

आपको हमेशा ऑनलाइन पेमेंट करते समय ये ध्यान रखता है कि आप अपना यूपीआई आईडी अलग-अलग डिवाइसेस में ना डालें। इस तरह से आप अपने ऑनलाइन पेमेंट्स को कुछ हद तक सुरक्षित बना सकते हैं।

एक ही पासवर्ड और आईडी ना रखें

अधिकतर लोग ये समझते हैं कि एक ही तरह के आईडी और पासवर्ड रखना ठीक होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। इससे आपके सारे अकाउंट्स एक साथ हैक होने का खतरा होता है। ध्यान रखें कि यूपीआई आईडी और पासवर्ड सभी अलग-अलग होने चाहिए।

ई-कॉमर्स वेबसाइट्स में सेव करने से बचें

एक-दो साइट्स में तो फिर भी ठीक है, लेकिन कई बार लोग किसी भी साइट में अपने कार्ड डिटेल्स बिना सोचे समझे डाल देते हैं। ये बहुत ही अजीब बात है कि आप पहली बार किसी साइट पर जा रहे हैं और फिर भी अपनी ऑनलाइन पेमेंट से जुड़ी डिटेल्स डाल रहे हैं। जिन साइट्स को रेगुलर यूज करते हैं उनके अलावा आपको ऐसा किसी साइट के लिए नहीं करना चाहिए।

टेम्परेरी क्रेडिट कार्ड का करें इस्तेमाल

कुछ क्रेडिट कार्ड कंपनी इस तरह के टेम्परेरी क्रेडिट कार्ड्स देती हैं जो सिर्फ वन टाइम पर्चेज के लिए होते हैं। इन कार्ड्स का काम ही ये होता है कि इनसे रेगुलर पेमेंट्स नहीं की जा सके। इसके अलावा, अगर आप परमानेंट क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करना चाहती हैं तो ऐसे क्रेडिट कार्ड्स चुनें जिनकी लिमिट लो हो।

पब्लिक वाई-वाई सबसे बड़ा खतरा है

एक चीज़ बहुत ध्यान से समझें। पब्लिक वाई-फाई का इस्तेमाल करना और ऑनलाइन पेमेंट करना हैकर्स को दावत देना है। अगर आप पब्लिक वाई-फाई यूज भी कर रहे हैं तो भी पेमेंट करते समय अपने मोबाइल का डाटा यूज करें।

फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन से जुड़े ये डिटेल्स ध्यान रखने चाहिए।

दो बार चेक करें यूपीआई आईडी

एक और बात जिसका ध्यान आपको रखना चाहिए वो ये है कि अगर आप किसी को यूपीआई पेमेंट कर रहे हैं तो आप दो बार आईडी को जरूर चेक करें। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आपने इसे गलत कर दिया तो पैसे वापस आना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। किसी भी बड़ी पेमेंट को करने से पहले आप छोटा अमाउंट भेजकर देखें। अधिकतर लोग इसी जल्दबाजी में अपना नुकसान करवा बैठते हैं।

अपना सीवीवी किसी के साथ शेयर ना करें

आपको ये ध्यान रखना है कि अगर आप ऑनलाइन पेमेंट कर रहे हैं तो ऐसी डिटेल्स जो सिर्फ आपके कार्ड में मौजूद होती है वो सुरक्षित रखनी चाहिए। जैसे आपके कार्ड का सीवीवी किसी के साथ शेयर ना करें।

पेपर बैग फेंकने की बजाय बनाएं ये चीजें

पेपर बैग पर आसानी से कस्टम डिजाइन, लोगो और ब्रांडिंग की जा सकती है। इससे आप बच्चों की खेलने की चीजें बनाने के साथ-साथ उनके लिए डेकोरेटिव आइटम्स भी बना सकते हैं।

प्लास्टिक बैग की तुलना में पेपर बैग मिट्टी में आसानी से मिल जाते हैं। यह वातावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते। आप चाहे, तो इसे खुद ट्राइ भी कर सकते हैं। अगर आप एक प्लास्टिक की थैली को गार्डन में पत्थर के नीचे रखते हैं और वहीं उसके साइड में पेपर को पत्थर के नीचे रखते हैं। बारिश होने के बाद जब आप दोनों को देखने जाएंगे, तो प्लास्टिक वैसे का वैसे ही होगा। लेकिन पेपर का हाल खराब हो गया होगा। अगर आप उसे अपने हाथों या पैरों से मिट्टी पर रगड़ेंगे, तो वह पूरी तरह से मिट्टी में मिल जाएगा। लेकिन प्लास्टिक के साथ ऐसा नहीं होगा। इसलिए पेपर बैग का इस्तेमाल अब लोग ज्यादा करने लगे हैं। अगर आप इन पेपर बैग्स को फेंकना नहीं चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके काम आएगा। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पेपर बैग से कुछ ऐसी चीज बना सकते हैं, जो बच्चों को पसंद आएगा।

पेपर बैग पपेट्स

बच्चे हर दिन नए-नए खिलौनों की जिद करते हैं। लेकिन बजट अच्छा नहीं होने की वजह से बच्चों की हर जिद पूरी नहीं की जा सकती। अगर आपके बच्चे छोटे हैं, तो आप अपने बच्चों के लिए घर पर ही पेपर बैग से चीजें बना सकते हैं। आप घर पर ही इससे पपेट्स बना सकते हैं। बच्चों को यह बहुत पसंद आएगा।

- इसके लिए आपको कलरफुल पेपर, गोंद, अलग-अलग रंग के मार्कर और कटआउट्स चाहिए होंगे।
- आप कटआउट्स की जगह आंखें और मुंह बनाने के लिए बटन का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- इसके लिए आप सबसे पहले पेपर बैग को उल्टा करके एक पपेट के रूप में तैयार करें।
- आप इसमें भालू, टेडी बियर या डॉल का डिजाइन बना सकते हैं।
- इसके बाद आप इसकी कटिंग करके रंगीन पेपर, गोंद, और मार्कर का उपयोग करके सजा लें।
- इसमें बच्चे अपनी पसंदीदा चीजें संभालकर रखेंगे। इसके अलावा आप इसे अपनी अलमारी में सजाकर भी रख सकते हैं।

पेपर बैग से बच्चों के लिए कलर बुक तैयार करें

- अगर बच्चे छोटे हैं, तो आप उनके लिए कलर बुक तैयार कर सकते हैं।
- पेपर बैग को छोटे टुकड़ों में काटें और इन्हें बुकमार्क्स के आकार में बनाएं।
- आप इसे अलग-अलग आकार में भी काट सकते हैं।
- जैसे आप गोल या त्रिभुज आकार बनाएं, इसके बाद इसे अलग-अलग रंग कर दें।
- बच्चों को अगर कलर समझने में परेशानी होती है, तो खेल-खेल में वह सीख जाएंगे।
- इसे आप अकेले न बनाएं। आप बच्चों की मदद से इसे बनाएं।

दोस्तों के साथ समय बिताने से होते हैं सेहत को कई फायदे

ज़िंदगी में दोस्ती का होना अपने आप में एक सुकून है। एक ऐसा इंसान जीवन में होता है जिससे आप खुलकर बात कर सकते हैं या जिसके साथ हंस सकते हैं। दोस्ती का फ़ायदा केवल यहीं तक सीमित नहीं है। यह रिश्ता हमें शारीरिक और मानसिक रूप से भी अच्छा महसूस कराता है।

संतुष्टि महसूस होती है

शोध बताता है कि दोस्त होने से जीवन में संतुष्टि महसूस होती है। यह आपको दूसरों पर भरोसा करने और सकारात्मक दृष्टिकोण रखने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे जीवन का आनंद लेने की संभावना बेहतर होती है। दोस्तों से मुलाक़ात कभी-कभार हो तो जीवन की संतुष्टि 69 फ़ीसदी तक कम हो सकती है। सप्ताह में एक से ज़्यादा बार दोस्तों से मिलने से संतुष्टि महसूस होती है और ज़िंदगी का आनंद बेहतर तरीक़े से ले पाते हैं।

तनाव और उलझन कम होती है

एक अध्ययन के अनुसार दोस्ती तनाव और उलझन के स्तर को कम करती है। किशोरावस्था में क़रीबी दोस्त होने से वयस्कता के दौरान मानसिक स्वस्थ्य बेहतर रहता है। वयस्क अवस्था में भी दोस्त की मौजूदगी मन को स्वस्थ रखती है।

मस्तिष्क को मज़बूती मिलती है

2019 का एक शोध बताता है कि दोस्त और उसका संबल संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली में सुधार करता है। दोस्ती से मानसिक तौर पर स्थिरता आती है जिसका फ़ायदा वृद्धावस्था में मिलता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, दोस्त होने से स्मरण क्षमता में सुधार होता है।

अकेलापन दूर होता है

दोस्त होने से अकेलेपन की भावना कम होती है। अकेलापन अवसाद बढ़ाता है और अन्य मानसिक व शारीरिक समस्याएं होने लगती हैं। अध्ययन के अनुसार, मित्रता समर्थन और आत्मीयता की भावना लाती है।

फिटनेस पर पड़ता है असर

दोस्तों के साथ व्यायाम करने से ज़्यादा फिट रहा जा सकता है। 2017 का एक अध्ययन बताता है कि जो लोग दोस्तों के साथ एक्सरसाइज़ करते हैं उनमें तनाव का स्तर कम पाया जाता है। ऐसे लोगों ने शारीरिक और मानसिक रूप से भी खुद को स्वस्थ पाया।

सहारा भी है दोस्ती

ज़िंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, जैसे नौकरी जाना, पारिवारिक समस्या या आर्थिक तनाव आदि। इन चुनौतियों का सामना करने में दोस्ती मदद करती है।

विक्रम भट्ट की हॉन्टेड 3डी का चला जादू, तगड़ी ली ओपनिंग

पहले दिन छापे धुआंधार नोट

अ अगर कहानी में दम नहीं है तो हॉरर फिल्मों के लिए बॉक्स ऑफिस पर टिके रहना मुश्किल होता है, खासकर तब जब वे कई बड़ी फ़िल्मों के साथ रिलीज होती हैं. हालांकि विक्रम भट्ट की नई रिलीज हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ़ द पास्ट को दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है. कंगना रनौत और मनोज बाजपेयी जैसे दिग्गज सितारों की फिल्मों से क्लैश के बावजूद इसने ओपनिंग डे पर ठीक कमाई कर ली है. चलिए यहां इसके पहले दिन का कलेक्शन जानते हैं. 12 जून को रिलीज़ हुई हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ़ द पास्ट में महाअक्षय चक्रवर्ती (मिमोह चक्रवर्ती), चेतना पांडे और हेमंत पांडे ने लीड रोल प्ले किया है. ये फ़िल्म एक ऐसे वीकेंड पर रिलीज़ हुई जिसमें कड़ी टक्कर थी. दरअस 12 जून को ही सिनेमाघरों में शरवरी और दिलजीत दोसांझ की मैं वापस आऊंगा और कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता से मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर रिलीज हुई है. वहीं एक हफ्ते पुरानी 'पेद्दी और 'है जवानी तो इश्क होना है भी सिनेमाघरों में मौजूद हैं. दिलचस्प बात ये है कि इतनी फिल्मों की भीड़ के बीच भी हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ़ द पास्ट रिलीज के पहले दिन दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है. इसी के साथ इस हॉरर-थ्रिलर फ़िल्म ने ओपनिंग डे पर उम्मीद से बेहतर कमाई की है. ट्रेड ट्रैकिंग पोर्टल सैकनिल्क के मुताबिक इस फ़िल्म ने देश भर में 2,907 शो से 2.50 करोड़ (नेट) की कमाई की है. इसके कलेक्शन का ज़्यादातर हिस्सा हिंदी वर्जन से आया है. जिसने 2,842 शो से .2.45 करोड़ कमाए. वहीं, तेलुगु-डब्ड वर्जन ने 65 शो से लगभग 5 लाख की कमाई की. इस तरह, फ़िल्म का पहले दिन का अनुमानित ग्रॉस कलेक्शन (भारत में) 2.95 करोड़ रहा है. हॉन्टेड 3डी: इकोज़ ऑफ़ द पास्ट, विक्रम भट्ट की 2011 की फ़िल्म हॉन्टेड 3डी का सीक्वल है. हॉन्टेड 3डी अपने समय की सबसे सफल हॉरर फ़िल्मों में से एक थी और आज भी फ़िल्ममेकर की हॉरर फ़िल्मों की लिस्ट में एक अहम फ़िल्म मानी जाती है. हालांकि प्रोड्यूसर्स ने फ़िल्म की प्रोडक्शन कॉस्ट के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं बताया है, लेकिन इंडस्ट्री की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को लगभग 15 करोड़ के बजट में बनाया गया है.

अल्फा का नया पोस्टर हुआ जारी

आलिया भट्ट संग नजर आए शरवरी-बॉबी और अनिल कपूर

फिल्म अल्फा का टीजर रिलीज होने के ठीक एक दिन बाद, आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में आलिया के साथ फिल्म के बाकी मुख्य कलाकार एक साथ नजर आ रहे हैं। आलिया ने इंस्टग्राम पर अपनी फिल्म अल्फा का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इस नए पोस्टर में आलिया के अलावा शरवरी वाघ, बॉबी देओल और अनिल कपूर काफी दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन शिव रावेल कर रहे हैं। फिल्म का पहला टीजर रिलीज किया गया था। टीजर की शुरुआत में आलिया भट्ट और बॉबी देओल एक साथ खाना खाते हुए दिखते हैं। बॉबी देओल, आलिया को उनके 18वें जन्मदिन की बधाई देते हैं और उन्हें एक कमरे का नंबर लिखा हुआ कार्ड देते हैं। बॉबी कहते हैं कि अब ट्रेनिंग को सच में आजमाने का समय आ गया है। इसके बाद फिल्म के कुछ शानदार एक्शन सीन दिखाए जाते हैं। टीजर से पता चलता है कि बॉबी देओल ने आलिया को एक खतरनाक एजेंट बनने के लिए कई साल तक ट्रेनिंग दी है। दोनों के बीच एक गुरु और शिष्य का रिश्ता दिखाया गया है। इस टीजर में फिल्म की दूसरी मुख्य अभिनेत्री शरवरी वाघ नजर नहीं आईं। दरअसल, यह फिल्म मेकर्स की एक सोची-समझी प्लानिंग है। वे फिल्म के सभी बड़े कलाकारों को एक साथ दिखाने के बजाय, धीरे-धीरे एक-एक करके सबके किरदारों को सामने लाएंगे। शरवरी के किरदार की पहली झलक जल्द ही किसी खास मौके पर अलग से दिखाई जाएगी, ताकि दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बनी रहे।

कॉकटेल 2 की दुनिया से अभी बाहर नहीं आ पाईं कृति सेनन

शूटिंग के अनदेखे पलों को किया शेयर

बॉ बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसके कलाकार लगातार दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा रहे हैं। इसी बीच कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया पर एक बीटीएस वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म की शूटिंग के दौरान के कई मजेदार पल देखने को मिले। कृति सेनन ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में फिल्म के सेट पर बिताए गए कई खूबसूरत पल दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में सबसे ज्यादा ध्यान फिल्म के एक बड़े गाने की शूटिंग पर जाता है। इसमें कृति सेनन और अभिनेता शाहिद कपूर एक साथ नजर आ रहे हैं।

दोनों कभी नाचते दिखाई देते हैं तो कभी हंसते और मस्ती करते हुए नजर आते हैं। वीडियो में वह हर पल का भरपूर आनंद लेते दिख रहे हैं। वीडियो में कृति अलग-अलग लुक्स में दिखाई दे रही हैं। वहीं शाहिद कपूर भी पूरे जोश के साथ नजर आ रहे है। दोनों कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिख रही है। वीडियो में डांस की तैयारी के पल भी दिखाए गए हैं। कलाकार गाने की रिहर्सल करते दिखाई देते हैं। समुद्र किनारे फिल्माए गए कई सीन्स बेहद खूबसूरत हैं। बड़ी संख्या में लोग म्यूजिक पर नाचते और खुशी मनाते नजर आते हैं। फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की भी वीडियो में छोटी सी झलक दिखाई देती है। इसके अलावा, फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया भी नजर आते हैं। कृति सेनन ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, मेंटली अभी भी फिल्म की दुनिया में हूं। 19 जून से थिएटर्स में कॉकटेल 2 जरूर देखने आए। कॉकटेल 2 इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक है। यह साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म कॉकटेल की अगली कड़ी है। पहली फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, इसलिए इस नई फिल्म से भी लोगों को काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी में प्यार, दोस्ती, रिश्तों की उलझन और इमोशन्स का मेल देखने को मिलेगा। साथ ही फिल्म में कई खूबसूरत गाने भी शामिल हैं। फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जेब खर्च के लिए होटल में नौकरी करनी पडी थी सोनम कपूर को

बॉ बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर की बड़ी बेटी सोनम कपूर आज भले ही देश की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में शुमार होती हों, लेकिन उनका शुरुआती सफर चुनौतियों से भरा रहा है। सोनम के फिल्मी परिवार में जन्म लेने के बावजूद, उनके जीवन में एक ऐसा दौर भी आया जब उन्हें अपने खर्चों के लिए एक रेस्टोरेंट में छोटी-सी नौकरी करनी पड़ी, और वह भी ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाई। सोनम कपूर का जन्म 9 जून 1985 को मुंबई के चेंबूर में हुआ था। वह अभिनेता अनिल कपूर और पूर्व मॉडल सुनीता कपूर की बड़ी बेटी हैं। हालांकि, उनका सपना शुरू से अभिनय में आने का नहीं था; उन्हें लेखन और निर्देशन में अधिक रुचि थी। अपनी पढ़ाई के दौरान, जब वह सिंगापुर में थीं, उन्होंने अपने जेब खर्च के लिए एक रेस्टोरेंट में वेट्रेस के रूप में काम किया। यह अनुभव हालांकि बहुत कम समय का रहा, और कुछ ही दिनों बाद उन्हें उस नौकरी से हटा दिया गया। सोनम ने खुद कई इंटरव्यू में इस शुरुआती संघर्ष के बारे में खुलकर बात की है। अभिनय जगत में कदम रखने से पहले, सोनम को अपने बढ़ते वजन से भी

जूझना पड़ा था। एक समय उनका वजन लगभग 90 किलो तक पहुंच गया था, और उन्हें पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम जैसी हार्मोनल समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। लेकिन उनकी जिंदगी में बड़ा मोड़ तब आया, जब उन्होंने निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ उनकी फिल्म ब्लैक में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। भंसाली ने ही उन्हें अभिनय में आने के लिए प्रेरित किया और वजन कम करने की सलाह दी। सोनम ने कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ लगभग 35 किलो वजन कम किया और खुद को अभिनय के लिए तैयार किया। साल 2007 में, सोनम कपूर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म सांवरिया से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसी फिल्म से रणबीर कपूर ने भी अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन सोनम को नई पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने दिल्ली-6, आई हेट लव स्टोरीज, आयशा, मौसम और प्लेयर्स जैसी कई फिल्मों में काम किया। शुरुआती सालों में उन्हें कुछ असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत और प्रयासों में कमी नहीं आने दी। सोनम के करियर में साल 2013 एक महत्वपूर्ण साल साबित हुआ, जब उनकी फिल्म रांझणा रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने खूब सराहा। इसके बाद भाग मिल्खा भाग, खूबसूरत, प्रेम रतन धन पायो, पैडमैन, वीरे दी वेडिंग और संजू जैसी सफल फिल्मों ने उनके करियर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। हालांकि, उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में नीरजा को प्रमुख माना जाता है।

गर्मियों में फूलों वाली स्कर्ट के साथ पहनें ये 5 डिजाइनर टॉप, आपको मिलेगा खूबसूरत लुक

ग गर्मियों में फूलों वाली स्कर्ट पहनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये न केवल आपको ठंडक देती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाती हैं। अगर आप सोच रही हैं कि इन स्कर्ट के साथ कौन-सा टॉप पहनें तो चिंता न करें। आज के फैशन टिप्स में हम आपको कुछ ऐसे डिजाइनर टॉप के बारे में बताएंगे, जो फूलों वाली स्कर्ट के साथ बहुत अच्छे लगते हैं और आपके लुक को खास बना सकते हैं। सफेद शर्ट हमेशा से ही एक अच्छा विकल्प रही है। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि किसी भी प्रकार की स्कर्ट के साथ अच्छी लगती है। यह आउटफिट आपको एक पेशेवर लुक भी दे सकता है, जो ऑफिस मीटिंग के लिए बढ़िया रहेगा। यह संतुलित लुक देता है और आपके

पूरे लुक को खास बनाता है। आप इसे बाहर निकालकर पहन सकती हैं या अंदर से टक कर सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। बैकलेस टॉप बहुत ही ट्रेंड में हैं, जो फूलों वाली स्कर्ट के साथ सबसे सुंदर लग सकते हैं। इसके लिए आप पश्चिमी शैली वाले टॉप चुन सकती हैं या फिर देसी शैली वाले डिजाइनर बैकलेस टॉप भी पहन सकती हैं। लंबी और मिडी, दोनों तरह की स्कर्ट के साथ ऐसे टॉप अच्छे लग सकते हैं। इन दिनों कैमी वाले बैकलेस टॉप भी काफी पसंद किए जा रहे हैं। टॉप की फिटिंग और स्टाइल अपने हिसाब से चुन सकती हैं। इन दिनों महिलाओं को फूलों वाली स्कर्ट के साथ जो टॉप पहनना सबसे ज्यादा पसंद है, वे हैं ट्यूब या टैंक टॉप। ट्यूब टॉप बिना बाजु और कंधे वाले टॉप होते हैं, जो काफी ट्रेंडी लुक प्रदान करते हैं। आप हल्के रंग वाली स्कर्ट के साथ हल्के रंग वाले ट्यूब टॉप का मेल बैठा सकती हैं, जो गर्मी के लिए आदर्श रहेगा। इसके अलावा टैंक टॉप हर महिला के पास होते ही हैं, जो इस स्कर्ट पर जंचते हैं। अगर आप किसी पार्टी या खास मौके पर फूलों वाली स्कर्ट पहन रही हैं तो ऑफ शोल्डर टॉप बढ़िया चुनाव हो सकते हैं। इससे एक ट्रेंडी लुक मिल जाता है और आप सभी का ध्यान आकर्षित कर सकती हैं। आप दोनों तरफ से ऑफ शोल्डर या वन ऑफ शोल्डर टॉप चुन सकती हैं, जो भी आपको ज्यादा पसंद आए। इसके अलावा इन दिनों ऑफ शोल्डर टी-शर्ट भी काफी चलन में हैं, जिन्हें स्कर्ट के साथ स्टाइल किया जा सकता है।

हॉल्टर नेक टॉप पिछले कुछ सालों से महिलाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। इन्हें गर्दन पर बांधकर पहना जाता है और इनकी नेकलाइन बेहद शानदार लुक देती है। इन्हें फूलों वाले प्रिंट वाली स्कर्ट के साथ पहनकर आपको सबसे सुंदर लुक मिलेगा, जो बीच पर जाने के लिए भी अच्छा रहेगा। टॉप की फिटिंग का खास ध्यान रखें, ताकि आपका लुक ज्यादा सुंदर नजर आए। हल्की एक्सेसरीज के साथ लुक को पूरा करें।

धमाल 4 का धमाकेदार ट्रेलर जारी, एक खजाना, सौ हंगामा, नए ट्विस्ट के साथ लौटी धमाल की टोली

ध धमाल 4 के मेकर्स ने इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म का ट्रेलर, रिलीज कर दिया है. यह जंबरदस्त हंसी-मजाक, मजेदार एडवेंचर और भरपूर मस्ती-धमाल का वादा करता है. इस ट्रेलर में धमाल की पसंदीदा टीम फिर से एक साथ नजर आ रही है, जो खजाने की खोज में निकल पड़ी है. अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पर धमाल 4 का ट्रेलर अपलोड किया है और कैप्शन में लिखा है, ठीक सामने, आपको वो प्ले बटन दिख रहा है? हां, उसे दबा दीजिए. धमाल 4 का ट्रेलर आ गया है. 10 जुलाई से दुनिया भर के सिनेमाघरों में सबसे बड़ी फैमिली एंटरटेनर फिल्म देखें. तीन मिनट से ज्यादा लंबे इस ट्रेलर में दर्शकों को न सिर्फ फिल्म के मजेदार किरदारों से मिलवाया गया है, बल्कि डॉल्फिन, बाघ, सांप, मगरमच्छ और ऑक्टोपस जैसे कई तरह के जानवरों की भी झलक दिखाई गई है. साथ ही, भूतों से भरी एक डरावनी हवेली भी है, जिससे पूरी स्थिति और भी ज्यादा मजेदार और उथल-पुथल भरी हो जाती है.

सं धमाल 4 का ट्रेलर मजेदार है. हालांकि, हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि कहानी एक बार फिर वैसी ही है, जिसमें सभी किरदार खजाने की तलाश में हैं.फिल्म में अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद, संजीदा शेख और ईशा गुप्ता हैं, और ट्रेलर में हर एक्टर को अच्छा मौका मिला है. हालांकि, रितेश और अंजलि सबसे ज्यादा ध्यान खींचते हैं. साथ ही, बैकग्राउंड में चटनी सॉन्ग भी सुनाई देता है, जो असल में सलमान

खान की फिल्म दबंग 2 में था. ट्रेलर की शुरुआत पुरानी यादों को ताजा करने वाले एक सीन से होती है- ठीक अपने सामने देखिए, क्या पहिए के सामने लाल बटन है? उसे नहीं दबाना था. इसी के साथ अजय देवगन और संजय मिश्रा को जोरदार इलेक्ट्रिक शॉक लगता है, जो आगे आने वाले पागलपन भरे माहौल का अंदाजा दे देता है. इसके बाद पूरी तरह से अफरा-तफरी मच जाती है. जिसमें रवि किशन का समुद्री डाकू जैसा किरदार खजाने के नक्शे की जोर-शोर से तलाश कर रहा है. धमाल 4 में नई ऑन-स्क्रीन जोड़ियां भी देखने को मिलेंगी, जैसे अजय देवगन के साथ ईशा गुप्ता, अरशद वारसी के साथ संजीदा शेख और रितेश देशमुख के साथ अंजलि आनंद. वहीं, जावेद जाफरी अपने जाने-पहचाने अंदाज में लौटते हुए दिख रहे हैं, जिसमें वे प्यारे और अजीबोगरीब मानव श्रीवास्तव का किरदार निभा रहे हैं.

रोहित शर्मा के रिटायर होने के बाद ही यशस्वी को एकदिवसीय में नियमित जगह मिल पायेगी : सहवाग

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि रोहित शर्मा के रिटायर होने के बाद यशस्वी जायसवाल को स्थायी तौर पर एकदिवसीय में पारी में शुरुआत करने का अवसर मिल सकेगा। सहवाग के अनुसार जब तक रोहित खेलेंगे यशस्वी को पारी की शुरुआत का अवसर नहीं मिलेगा। उन्हें किसी अन्य स्थान पर भी तभी खेलने का अवसर मिलेगा जब कोई अन्य खिलाड़ी फिटनेस या किसी अन्य कारण से बाहर होगा। टेस्ट क्रिकेट में बेहतरीन बल्लेबाजी के बाद भी यशस्वी अब तक एकदवसीय टीम में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए उन्हें तभी जगह मिली जब विराट कोहली फिट नहीं पाये गये।

सहवाग का मानना है कि यशस्वी के पास सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है पर इसके बाद भी सीमित ओवरों के प्रारुप में वह अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। उन्हें अवसर का इंतजार करना पड़ रहा है क्योंकि पारी की शुरुआत के लिए जगह नहीं है। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने पारी की शुरुआत में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऐसे में यशस्वी को तभी मौका मिलता है, जब इनमें से कोई सीनियर खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होता। यशस्वी ने अब तक मिले अवसरों में साबित किया है कि वह सीमित ओवरों में भी प्रभावी हैं।

सहवाग ने कहा, "अभी जगह नहीं है। शुभमन कप्तान हैं। रोहित खेल रहे हैं पर जैसे ही रोहित रिटायर होंगे, वैसे ही यशस्वी को सफेद गेंद प्रारुप में जगह मिल जाएगी। इसमें रुतुराज गायकवाड़ उनके प्रतिद्वंदी हो सकते हैं पर अगर आप तीन बल्लेबाज पारी की शुरुआत के लिए रखते हैं तो यशस्वी को जरुर अवसर मिलेगा।" सहवाग के अनुसार वह

टीम में तभी आ गये थे जब गिल या शर्मा उपलब्ध नहीं थे। ऐसा नहीं था कि उन्हें अवसर मिला और उन्होंने प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने जब मौका मिला, बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें प्रदर्शन के कारण बाहर नहीं किया पर बल्कि इसलिए क्योंकि वह किसी और की जगह पर शामिल किये गये थे। सहवाग के अनुसार ईशान किशन भी एकदिवसीय टीम में जगह के प्रबल दावेदार हैं।

सहवाग ने आगे कहा, "ईशान किशन भी वनडे क्रिकेट का हिस्सा नहीं हैं. उन्होंने वनडे में सबसे तेज डबल सेंचुरी बनाई है. वह भी एक खिलाड़ी हैं जो दावेदार हैं. मैं जायसवाल को वनडे और टी20 में यानी तीनों फॉर्मेट में देखना चाहूंगा. वह ऐसा खिलाड़ी है जो तीनों फॉर्मेट में खेल सकता है।"

इंग्लैंड दौरे के लिए इसी सप्ताह हो सकती है भारतीय एकदिवसीय टीम की घोषणा

- विराट, हार्दिक और रोहित को फिट होने पर अवसर मिलना तय

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति इसी सप्ताह इंग्लैंड दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा कर सकती है। भारतीय टीम को अगले माह जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज सीरीज खेलनी है। इस दौर को लेकर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और रोहित शर्मा पर सबकी नजरें रहेंगी। अगर ये फिट रहे तो इन्हें जगह मिलना पक्का है। कोहली और पांड्या दोनों ही चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ जारी रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हैं, इनकी फिटनेस रिपोर्ट पर चयनसमिति संभीरता से नजर रखेगी। विराट को मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या है, जबकि हार्दिक पांड्या की चोट पुरानी है। हार्दिक, जो पहले चोट से उबरकर अफगानिस्तान सीरीज के लिए वापसी के करीब थे पर बदकिस्मती से आखिरी प्रशिक्षण सत्रों के दौरान पैर में दोबारा चोटिल होने के कारण बाहर हो गये। इस कारण वह एक बार फिर खेल से दूर हो गए हैं। वह अभी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के दौर से गुजर रहे हैं। वहीं चयनकर्ता और टीम प्रबंधन की प्राथमिकता है कि ये दोनों खिलाड़ी जल्द से जल्द फिट होकर अपनी फॉर्म फिर हासिल करें, जिससे 2027 विश्व कप के लिए एक आदर्श टीम संयोजन तैयार किया जा सके। अफगानिस्तान सीरीज में कोहली की अनुपस्थिति में ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं, जबकि हार्दिक की जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को मौका दिया जा रहा है। चयनकर्ता चाहेंगे कि हार्दिक को पूर्ण रूप से फॉर्म में लौटने और वनडे क्रिकेट से तालमेल बिठाने के लिए पर्याप्त अवसर मिलें।

चहल का टेस्ट खेलने का सपना अब शायद ही पूरा हो : रिपोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

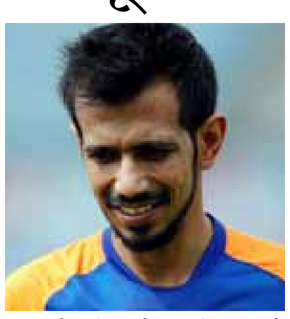

स्पिन युजवेंद्र चहल सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी जादुई स्पिन से विरोधियों को नचाते रहे है पर लगता है उनका भारतीय टीम से टेस्ट खेलने का सपना शायद ही पूरा हो। चहल ने कई बार देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने की इच्छा जतायी है। एक रिपोर्ट के अनुसार घरेलू क्रिकेट में भी चहल ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उन्हें अवसर नहीं मिला है। इसे उनके करियर की एक बड़ी विडंबना ही कहा जाएगा कि अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह जगह हासिल नहीं कर पाये। टी20 में अपनी स्पिन से बड़े-बड़े बल्लेबाजों को फंसाने वाले इस लेग स्पिनर को यह अवसर न मिल पाना कई प्रशंसकों के लिए भी हैरानी की बात भी रही है। यहां तक कि चहल के लिए भारतीय सीमित ओवरों की टीम में जगह भी मिलना अब कठिन हो गया है। पिछले काफी समय से वह सीमित ओवरों की टीम में भी जगह नहीं बना पाये हैं। ऐसा नहीं है कि चहल ने कोशिश नहीं की है, लेकिन प्रतिस्पर्धा इतनी कड़ी है कि छोटी सी भी गलती या फॉर्म में गिरावट से खिलाड़ी बाहर हो जाता है। चयनकर्ता अब भविष्य की ओर देख रहे हैं और युवा प्रतिभाओं को ज्यादा से ज्यादा अवसर देना चाहते हैं। ऐसे में चहल जैसे अनुभवी गेंदबाज की टीम इंडिया में वापसी तभी हो सकती है जब वह असाधारण प्रदर्शन करें। जिससे चयनकर्ताओं के लिए उनकी उपेक्षा संभव नहीं रहे।

इस बार विंबलडन में मिलेगी सबसे अधिक इनामी राशि

एजेंसी, लंदन। इस माह के अंत में शुरु हो रहे विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को पहले से अधिक इनामी राशि मिलेगी। पिछले कुछ समय से खिलाड़ियों ने राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया था जिसके बाद ही विंबलडन ने अपनी कुल इनामी राशि में 20 फीसदी वृद्धि की घोषणा की। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के एकल चैंपियन को अब पिछली बार की जगह पर रिकॉर्ड 36 लाख पाउंड (लगभग 48 लाख डॉलर) मिलेंगे, जो कि प्रतियोगिता के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी विजेता राशि है। ऑल इंग्लैंड क्लब की अध्यक्ष, डेबोरा जेवन्स ने कहा है कि खिलाड़ियों की मांग के बाद दैनिक भत्ते सहित कुल इनामी राशि छह करोड़ 42 लाख पाउंड (लगभग आठ करोड़ 58 लाख डॉलर) तक पहुंच जाएगी। यह महत्वपूर्ण बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब टेनिस खिलाड़ी लंबे समय से चार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों से होने वाली भारी कमाई में अपनी अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे थे। हाल के महीनों में, इस मुद्दे पर खिलाड़ियों ने सामूहिक कार्रवाई की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू किये थे।

रोहित और कोहली के विकल्प पर बात होना स्वाभाविक : स्वान

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान ने कहा है कि भारतीय टीम के दिग्गज क्रिकेटर रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने करियर के अंतिम चरण में हैं, इसलिए इनकी जगह किन क्रिकेटरों को जगह मिलेगी। इसपर बात होना स्वाभाविक है। स्वान ने कहा कि जब भी कोई खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे हिस्से में पहुंचता है तो यह स्वाभाविक है कि लोग उसके उत्तराधिकारी की तलाश करने लगते हैं, चाहे उसने कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। उन्होंने कहा, आप भले ही अपने खेल के शीर्ष पर हों, फिर भी लोग सोचने लगते हैं कि रोहित या विराट के बाद कौन आएगा। यह बहुत सामान्य बात है। जैसे ही प्रदर्शन कमजोर होता है उत्तराधिकारी पर चर्चा तेज हो जाती है। साथ ही कहा कि यह स्थिति तब पैदा होती है जब प्रशंसक और विशेषज्ञ भविष्य की ओर देखने लगते हैं। स्वान के अनुसार, युवा प्रतिभाओं का उभरना इस दबाव को और अधिक बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि लगातार नई प्रतिभाओं के सामने आने से भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर स्वाभाविक रूप से अतिरिक्त दबाव बनता है। यह दबाव अनुभवी खिलाड़ियों को अपनी जगह बनाए रखने के लिए लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे टीम में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनता है। हालांकि, स्वान ने रोहित की वर्तमान फॉर्म की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोहित के लिए आने वाले छह सप्ताह महत्वपूर्ण होंगे, खासकर आगामी इंग्लैंड श्रृंखला को देखते हुए।

बिजनेस

मार्च के बाद सबसे निचले स्तर पर आया कच्चा तेल

- डब्ल्यूटीआई क्रूड 79.76 डॉलर के स्तर तक फिसला

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए बनी सहमति के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत मार्च के बाद के अभी तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। पश्चिम एशिया में तनाव खत्म होने की संभावना की वजह से कच्चे तेल की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले डेढ़ महीने के दौरान 37 डॉलर प्रति बैरल तक गिर चुकी है। इस गिरावट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में 120 डॉलर प्रति बैरल तक की छलांग लगाने वाला ब्रेंट क्रूड आज 82.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ऑयल टैंकर्स और मालवाहक जहाजों की आवा-जाही फिर से शुरू करने और ईरान के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक शुरुआती समझौते पर काफी हद तक सहमति बन गई है। जल्दी ही दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता हो सकता है। ट्रंप की इस घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की तरह ही वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की कीमत मार्च के बाद पहली बार गिर कर 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे गिर गई। आज के कारोबार की बात करें तो ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स की कीमत 4.20 डॉलर प्रति बैरल यानी पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.07 डॉलर के स्तर पर आ गई। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर्स 4.7 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.6 प्रतिशत लुढ़क कर 80.12 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। फिजिकल मार्केट में ब्रेंट क्रूड आज 3.52 डॉलर प्रति बैरल टूट कर 83.81 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ब्रेंट क्रूड फिसल कर मार्च महीने के बाद के सबसे निचले स्तर 82.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 2:30 बजे ब्रेंट क्रूड 4.35 डॉलर प्रति बैरल यानी 4.98 प्रतिशत टूट कर 82.98 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड ने आज 3.95 डॉलर प्रति बैरल लुढ़क कर 80.93 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर में ही यह फिसल कर 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे फिसल कर 79.76 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 4.59 डॉलर प्रति बैरल यानी 5.41 प्रतिशत टूट कर 80.29 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

मई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में 27.3 फीसदी का इजाफा : सियाम

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री में इजाफा हुआ है। मई में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 27.3 फीसदी बढ़कर 4,38,854 इकाई हो गई। मई 2025 में थोक बिक्री 3,44,656 इकाई रही थी। उद्योग संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। सियाम की ओर से जारी एक बयान के अनुसार दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री भी मई महीने में 14.8 फीसदी बढ़कर 19,02,209 इकाई हो गई, जो मई 2025 में 16,57,116 इकाई थी। उद्योग संगठन सियाम के मुताबिक तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री मई में 31.1 फीसदी बढ़कर 70,720 इकाई हो गई, जबकि एक वर्ष पहले इसी महीने में यह 53,942 इकाई रही थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने जारी बयान में कहा, "यात्री वाहनों, तिपहिया और दोपहिया वाहनों ने मई 2026 में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की, जिसमें हर सेगमेंट में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि हुई है।"

अद्वित ज्वेल्स का आईपीओ 23 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 130-138 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी, मुंबई

जयपुर स्थित अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार, 23 जून को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए निवेशक 25 जून तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 130-138 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ मंगलवार, 23 जून को खुलकर 25 जून को बंद होगा। इसमें निवेश के लिए एंकर निवेशक 22 जून को बोली लगा सकेंगे। अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 130-138 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इश्यू बंद होने के बाद इसके शेयर का अलॉटमेंट 29 जून को फाइनल हो सकता है। इसके शेयर बीएसई और एनएसई पर 1 जुलाई को सूचीबद्ध होंगे।

अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड के 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इस इश्यू के लिए निवेशक कम से कम 100 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 100 के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। यह आईपीओ पूरी तरह से 1.19 करोड़ इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है, जबकि इसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव घटक नहीं है।

कंपनी इस नए इश्यू से प्राप्त 65 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग अपनी बढ़ती कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए करेगी, 65 करोड़ रुपये का उपयोग ऋण चुकाने के लिए किया जाएगा। वहीं, शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड कंपनी भारत के रत्न और आभूषण हब, जयपुर (राजस्थान) में स्थित है। इस कंपनी का ब्रांड का नाम 'रंभजो' है। यह कंपनी पारंपरिक और आधुनिक हाथ से बनी बेहतरीन आभूषण बनाती और बेचती है, जिसमें कुंदन, पोल्की, डायमंड और जड़े हुए पीस मुख्य रूप से शामिल हैं।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने की पुष्टि के बाद दुनिया के ज्यादातर शेयर बाजार की तरह ही घरेलू शेयर बाजार में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में कुछ गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली के सपोर्ट से दोनों सूचकांकों ने दोबारा रफ्तार पकड़ ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 1.44 प्रतिशत और निफ्टी 1.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टूब्रो, इंटरग्लोब एवियशन और टाइटन कंपनी के शेयर 7.75 प्रतिशत से लेकर 3.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, नेस्ले, ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 3.29 प्रतिशत से लेकर 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,999 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी।

थोक महंगाई दर मई में बढ़ कर 9.68 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली । पश्चिम एशिया संकट के देश में थोक महंगाई दर मई माह में बढ़कर 9.68 फीसदी पर पहुंच गई। वहीं पिछले महीने अप्रैल में यह 8.26 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को थोक मूल्य सूचकांक (डूब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर के आंकड़े जारी किए। मंत्रालय ने कहा कि ईंधन एवं बिजली, विनिर्मित उत्पादों और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। मंत्रालय ने आधार वर्ष को 2011-12 से संशोधित कर 2022-23 करने के बाद डूब्ल्यूपीआई पर आधारित महंगाई के जारी आंकड़ों में कहा कि ईंधन और बिजली श्रेणी में थोक महंगाई दर मई में बढ़कर 30.33 फीसदी हो गई, जो अप्रैल में 24.89 फीसदी थी। इस दौरान कच्चे पेट्रोलियम की महंगाई दर 61.51 फीसदी रही, जबकि अप्रैल में यह 56.31 फीसदी थी। आंकड़ों के मुताबिक थोक महंगाई दर में यह तेज वृद्धि पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी अवरोध के कारण हुई, जहां से भारत अपने अधिकतर कच्चे तेल का आयात करता है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।